राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण शुक्रवार 15 दिसंबर 2023 वर्ष–6,अंक–320 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

दिल्ली में सर्दी का सितम शुरू,पारा 7 डिग्री तक गिरा; कोहरे का भी अलर्ट,

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में सर्दी का सितम शुरू होने से अब ठंड का अहसास भी बढ़ने लगा है। मानक वेधशाला सफदरजंग में बुधवार का न्यूनतम तापमान सामान्य से एक डिग्री सेल्सियस कम रिकॉर्ड किया गया। मौसम विभाग का अनुमान है कि गुरुवार को आंशिक रूप से बादल छाए रहने के साथ ही सुबह हल्का कोहरा रह सकता है। दिल्ली में इस समय सुबह और शाम को ठंड का अहसास ज्यादा बढ़ गया है। दिल्लीवासियों की बुधवार की सुबह थोड़ी गर्म रही। राजधानी में पिछले कुछ दिनों से तापमान सामान्य से नीचे चल रहा है। मौसम विभाग के अनुसार, अगले दो दिनों में न्यूनतम तापमान फिर से गिर सकता है। सफदरजंग में बुधवार को न्यूनतम तापमान 7.4 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया जो कि सामान्य से एक डिग्री कम है। वहीं, अधिकतम तापमान 24.6 डिग्री सेल्सियस रहा, जो कि सामान्य से दो डिग्री ज्यादा है। यहां पर आर्द्रता का स्तर 100 से 38 फीसदी तक रहा। मौसम विभाग का अनुमान है कि गुरुवार को अधिकतम तापमान 24 और न्यूनतम तापमान 6 डिग्री सेल्सियस रह सकता है।

दिल्ली हवाई अड्डे पर कोहरे को लेकर विशेष तैयारी

कोहरे के सीजन में यात्रियों को परेशानी से बचाने के लिए दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाईअड्डे पर विशेष प्रबंध किए गए हैं। तकनीक एवं ढांचागत संरचना में इजाफा करने के साथ कर्मचारियों को विशेष प्रशिक्षण दिया गया है। दिल्ली में सर्दियों के मौसम में अक्सर घना कोहरा रहता है। उस समय दृश्यता का स्तर इतना कम हो जाता है कि कई बार उड़ानें भी प्रभावित होती हैं। हवाईअड्डे का संचालन करने वाली कंपनी डायल के विशेष कार्यकारी अधिकारी विदेह कुमार जयपुरियार ने बताया कि कोहरे को लेकर दिल्ली एयरपोर्ट तैयार है। तकनीक और ढांचागत सुविधाओं में इजाफा करने के साथ कर्मचारियों को भी इसके लिए विशेष प्रशिक्षण दिया गया है। बुधवार को दिल्ली में एक्यूआई बहुत खराब श्रेणी में रहा। शाम चार बजे 24 घंटे का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक 378 दर्ज किया गया। बता दें कि, शून्य और 50 के बीच एक AQI को अच्छा , 51 और 100 के बीच संतोषजनक , 101 और 200 के बीच मध्यम , 201 और 300 के बीच खराब , 301 और 400 के बीच बहुत खराब।

लोकसभा में सुरक्षा चूक पर राज्यसभा में हंगामा

स्पीकर ने टीएमसी सांसद डेरेक ओ' ब्रायन को किया सस्पेंड

नई दिल्ली। संसद की सुरक्षा में चूक के मामले में आज जमकर हंगामा हुआ। राज्यलभा में तृणमूल सांसद डेरेक ओ ब्रायन को अनियंत्रित व्यवहार के लिए इस सत्र के बाकी बच्चे हिस्से से सस्पेंड कर दिया गया। आपको बता दें कि टीएमसी सांसद उस घटना पर चर्चा की मांग कर रहे थे। राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने बंगाल के नेता का नाम लिया और उन्हें तुरंत सदन छोड़ने का निर्देश दिया।

धनखड़ ने उन्हें संसद के इस सत्र के लिए सस्पेंड करते हुए कहा, डेरेक ओ ब्रायन को तुरंत सदन छोड़ने के लिए नामित किया गया है। डेरेक ओ ब्रायन का कहना है कि वह सभापति की अवहेलना करेंगे। उनका कहना है कि वह नियमों का सम्मान नहीं करेंगे। यह एक गंभीर मामला है। यह शर्मनाक है घटना है।

एक बार के स्थगन के बाद पूर्वाह्न 12 बजे उच्च सदन की कार्यवाही होते ही सभापति जगदीप धनखड़ ने ओब्रायन का नाम लिया और उनके निलंबन की कार्यवाही शुरु की। सभापति द्वारा जब किसी सदस्य का नाम लिया जाता है तो इसका अर्थ सदस्य के निलंबन की कार्यवाही का आरंभ होना होता है। ऐसा तब होता है जब कोई सदस्य पीठ के प्राधिकार का अनादर कर रहे हों अथवा सभा के कार्य में लगातार और जानबूझ कर बाधा डालते हुए सभा के नियमों का दुरुपयोग कर रहे हों।

विपक्षी सदस्यों के हंगामे के बीच सदन के नेता पीयूष गोयल ने इस संबंध में एक

प्रस्ताव पेश किया, जिसे धवनि मत से पारित कर दिया गया। इसके बाद धनखड़ ने घोषणा की, डेरेक ओब्रायन इस सत्र की शेष अवधि के लिए निलंबित किए जाते हैं। इस घोषणा के बाद विपक्षी सदस्य आसन के निकट आकर %तानाशाही नहीं चलेगी और डेरेक का निलंबन नहीं सहेंगे जैसे नारे लगाने लगे।

हंगामे के बीच ही सभापति ने प्रश्नकाल आरंभ करने की कोशिश की। हालांकि विपक्षी सदस्यों की नारेबाजी जारी रही। लिहाजा, सभापति ने सदन की कार्यवाही 12 बजकर 05 मिनट पर दोपहर दो बजे तक के लिए स्थगित कर दी। इससे पहले, उच्च सदन की कार्यवाही आरंभ होने पर विपक्षी सदस्यों ने संसद पर आतंकी हमले की बरसी के दिन बुधवार को हुई सुरक्षा में चूक को लेकर भारी हंगामा किया, जिसके बाद उच्च सदन की कार्यवाही दोपहर 12 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई थी। सभापति ने बताया कि नियम 267 के तहत उन्हें 28 नोटिस प्राप्त हुए हैं लेकिन यह स्वीकार किए जाने लायक नहीं हैं। इसके बाद उन्होंने शून्य काल आरंभ कराया। इसी दौरान कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस सहित अन्य विपक्षी दलों के सदस्यों ने हंगामा शुरू कर दिया। हंगामा कर रहे कुछ सदस्य आसन के निकट आ गए और नारेबाजी करने लगे। विपक्षी सदस्य गृह मंत्री सदन में आओ, सदन में आकर जवाब दो जैसे नारे लगा रहे थे। विपक्षी सदस्यों के आचरण पर आपत्ति जताते हुए सभापति ने उनसे आसन के निकट नहीं आने का बार-बार आग्रह किया। एक बार तो उन्होंने तृणमूल कांग्रेस सदस्य डेरेक ओब्रायन के आचरण को अनुशासनहीता करार दिया और उनका नाम लेते हुए उन्हें सदन से बाहर चले जाने को कहा। इसके बावजूद सदन में हंगामा जारी रहा और ओब्रायन सदन में ही रहे। हंगामा नहीं थमता देख सभापति ने 11 बजकर 22 मिनट पर कार्यवाही दोपहर 12 बजे तक के लिए स्थगित कर दी।

त्रिपुरा सरकार ने पशु पालन के लिए अभिनव योजनाएं शुरू कीं

अगरतला। त्रिपुरा सरकार ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने और पशु पालन में आत्मनिर्भरता सुनिश्चित करने के लिए कृषि किसानों के लिए केंद्र सरकार की योजनाओं की तरह हुए पशुधन आधारित गतिविधियों को प्रोत्साहित करने के लिए दो अभिनव योजनाएं शुरू की हैं।

राज्य के पशु संसाधन विकास मंत्री, सुधांग्शु दास ने कहा कि मुख्यमंत्री प्राणि पालक सम्मान निधि योजना के तहत, विभाग पशु उत्पादों के आयात को कम करने का लक्ष्य रखते हुए, राज्य योजना से प्रत्येक पशुपालक को सालाना 6000 रुपये का समर्थन देगा।

योजना के तहत, दो लाख रुपये से कम वार्षिक आय वाले पशुपालन में लगे व्यक्ति और कम

से कम एक डेयरी गाय, 10 बकरियां, या सुअर की उन्नत नस्ल रखने वाले व्यक्ति सहायता पाने के हकदार हैं।

दास ने कहा, हमने चालू वित्तीय वर्ष के लिए 174 करोड़ रुपये निर्धारित किए हैं, जिसे वित्त वर्ष 2023-24 की अंतिम तिमाही तक 2900 पशुपालकों के बीच वितरित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री प्राणि संपदा विकास योजना के तहत, 36053 पोल्ट्री और बत्तख पालन किसानों में से प्रत्येक को अतिरिक्त 1300 रुपये का समर्थन दिया जाएगा।

उन्होंने कहा कि इनके अलावा, सरकार की अन्य पहल भी हैं, जिनमें बछड़ा वृद्धि दूध (सीजीएम) योजना शामिल है, जो उन्नत नस्ल के बछड़ों के लिए सब्सिडी वाला चारा प्रदान करती है, और पशु संसाधनों और पक्षियों के नुकसान के लिए मुआवजा योजना है।

2024 में फिर होगी बीजेपी की बंपर जीत

52 सीटों पर सिमट सकती है कांग्रेस पार्टी; क्या कहता है सर्वे

नई दिल्ली। मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में शानदार जीत हासिल करने वाली भारतीय जनता पार्टी का विजयरथ 2024 लोकसभा चुनाव में भी जारी रहने के आसार हैं। हाल ही में हुए एक सर्वे में ऐसे संकेत मिले हैं। सर्वे में संभावनाएं जताई जा रही हैं कि कांग्रेस और खासतौर से नए विपक्षी गठबंधन INDIA का प्रदर्शन खास नहीं होने वाला है।

कितनी सीटें जीतेगी भाजपा?

सर्वे ने अनुमान लगाया है कि भाजपा की अगुवाई वाला नेशनल डेमोक्रेटिक अलायंस यानी ह्ष्ठ 323 सीटें अपने नाम कर सकता है। सर्वे से पता चला है कि 2024 लोकसभा चुनाव में भाजपा अकेले ही 308 से 328 सीटें जीत सकती है। हालांकि, 2019 की तुलना में एनडीए की सीटों में कुछ गिरावट का भी अनुमान लगाया जा रहा है।

कांग्रेस की क्या स्थिति

सर्वे के अनुसार, 2024 आम चुनाव में कांग्रेस की गाड़ी महज 52 से 72 सीटों की बीच रुक सकती है। इसके अलावा INDIA गठबंधन के दल मिलकर 163 सीटें जीत सकते हैं। करीब 18 दलों ने मिलकर भाजपा के खिलाफ विपक्षी गठबंधन तैयार किया है। इसमें कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस, वामदल, जनता दल यूनाइटडे, शिवसेना (उद्धव बालासाहब ठाकरे), राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी समेत कई बड़े दल शामिल हैं।

2019 चुनाव के नतीजे-2019 लोकसभा चुनाव में भाजपा ने 436 सीटों पर चुनाव लड़ा था। इनमें से पार्टी ने 303 सीटों पर जीत का परचम लहराया था। जबकि, 421 सीटों पर मैदान में उतरी कांग्रेस को महज 52 सीटों पर ही जीत मिल सकी थी। तब एनडीए ने 350 सीटों का आंकड़ा पार कर लिया था और भाजपा ने अपने दम पर ही बहुमत हासिल कर ली थी।

तीन राज्यों में बड़ी जीत-हाल ही में भाजपा ने 230 सीटों वाले मध्य प्रदेश में 163, राजस्थान की 199 में से 115, छत्तीसगढ़ में 90 में से 54 सीटों पर जीत हासिल की है। पूर्वोत्तर राज्य मिजोरम में भी भाजपा का पिछले चुनाव के मुकाबले ग्राफ बढ़ा और पार्टी को 2 सीटों पर जीत मिली। दक्षिण भारतीय राज्य तेलंगाना में भी भाजपा ने 8 सीटें अपने नाम की हैं।

संसद भवन की सुरक्षा चूक मामले में बड़ी कार्रवाई, लोकसभा के 8 कर्मी निलंबित

नई दिल्ली। संसद भवन की सुरक्षा में कल बड़ी चूक हो गई। दो व्यक्ति लोकसभा में दर्शक दीर्घा से चैंबर में घुस गए और नारेबाजी करने लगे। इस घटना पर लोकसभा सचिवालय ने बड़ी कार्रवाई की है। सुरक्षा उल्लंघन के आरोप में आठ कर्मियों को निलंबित कर दिया है। आपको यह भी बता दें कि दिल्ली पुलिस ने संसद सुरक्षा चूक की घटना के संबंध में गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के तहत मामला दर्ज किया है। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। संसद पर 2001 को हुए आतंकी हमले की बरसी के दिन बुधवार को सुरक्षा में सेंधमारी की बड़ी घटना उस वक्त सामने आई जब लोकसभा की कार्यवाही के दौरान दर्शक दीर्घा से दो लोग- सागर शर्मा और मनोरंजन डी सदन के भीतर कूद गए, उन्होंने नारेबाजी की और केन के जरिये पीले रंग का धुआं फैला दिया। इस बीच कुछ सांसदों ने दोनों को पकड़ लिया। लगभग उसी वक्त दो अन्य आरोपियों अमोल शिंदे और नीलम देवी ने संसद परिसर के बाहर केन से रंगीन धुआं छोड़ा और तानाशाही नहीं चलेगी के नारे लगाए। पुलिस ने कहा कि इस घटना की योजना छह लोगों ने मिल कर बनाई थी और ये चारों लोग उसी समूह का हिस्सा हैं। अधिकारियों ने बताया कि घटना के संबंध में संसद मार्ग थाने में भारतीय दंड संहिता की धारा 120बी (आपराधिक साजिश), 452 (बिना मंजूरी के प्रवेश), 153 (दंगा भड़काने के

इरादे से जानबूझकर उकसाना), 186 (लोक सेवक को सार्वजनिक कार्यों के निर्वहन में बाधा पहुंचाना) और 353 (लोक सेवक को उसके कर्तव्य के निर्वहन से रोकने के लिए आपराधिक बल का इस्तेमाल करना अथवा हमला) और यूएपीए की धारा 16 तथा 18 के तहत मामला दर्ज किया गया है।

अफजाल अंसारी को एससी से बड़ी राहत, बहाल होगी सांसदी; 2024 के लिए भी रास्ता साफ

नई दिल्ली। बसपा सांसद अफजाल अंसारी को गैंगस्टर केस में मिली 4 साल की सजा से सुप्रीम कोर्ट ने राहत दे दी है। अदालत ने अफजाल अंसारी की सजा पर फिलहाल रोक लगा दी है। इसके चलते बसपा के अयोग्य ठहराए गए सांसद की बहाली का रास्ता खुल गया है। हालांकि अदालत ने यह शर्त रखी है कि वह वोट नहीं डाल सकेंगे और सांसद के तौर पर भत्ते भी नहीं ले पाएंगे। लेकिन उन्हें सदन की कार्यवाही में हिस्सा लेने की परमिशन होगी। अफजाल अंसारी को गैंगस्टर केस में 4 साल की सजा सुनाई गई थी। इसके बाद 1 मई को उनकी लोकसभा की सदस्यता भी चली गई थी। अफजाल अंसारी 5 बार विधायक और दो बार सांसद रह चुके हैं। नियम के मुताबिक यदि किसी जनप्रतिनिधि को दो या उससे अधिक साल की सजा होती

● इस मामले में जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस उज्ज्वल भुइयां ने अफजाल अंसारी की सजा पर रोक का फैसला दिया

है तो उसकी संसद या विधानसभा की सदस्यता चली जाती है। यही नहीं उसके चुनाव लड़ने पर भी 6 साल के लिए रोक का प्रावधान है। गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने बहुमत से फैसला दिया कि अफजल की अंसारी की सजा पर फिलहाल रोक लगाई जाए। इसके साथ ही तीन जजों की बेंच ने इलाहाबाद हाई कोर्ट से कहा है कि वह 30 जून तक सजा के खिलाफ दायर अफजल अंसारी की अपील पर फैसला करे।

इस मामले में जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस उज्ज्वल भुइयां ने अफजाल अंसारी की सजा पर रोक का फैसला दिया, जबकि जस्टिस दीपांकर दत्ता इसके खिलाफ थे। इस तरह 2-1 के बहुमत से सुप्रीम कोर्ट की बेंट ने अफजाल अंसारी को राहत दे दी। जजों ने कहा कि यह किसी भी संसदीय क्षेत्र की जनता का अधिकार है कि उसके पास जनप्रतिनिधि हो या फिर उसका चुनाव कराया जाए। इस तरह शीर्ष अदालत ने अफजाल अंसारी की सदस्या को बहाल कर दिया। हालांकि कुछ शर्तें लगाते हुए कहा है कि वह सांसद के तौर पर मतदान नहीं कर सकते। इसके अलावा सैलरी और भत्ते भी नहीं उठा सकते। संसद की कार्यवाही का हिस्सा वह जरूर बन सकते हैं।

सदस्यता बहाली के साथ ही अफजाल अंसारी के लिए 2024 के आम चुनाव लड़ने का रास्ता भी साफ हो गया है। अफजाल अंसारी गाजीपुर जिले के रहने वाले हैं और गैंगस्टर मुख्तार अंसारी के भाई हैं। गाजीपुर की स्पेशल एमपी-एमएलए कोर्ट ने अफजाल अंसारी को 29 अप्रैल को गैंगस्टर ऐक्ट केस में दोषी ठहराया था। अदालत ने अफजाल अंसारी को 4 साल और उसके भाई गैंगस्टर मुख्तार अंसारी को 10 साल कैद की सजा सुनाई थी। भाजपा के विधायक कृष्णानंद राय की हत्या के मामले में दोनों के खिलाफ यूपी गैंगस्टर्स ऐक्ट के तहत केस हुआ था।

अंतरिक्ष में ही सैटेलाइट भरवा सकेंगे ईंधन !

नई दिल्ली। अमेरिकी टेक कंपनी ऑर्बिट फैब अंतरिक्ष में गैस स्टेशन स्थापित करने की संकल्पना को साकार करने की दिशा में तेजी से कदम बढ़ा रही है। कंपनी के कॉन्सेप्ट के मुताबिक पृथ्वी से दूर अंतरिक्ष की कक्षा में स्थापित सैटेलाइट में ईंधन भरने की प्रक्रिया को सरल और किफायती बनाना है। कंपनी का इरादा RAFTI (रैपिड अटैचेबल फ्लुइड ट्रांसफर इंटरफ़ेस) नामक एक मानकीकृत पोर्ट से सैटेलाइट्स में ईंधन भरना है। इसके तहत अंतरिक्ष में ईंधन भरने वाले शटल, ऑर्बिट गैस स्टेशन, या ईंधन भरने वाले टैंकर की स्थापना की जाएगी।

कंपनी के सीईओ डैनियल फैबर ने CNN को बताया कि कंपनी का मिशन कम लागत वाला गैस स्टेशन स्थापित करना है, जो अंतरिक्ष की कक्षा में उपग्रहों में ईंधन भरने के लिए व्यावसायिक रूप से उपलब्ध ईंधन बंदरगाहों की उपलब्धता सुनिश्चित कराएगा। बता दें कि अभी अंतरिक्ष में ऐसी कोई सुविधा उपलब्ध नहीं है। फैबर के मुताबिक, उनकी कंपनी अंतरिक्ष में इस कमी को पूरा करने के लिए काम कर रही है।

ऑर्बिट फैब ने अंतरिक्ष की कक्षा में हाइड्राज़िन (सैटेलाइट्स में इस्तेमाल की जाने वाली प्रणोदक या प्रोपेलेंट) की डिलीवरी के लिए 20 मिलियन अमेरिकी डॉलर की कीमत निर्धारित की है। इस तकनीक को प्रमाणित करने के लिए 2018 में कंपनी अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन में दो टेस्टबेड लॉन्च का सफलता पूर्वक परीक्षण कर चुकी है। इसका मकसद, इंटरफेस, पंप और प्लंबिंग का आकलन करना था। साल 2021 में भी कंपनी ने अंतरिक्ष में ईंधन डिपो के रूप में काम करने वाले टैंकर-001 तेनजिंग लॉन्च किया था। यह वर्तमान हार्डवेयर के परिशोधन की जानकारी देता है।

कंपनी अब 2024 में एयरफोर्स रिसर्च लैब के नेतृत्व में एक मिशन के तहत भूस्थैतिक कक्षा में ईंधन पहुंचाने के लिए तैयार है। कंपनी को दुनियाभर में तारीफें मिल रही हैं। कई अमेरिकी कंपनियां ऑर्बिट फैब की सेवा लेने को तत्पर दिख रही हैं। बहरहाल, ऑर्बिट फैब ने अपना पहला निजी ग्राहक, एस्ट्रोस्केल नामक, एक जापानी उपग्रह सेवा कंपनी के रूप में बनाया है। एस्ट्रोस्केल का स्थ्रङ्गढ्ढ सैटेलाइट अंतरिक्ष में ईंधन भरने के लिए ही डिज़ाइन किया गया है। इसमें ऋस्नञ्जढ्ढ पोर्ट की सुविधा होगी। इसे 2026 में लॉन्च किया जाएगा।

अमेरिकी सरकार ने ऑर्बिट फैब के साथ कुल 21 मिलियन अमेरिकी डॉलर के अनुबंध की प्रतिबद्धता जताई है। इन समझौतों में स्पेस फोर्स उपग्रहों को ईंधन भरना और कक्षीय डॉकिंग डिपो स्थापित करना शामिल है।

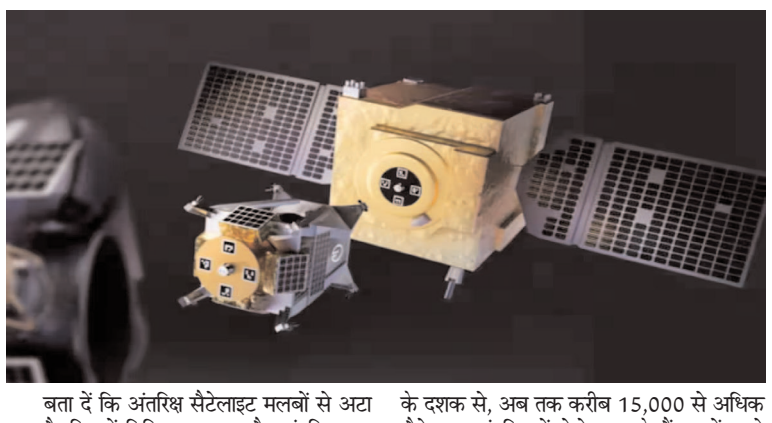

बता दें कि अंतरिक्ष सैटेलाइट मलबों से अटा पड़ा है, जिसमें निष्क्रिय उपग्रह और अंतरिक्ष यान शामिल हैं, जिनका ईंधन ख़त्म हो चुका है। 1950 के दशक से, अब तक करीब 15,000 से अधिक सैटेलाइट अंतरिक्ष में भेजे जा चुके हैं। इनमें आधे से अधिक अभी भी चालू हैं, जबकि शेष, ईंधन खत्म होने के बाद का उपयोग कर चुके हैं और अपने सक्रिय या तो निष्क्रिय हो चुके हैं या जल चुके हैं या अपने जीवनकाल के अंत तक पहुंच चुके हैं। यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी के अनुसार, इससे अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन और अन्य उपग्रहों के लिए जोखिम पैदा हो गया है, क्योंकि अंतरिक्ष में इन सैटेलाइट्स के ब्रेक-अप, विस्फोट, टकराव, या विखंडन के परिणामस्वरूप होने वाली 640 से अधिक असामान्य घटनाएं दर्ज हो चुकी हैं। वैज्ञानिकों के मुताबिक, अंतरिक्ष मलबे का यह जमावड़ा पृथ्वी के चारों ओर एक वलय बनाता है, जिसमें 10 सेंटीमीटर (3.94 इंच) से बड़ी 36,500 वस्तुएं और 1 सेंटीमीटर (0.39 इंच) आकार तक के 130 मिलियन टुकड़े हैं। अंतरिक्ष में इन मलबों की सफाई जोखिमभरा और कठिन काम है। ऑर्बिट फैब कंपनी इन मलबों को भी साफ करने की दिशा में काम कर रही है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

संसद में घुसपैठ

संसद पर हमले की 22वीं बरसी पर संसद की सुरक्षा में चूक बहुत चिंताजनक है। सबसे बड़ी बात कि तब लोकसभा में कार्यवाही चल रही थी और पश्चिम बंगाल के भाजपा सांसद खगेन मुर्मु लोकसभा में बोल रहे थे, तभी दर्शक दीर्घा से दो घुसपैठिए सदन में कूद पड़े। कार्यवाही तत्काल स्थगित करनी पड़ी और निडर सांसदों ने ही आगे बढ़कर घुसपैठियों को काबू में किया। घुसपैठिए अपने साथ एक द्रव्य लाए थे, जिससे उन्होंने पीला धुआं फैला दिया। गनीमत है कि धुआं जहरीला नहीं था, पर यह एक बड़ी सुरक्षा चूक है और सुरक्षा एजेंसियों को विस्तार से जांच करनी चाहिए। संसद में हथियार ले जाना असंभव है, पर जो द्रव्य जूतों में छिपाकर ले जाया गया, क्या उसे जांचने और रोकने की सुविधा सुरक्षा एजेंसियों के पास नहीं थी? क्या संसद में दर्शकों के जूतों की जांच का कोई प्रावधान नहीं है? यह सवाल खड़ा हो गया है कि ऐसी कौन-कौन-सी चीजें हैं, जिनकी जांच संसद में प्रवेश से पहले नहीं की जाती है? घुसपैठिए कौन थे, उनका मकसद क्या था, सब कुछ धीरे-धीरे पता चल जाएगा, मगर हमारी सुरक्षा एजेंसियों के लिए घुसपैठ की एक बड़ी चुनौती है। दुस्साहसी साजिश रचने वालों के नेटवर्क की पूरी पड़ताल होनी चाहिए, ताकि ऐसे खतरनाक मनसूबों की कमर हमेशा के लिए टूट जाए। हरसंभव कोण से जांच करने की जरूरत है। हालांकि, इसमें कोई शक नहीं कि राजनेता इस घुसपैठ में भी अपने लिए राजनीति की गुंजाइश खोजने की कोशिश करेंगे। ऐसा होना दुखद और दुर्भाग्यपूर्ण होगा, पर हर तरह के मामले में राजनीति होना अपने देश के लिए कोई नई बात नहीं है। अत- यह सरकार की जिम्मेदारी है कि वह राजनीति के लिए कोई गुंजाइश न छोड़े, समय रहते दूध का दूध और पानी का पानी कर दे। विपक्ष को एक मौका जरूर मिल गया है, क्योंकि दोनों घुसपैठिए एक भाजपा सांसद द्वारा अनुशंसित पास पर दर्शक दीर्घा में पहुंचे थे। अब तत्काल प्रभाव से दर्शकों के प्रवेश को रोक दिया गया है, मगर यह अस्थायी उपाय ही होना चाहिए। अंतत- दर्शकों को पूरी जांच के बाद ही दर्शक दीर्घा में जाने की मंजूरी देनी चाहिए। साथ ही, जूते-चप्पल या कोई भी ऐसा अन्य पदार्थ उनके साथ नहीं होना चाहिए, जिसका दुरुपयोग हमले के लिए हो सकता हो। इसमें कोई शक नहीं कि संसद के लिए सुरक्षा की नई योजना बनानी पड़ेगी। आज भारत जिस मोड़ पर है, वहां वह अपनी सुरक्षा से कोई समझौता नहीं कर सकता। संसद को अगर कोई अवांछित तत्व छूते हुए भी जाता है, तो यह हमारी सुरक्षा एजेंसियों के लिए खतरे की घंटी है। सुरक्षा एजेंसियों और सुरक्षा व्यवस्था को ऐसा चौकस होना चाहिए कि कोई भी अपराधी तत्व ऐसी जुर्रत न कर सके। बेशक, सुरक्षा एजेंसियों पर हमें पूरा भरोसा रखना होगा, पर अति-आत्मविश्वास कतई उचित नहीं है। ध्यान रहे, अमेरिका-कनाडा में बैठे एक खालिस्तानी आतंकी ने कुछ ही दिनों पहले भारतीय संसद पर हमले की धमकी दी थी। इस धमकी के मद्देनजर सुरक्षा के तमाम संसाधनों को सतर्क कर देना चाहिए था। अफसोस, ऐसे खुराफाती हैं, जो संसद पर हमले के लिए फांसी की सजा पाने वाले आतंकी अफजल गुरु को भी एक अलग नजरिये से देखते हैं। ऐसे गलत लोगों को अपनी पुरानी आदतों से बाज आना चाहिए।

आज का राशीफल

मेष संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। वाणी की सौम्यता बनाये रखने की आवश्यकता है।

वृषभ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। धन हानि की संभावना है।

मिथुन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। भारी व्यय का सामना करना पड़ सकता है। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

कर्क व्यावसायिक व पारिवारिक योजना सफल होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। फिजूल खर्ची पर नियंत्रण रखें। नए अनुबंध प्राप्त होंगे।

सिंह व्यावसायिक योजना सफल होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। वाद विवाद की स्थिति आपके हित में न होगी। मकान, सम्पत्ति व वाहन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा।

कन्या बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। पारिवारिक जनों के मध्य सुखद समय गुजरेगा। वाणी की सौम्यता आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

तुला आर्थिक योजना को बल मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी से तनाव मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। विरोधी परास्त होंगे। धन लाभ होने के योग हैं।

वृश्चिक जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुपए पैसे के लेन देन में सावधानी रखें। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

धनु आर्थिक दिशा में प्रगति होगी। पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

मकर पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। राजनैतिक क्षेत्र में किए गए प्रयास सफल होंगे। वाणी की सौम्यता आपको लाभ दिलायेगी। भारी व्यय का सामना करना पड़ सकता है। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

कुम्भ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। खान-पान में संयम रखें। जीविका की दिशा में प्रगति होगी। विरोधी परास्त होंगे। ससुराल पक्ष से लाभ होगा।

मीन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। मित्रों या रिश्तेदारों से पीड़ा मिलेगी। नेत्र विकार की संभावना है। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

नैतिकता के पक्षधर थे: सरदार वल्लभ भाई पटेल

(लेखक- मुकेश तिवारी)

(पुण्य तिथि पर विशेष)

सरदार वल्लभभाई पटेल एक ऐसी शख्सियत थे। जिन्होंने सिर्फ संकल्प शक्ति और मेहनत के बलबूते पर वो मुकाम बनाया जिसे किसी के लिए भी छू पाना सहज नहीं है। उनकी असाधारण प्रतिभा का ही कमाल था कि एक साथ 562 रियासतों का एकीकरण करके उन्होंने मिसाल कायम की। इस वजह से ही उन्हें आधुनिक भारत का चाणक्य भी कहा जाता है। सरदार वल्लभभाई पटेल का जन्म 31 अक्टूबर 1875 को गुजरात के नाडियाद ग्राम में हुआ था। इनके पिता का नाम झवेर भाई और मां का नाम लाड बाई था। झबेर भाई मूलत बोरसद इलाके के करमसद गांव के रहने वाले थे और खेती किसानी किया करते थे। बल्लभ भाई सहित झवेर भाई के छ संताने थी। वल्लभभाई का बाल्यकाल माता पिता के साथ गांव में ही बीता यही पर इनकी प्रारंभिक शिक्षा हुई। इसके पश्चात माध्यमिक स्तर की शिक्षा उन्होंने नडियाद व बड़ौदा से पूर्ण की।

वल्लभभाई के पिता झबेर भाई बड़े साहसी, संयमी और साहसी, संयमी पुरुष थे। वे 1857 की क्रांति के समय घर वालों को बिना बताए तीन वर्ष तक घर से गायब रहे। वही झांसी की महारानी लक्ष्मीबाई और नाना साहिब घोड़ोंपंत की सेना में भर्ती हुए। उन्होंने समस्त उत्तरी भारत का भ्रमण किया तथा स्वतंत्रता के लिए अनेक मर्तबा ब्रिटिश सेना के साथ युद्ध किया। पिता के संयम, साहस, वीरता और राष्ट्र भक्ति के गुण वल्लभभाई को संस्कार में प्राप्त हुए थे। वे बाल्यकाल से ही वक्त के अधिकतम उपयोग तथा अपने दायित्व के प्रति हर पल समर्पित रहते थे। राजनीति में दाखिल होने के पश्चात इन गुणों ने ही वल्लभभाई को हिन्दुस्तान के बिखरे हुए स्वरूप को एक सूत्र में पिरोने के लिए प्रेरित किया। उनकी दृढ़ निर्णय की प्रवृत्ति ने ही उन्हें लौह पुरुष कहलाने का गौरव प्रदान किया तथा योग्य नेतृत्व के गुणों ने सरदार की पदवी से विभूषित करवाया। वल्लभभाई का विधार्थी जीवन अत्यंत परिश्रमी, उज्जवल एवं नैतिकता से पूर्ण रहा। इस स्तर पर ही उनमें भावी जीवन के शुभ लक्षण दिखाई देने लगे थे। वे नाडियाद में अध्ययनरत थे तभी उन्होंने विद्यालय की अव्यवस्थाओं के लिए आंदोलन किया। यहां स्कूल का एक शिक्षक पुस्तकों का कारोबार करता था तथा सभी शिक्षक उससे ही पुस्तक खरीदने के लिए विधार्थियों पर दबाव डालते थे। बल्लभ भाई को शिक्षकों की यह बात उचित नहीं लगी। पटेल ने इसे नैतिकता का हनन मानकर विरोध स्वरूप आंदोलन प्रारंभ कर दिया। अंततः शिक्षकों को झुकना पड़ा। यह उनकी नैतिक सदप्रवृति का बेहतरीन उदाहरण था। अन्याय के प्रति संगठित विरोध की यह शुरूआत थी। बडौदा में आकर वल्लभभाई ने गुजराती विषय लिया। यहां छोटे लाल गुजराती पढ़ाते थे। मगर वे संस्कृत के प्रति अधिक समर्पित थे। हालांकि संस्कृत नही पढ़ने वाले विधार्थियों को छोटे लाल कतई पसंद नहीं करते थे। पटेल जी ने भी संस्कृत नहीं ली थी अतः छोटे लाल उनसे खफा रहने लगे थे। एक दिन छोटे लाल जी ने व्यंग्यपूर्वक कहा आइए महापुरुष कहा से पधारे? इस पर पटेल ने कहा मैं नाडियाद से आया हूं। शिक्षक ने पुनः कहा, संस्कृत छोड़कर गुजराती ले रहे हो। क्या तुम्हें ज्ञात नहीं कि संस्कृत के बिना गुजराती शोभा नहीं देती। शिक्षक की यह बात बल्लभ भाई पटेल को उचित नहीं लगी अतः उन्होंने तपाक से उत्तर दिया। गुरुदेव हम सभी संस्कृत पढ़ते तो आप गुजराती किसे पढ़ाते? पटेल की हाजिरजवाबी से छोटे लाल जी बुरी तरह तिलमिला गए।

वल्लभभाई का अडिग व्यक्तित्व गलत बातों को कभी भी स्वीकार नहीं कर सका। अल्प समय बाद ही एक अन्य अध्यापक से उनकी नोंक झोंक हो गयी अतः पटेल को स्कूल से निकाल दिया गया। पटेल पुन नाडियाद आ गए। सत्य पर अडिग रहने तथा अन्याय का हर हाल में विरोध करने की उनकी बचपन की प्रवृत्ति ही भविष्य में बिखरे भारत को एकजुट करने का पूर्वाभ्यास सिद्ध हुई। वैसे भी सरदार वल्लभभाई पटेल का कहना था कि एकता के बिना जनशक्ति तब तक एक ताकत नहीं बन सकती। जब तक उसे एकजुट कर सामंजस्य में न लाया जाये। तब यह एक आध्यात्मिक शक्ति बन जाती है। पटेल जी के व्यक्तित्व में दब्बूपन व दूसरों पर आश्रित रहने के भाव का समावेश कभी नहीं था। वे सदैव स्वतंत्र भाव से नैतिकता की रक्षा करते रहे। अपनी योग्यता, कार्यव्यवहार, वाक् चातुर्य पर उन्हें पूरा भरोसा था। अपने इन्हीं गुणों के कारण गोधरा में वकालत करते वक्त ही उन्होंने ख्याति अर्जित कि वे हत्या जैसे संगीन मामलों में भी अपने तर्कों से सदैव प्रभावी बने रहते तथा लगभग प्रत्येक मामले में जीतते थे। जुलाई 1917 में बल्लभ भाई गुजरात क्लब के सेक्रेटरी चुने गए इन दिनों गांधीजी बिहार के चंपारण जिले में नील की खेती के अंग्रेज ठेकेदारों और जमीदारों द्वारा शोषित कृषकों के लिए गांव-गांव घूमकर उनके अधिकारों के लिए लड़ रहे थे। उनके इस कार्य का देशव्यापी प्रभाव पड़ रहा था। गांधी जी ने मोतिहारी में चंपारण के चले जाने संबंधी मजिस्ट्रेट का आदेश मानने से दो टूक शब्दों में इंकार कर दिया और अपना काम जारी रखा। उन पर मुकदमा चला और इस मुकदमे में गांधीजी के बयान से देश भर में तहलका मच गया। वल्लभ भाई व उनके साथियों ने यह बयान समाचार पत्रों में पढ़ा तथा गांधी जी के साहस से काफी प्रभावित हुए इस घटना के पश्चात गांधीजी के प्रति वल्लभभाई के जहन में आदर भाव बढ़ा। जो उनके भावी राजनीतिक जीवन का सूत्रधार सिद्ध हुआ। वल्लभभाई 19 15 से ही गुजरात सभा के सदस्य थे। इस सभा ने सन 1917 में गोधरा में गांधी जी की अध्यक्षता में एक सम्मेलन का आयोजन किया। जिसमें अनेक नामचीन नेता सम्मिलित हुए तथा प्रायः सभी ने हिंदी व गुजराती में भाषण दिया। यहां तक कि जिन्ना ने भी गुजराती में भाषण दिया। इस सम्मेलन में किसी ने भी अंग्रेजी में भाषण नहीं दिया। साथ ही ब्रिटिश ताज के प्रति वफादारी का प्रस्ताव पारित किया जाना समाप्त करवाया गया तथा इसे अनावश्यक करार दिया गया। अंग्रेजों और अंग्रेजी शासन का ऐसा विरोध पहली मर्तबा हुआ था। इस बीच एक कार्यसमिति का गठन किया गया। जो परिषद का अधिवेशन होने तक कार्य करती रही।

इस समिति के गांधी जी स्वयं अध्यक्ष रहे तथा वल्लभभाई को मंत्री नियुक्त किया गया और इसका कार्यालय अहमदाबाद में रखा गया। अब तक देश में होम रुल की स्थापना हो चुकी थी और सारे देश में बेगार विरोधी आंदोलन गति पकड़ रहा था। परिषद का मंत्री होने के कारण उक्त कार्यक्रम को सफल करने का दायित्व वल्लभभाई पर ही था। वल्लभभाई ने अत्यंत ही उत्साह से कार्य प्रारंभ किया तथा कमिश्नर के साथ पत्र व्यवहार किया। शुरूआत में तो कमिश्नर ने न - नुकुर की मगर वल्लभभाई ने सात दिन तक का नोटिस देकर स्पष्ट कर दिया कि यदि समय से उतर न दिया। तो वे हाईकोर्ट के निर्णय के आधार पर बेगार प्रथा को गैर कानूनी ठहराकर लोगों को बेगार देना बंद करने की सूचना दे देंगे। हालांकि कमिश्नर ने नोटिस की समयावधि समाप्त होने से पूर्व ही वल्लभभाई को बुलाकर सारी स्थिति स्पष्ट कर पटेल की इच्छा के अनुसार निर्णय दे दिया। गांधी जी वल्लभभाई की इस उपलब्धि से काफी प्रसन्न हुए। इस घटनाक्रम से गांधी जी के साथ पटेल का संपर्क बढ़ा और पटेल उनके विश्वासपात्र बन गये। पटेल के परिवार की आर्थिक स्थिति ठीक न होने के कारण उन्होंने वकालत करनी शुरु कर दी। महज तीन वर्षों में वकालत से इतनी धन राशि अर्जित कर ली कि वह आसानी से विदेश जाकर वकालत का अध्ययन कर सकते थे। अतः उन्होंने 1905मे में टामस कुक एंड कंपनी के साथ पत्र व्यवहार किया तथा विदेश यात्रा के लिए टिकिट आदि का प्रबंध किया। इस बीच दुर्भाग्य से टामस कुक एंड कंपनी का पत्र बल्लभ भाई के बड़े भाई विट्ठल के हाथ लग गया। पत्र का मजूम पढ़ते ही उनके जहन में विदेश जाकर बैरिस्टरी पास करने की इच्छा जागृत हो गई। काफी संकोच के पश्चात उन्होंने वल्लभभाई से कहा कि मैं तुमसे बड़ा हूं। इसलिए मुझे बैरिस्टरी के लिए विदेश जाने दो। मेरे लौटकर आने के पश्चात तुम चले जाना। तुम्हें तो बाद में भी मौका मिल जाएगा। लेकिन तुम अभी चले गए तो मुझे जाने का मौका नहीं मिलेगा। मान मर्यादा के प्रति समर्पित भाव रखने वाले वल्लभ भाई ने बड़े भाई कि आज्ञा का पालन किया और उन्हें विदेश भेज दिया। वल्लभभाई मे परिस्थितियों को अनुकूल बना लेने की अद्भूत क्षमता थी उन्हें विदेश। जाना था इसके लिए उन्होंने इंतजार किया। विट्ठल भाई के विदेश से लौटने के पश्चात अगस्त 1910 में वल्लभभाई विदेश जाने के लिए जहाज मैं सवार हो गए। वहां पहुंचकर वैरिस्टरी की पढ़ाई के लिए उन्होंने मिडिल टेंपल में दाखिल लिया। यह रोमन ला की परीक्षा प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण की। इतना ही नही बैरिस्टरी की परीक्षा में भी उन्होंने प्रथम स्थान प्राप्त किया व उस साल का पुरस्कार वल्लभभाई तथा डेविस के मध्य में बाटा गया। बल्लभ भाई ने अपनी अंतिम परीक्षा जून 1912मे उत्तीर्ण की। जिसमें उन्हें प्रथम स्थान प्राप्त हुआ। उन्हें 50 पौंड का नकद पुरस्कार मिला लौह पुरुष के नाम से ख्याति प्राप्त करने वाले सरदार वल्लभभाई पटेल सदैव से ही धैर्यवान व आत्मसंयमी रहे हैं। बड़ी से बड़ी कठिनाई को भी हंसते हुए सहन कर लेना उनके व्यक्तित्व का अंग बन गया था। बल्लभ भाई की पत्नी झवेर अस्वस्थ चल रही थी तथा जिस जगह वे वकालत करते थे। वहां स्वास्थ्य लाभ की उचित व्यवस्था न होने पर उन्हें भी मुंबई भेज दिया गया। इनके साथ मणिबेन व डाहया भाई भी मुंबई आ गए। लेकिन उनका उपचार करने वाले डॉक्टर ने बताया कि 15-20 दिन बाद दवाई से स्थिति सुधारने पर ही अंतड़ियों का आपरेशन होगा। यह सुनकर वल्लभभाई वापस लौट गए। तथा आपरेशन के समय बुलवा लेने के लिए कह गए। वे मुकदमे की पैरवी के लिए आनंद चले गए। इसी दौरान जरूरी होने पर डॉक्टर ने झबेर बा का आपरेशन कर दिया। आपरेशन की सूचना बल्लभ भाई पटेल को नहीं दी गई ।

सरदार पटेल: एकीकृत भारत के निर्माता

(लेखक- योगेश कुमार गोयल/ सरदार पटेल स्मृति दिवस (15 दिसम्बर) पर विशेष)

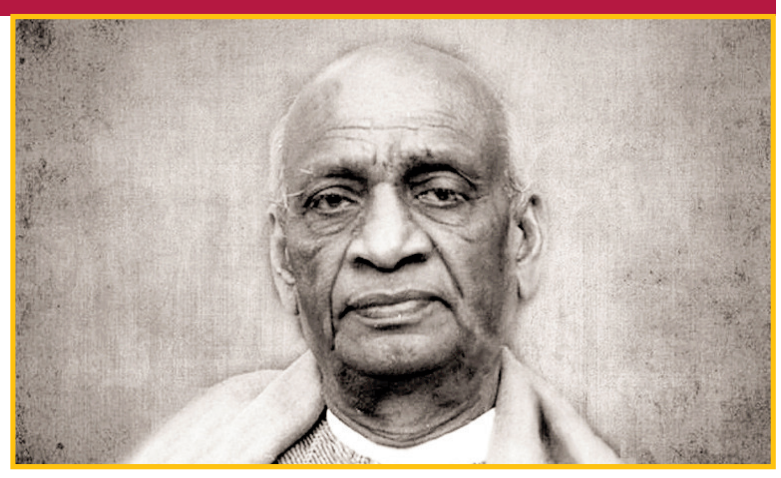

राष्ट्रीय एकता के प्रति सरदार पटेल की निष्ठा आजादी के इतने वर्षों बाद भी पूरी तरह प्रासंगिक है। एकता की मिसाल कहे जाने वाले सरदार वल्लभ भाई पटेल गुजरात के नाडियाद में एक किसान परिवार में 31 अक्तूबर 1875 को जन्मे थे, जिन्होंने सदैव देश की एकता को सर्वोपरि माना। सरदार पटेल ने भारत को खण्ड-खण्ड करने की अंग्रेजों की साजिशों को नाकाम करते हुए बड़ी ही कुशलता से आजादी के बाद करीब 550 देशी रियासतों तथा रजवाड़ों का एकीकरण करते हुए अखण्ड भारत के निर्माण में सफलता हासिल की थी। राजनीतिक और कूटनीतिक क्षमता का परिचय देते हुए स्वतंत्र भारत को एकजुट करने का असाधारण कार्य बेहद कुशलता से सम्पन्न करने के लिए जाने जाते रहे सरदार पटेल का देहांत दिल का दौरा पड़ने के कारण 15 दिसम्बर 1950 को 75 वर्ष की आयु में हो गया था और इसी दिन को प्रतिवर्ष 'सरदार पटेल स्मृति दिवस' के रूप में मनाया जाता है। देश के पहले गृहमंत्री और पहले उप-प्रधानमंत्री रहे सरदार पटेल का भारत के राजनीतिक एकीकरण के लिए अविस्मरणीय योगदान रहा। सरदार पटेल ने लंदन से वकालत की पढ़ाई पूरी कर अहमदाबाद में प्रैक्टिस शुरू की थी। वे राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के विचारों से अत्यधिक प्रेरित हुए और इसीलिए उन्होंने गांधी जी के साथ भारत के स्वतंत्रता आन्दोलन में हिस्सा लिया। वे भाई-भतीजावाद की राजनीति के सख्त खिलाफ थे और ईमानदारी के ऐसे पर्याय थे कि उनके देहांत के बाद जब उनकी सम्पत्ति के बारे में जानकारियां जुटाई गई तो पता चला कि उनकी निजी सम्पत्ति के नाम पर उनके पास कुछ नहीं था। वह जो भी कार्य करते थे, पूरी ईमानदारी, समर्पण, निष्ठा और हिम्मत से साथ पूरा किया करते थे। उनके जीवन से जुड़े कई ऐसे प्रसंग सामने आते हैं, जो इस महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, कुशल प्रशासक के जीवन को समझने में सहायक हैं।

एक किसान परिवार में जन्मे वल्लभ भाई पटेल जब छोटे थे, तब अपने पिताजी के साथ खेत पर जाया करते थे। एक दिन जब उनके पिताजी खेत में हल चला रहे थे तो वल्लभ भाई पटेल उन्हीं के साथ चलते-चलते पहाड़े याद कर रहे थे। उसी दौरान उनके पांव में एक बड़ा सा कांटा चुभ गया किन्तु वे हल के पीछे चलते हुए पहाड़े कंठस्थ करने में इस कदर लीन हो गए कि उन पर कांटा चुभने का कोई प्रभाव ही नहीं पड़ा। जब एकाएक उनके पिताजी की नजर उनके पांव में घुसे बड़े से कांटे और बहते खून पर पड़ी तो उन्होंने घबराते हुए बैलों को रोका और बेटे वल्लभ भाई के पैर से कांटा निकालते हुए घाव पर पत्ते लगाकर खून बहने से रोका। बेटे की यह एकाग्रता और तन्मयता देखकर वे बहुत खुश हुए और जीवन में कुछ बड़ा कार्य करने का आशीर्वाद दिया।

वल्लभ भाई पटेल वकालत की पढ़ाई करने के लिए सन् 1905 में इंग्लैंड जाना चाहते थे लेकिन पोस्टमैन ने उनका पासपोर्ट और टिकट उनके भाई विट्ठल भाई पटेल को सौंप दिए। दोनों भाइयों का शुरूआती नाम वी. जे. पटेल था, ऐसे में बड़ा होने के नाते उस समय विट्ठल भाई ने स्वयं इंग्लैंड जाने का निर्णय लिया। वल्लभ भाई पटेल ने बड़े भाई के निर्णय का सम्मान करते हुए न केवल बड़े भाई को अपना पासपोर्ट और टिकट दे दिया बल्कि इंग्लैंड में रहने के लिए उन्हें कुछ धनराशि भी भेजी। सरदार पटेल का जीवन कितना सादगीपूर्ण था और उनका स्वभाव कितना सहज तथा नम्र था, यह इस किस्से से आसानी से समझा जा सकता है। सरदार पटेल उन दिनों भारतीय लेजिस्लेटिव असेंबली के अध्यक्ष थे। असेंबली के कार्यों से निवृत्त होकर एक दिन जब वे घर के लिए निकल ही रहे थे, तभी एक अंग्रेज दम्पत्ति वहां पहुंचा, जो विदेश से भारत घूमने के लिए आया था। सरदार पटेल सादे वस्त्रों में रहते थे और उन दिनों उनकी दाढ़ी बढ़ी हुई थी। अंग्रेज दम्पत्ति ने इस वेश में देखकर उन्हें वहां का चपरासी समझ लिया और असेंबली में घुमाने के लिए कहा। सरदार पटेल ने बड़ी ही विनम्रता से उनका यह आग्रह स्वीकार करते हुए उन्हें पूरे असेंबली भवन में घुमाया। इससे खुश होकर दम्पति ने सरदार पटेल को बख्शीश में एक रुपया देने का प्रयास किया लेकिन सरदार पटेल ने अपनी पहचान उजागर न करते हुए विनम्रतापूर्वक लेने से इन्कार कर दिया। अगले दिन जब असेंबली की बैठक हुई तो वह अंग्रेज दम्पत्ति लेजिस्लेटिव असेंबली की कार्रवाई देखने के लिए दर्शक दीर्घा में पहुंचा और सभापति के आसन पर बढ़ी हुई दाढ़ी तथा सादे वस्त्रों वाले उसी शख्स को देखकर दंग रह गया। वह मन ही मन ग्लानि से भर उठा कि जिस शख्स को चपरासी समझकर उन्होंने उसे असेम्बली घुमाने के लिए कहा, वो कोई और नहीं बल्कि खुद इस असेंबली के अध्यक्ष हैं। अंग्रेज दम्पत्ति सरदार पटेल की सादगी, सहज स्वभाव और नम्रता का कायल हो गया और उसने असेम्बली की कार्रवाई के बाद सरदार पटेल से क्षमायाचना की। एकीकृत भारत की निर्माता यह महान् शख्सियत 15 दिसम्बर 1950 को चिरनिद्रा में लीन हो गई।

(लेखक 33 वर्षों से पत्रकारिता में निरन्तर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार हैं)

विचार मंथन

सांसद थरूर के भाजपा पर गंभीर आरोप?

(लेखक- सनत जैन)

संसद में आतंकी हमले की बरसी के दिन नई संसद की सुरक्षा में हुई भारी चूक को लेकर राजनीतिक गलियारे में आरोप-प्रत्यारोप का दौर जारी है। इसी बीच कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कुछ ऐसा कह दिया जिसे लेकर कहा जा रहा है कि यह भारतीय जनता पार्टी के ऊपर गंभीर आरोप है, वहीं दूसरी तरफ इसे हकीकत बयानी से जोड़ कर भी देखा जा रहा है। दरअसल उन्होंने कहा कि हंगामा करने वाले दोनों युवकों को भारतीय जनता पार्टी के सांसद ने पास जारी किए थे। उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री से इस पर विस्तार से जवाब देने की मांग की है। इस घटना के बाद राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने भी सभापति के सामने मुद्दा उठाया था। गृह मंत्री से सदन में आकर जवाब देने की मांग की थी। इस पूरे मामले में लोकसभा अध्यक्ष ओम विरला ने कहा कि घटना की विस्तृत जांच कराई जा रही है, उसके बाद सदन को जानकारी दी जाएगी। जिस तरह से शशि थरूर ने सीधे-सीधे भाजपा पर गंभीर आरोप लगाया, उसकी बड़ी तीव्र प्रतिक्रिया हो रही है। 22 साल पहले जब संसद में हमला हुआ था, तब भी भारतीय जनता पार्टी की सरकार थी। अब जबकि यह घटना हुई, तब भी भारतीय जनता पार्टी की सरकार है। जिन युवकों ने हंगामा किया है। उन्हें पास भी कर्नाटक के भाजपा सांसद द्वारा जारी करवाया गया था। शशि थरूर ने यह भी कहा कि जब यह दोनों युवक पिस्तौलनुमा स्मोक बम लेकर संसद की दर्शकदीर्घा तक पहुंच गए, तो यह सुरक्षा में गंभीर चूक ही है। यह घटना बिना किसी मिली भगत के नहीं हो सकती है। गुरुवार की सुबह जैसे ही लोकसभा और राज्यसभा की कार्रवाई शुरू हुई, उसके बाद विपक्ष ने इस मसले पर बड़ा हंगामा किया। राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने राज्यसभा सदस्य डेरिक ओ ब्राइन को संसद से बाहर जाने के लिए कहा और उसके बाद उन्हें एक पूरे सत्र के लिए निष्कासित कर दिया। इसके बाद विपक्ष ने बड़ा हंगामा किया। कार्रवाई 2-00 बजे तक के लिए स्थगित करनी पड़ी। संसद में सुरक्षा को लेकर लोकसभा और राज्यसभा में विपक्षी दलों ने एकजुट होकर मोर्चा संभाला है। उनका कहना है कि जानबूझकर सरकार विपक्ष के ऊपर इस घटना को मड़ना चाहती है। जबकि यह घटना भारतीय जनता पार्टी द्वारा प्रायोजित घटना है। लोकसभा में भी रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के बयान से विपक्ष उद्वेलित हुआ। सदन में घटना की जो जानकारी उपलब्ध है वह भी सदन में नहीं दी जा रही है। विपक्ष के नेताओं को लग रहा है कि सत्ता पक्ष के सांसदों के साथ सदन के अंदर अलग और विपक्ष के सांसदों के साथ अलग तरीके का व्यवहार किया जा रहा है। सांसद महुआ मोइत्रा ने अपना पासवर्ड शेयर किया तो उस पर उनकी संसदीय चली गई और जिस भाजपा सांसद के पास दिलवाने से संसद के अंदर इतनी बड़ी घटना हो गई उसका संसद में नाम भी नहीं लिया जा रहा है। सुरक्षा से जुड़ी पूरी घटना को विपक्ष के सिर पर मड़ने की कोशिश की जा रही है। इसको लेकर सारा विपक्ष एकजुट होता हुआ नजर आ रहा है। अब हाल यह है कि जो विपक्ष कह रहा है उसे आरोप सिद्ध करने में सत्ता पक्ष पूरी ताकत झोंकता दिख रहा है, जबकि विपक्ष का कहना है कि शशि थरुर और अन्य जो कह रहे हैं वह हकीकत बयानी से हटकर कुछ भी नहीं है। बहरहाल यह मामला चूंकि लोकतंत्र के सबसे बड़े मंदिर संसद की सुरक्षा से जुड़ा हुआ है इसलिए इस पर गंभीर होने की आवश्यकता है। जो दोषी हैं उन्हें सख्त से सख्त सजा के दायरे में नियमानुसार लाया जाना चाहिए। इसे लेकर राजनीति करने और एक दूसरे पर कीचड़ उछालने से समस्या का समाधान नहीं निकल सकता है, इसलिए बिना अपने और पराए किये हुए सदन को भी उन पर कार्रवाई करनी चाहिए जो इस मामले में जुड़ते हुए दिखाई दे रहे हैं। संभवत- यही विपक्ष मांग कर रहा है, लेकिन सुनने वाला कौन है, सबसे बड़ा सवाल यही है।

थोक मुद्रास्फीति नवंबर में आठ महीने के उच्चतम स्तर पर

नई दिल्ली । वाणिज्य मंत्रालय की ओर से 14 दिसंबर को जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार भारत की थोक मुद्रास्फीति मार्च 2023 के बाद पहली बार ऋणात्मक स्थिति से बाहर निकल गई और नवंबर में बढ़कर 0.26 प्रतिशत हो गई। थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) मुद्रास्फीति अक्टूबर 2023 में -0.52 प्रतिशत और नवंबर 2022 में 6.12 प्रतिशत पर थी। थोक मुद्रास्फीति की दर नवंबर महीने में 0.26 प्रतिशत रही जो आठ महीने में सबसे अधिक है। थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) के आंकड़े सांख्यिकी मंत्रालय के उस बयान के दो दिन बाद आए हैं जिसमें उसने कहा था कि खुदरा मुद्रास्फीति नवंबर में तीन महीने के निचले स्तर 5.55 प्रतिशत पर आ गई है। यह जुलाई के 15 महीने के उच्च स्तर 7.44 प्रतिशत से अब भी 189 आधार अंक कम है। इसी अवधि में थोक मुद्रास्फीति में 149 आधार अंकों की बढ़ोतरी हुई है। एक आधार बिंदु प्रतिशत बिंदु का सौवां हिस्सा है। नवंबर में खाने की वस्तुओं, खनिज, मशीनरी और उपकरण, कंप्यूटर, इलेक्ट्रॉनिक्स और ऑप्टिकल उत्पादों, मोटर वाहनों, अन्य उपकरणों और अन्य विनिर्माण की कीमतों में वृद्धि के कारण मुद्रास्फीति में एक साल पहले की तुलना में 0.26 प्रतिशत की बढ़ोतरी हो गई है।

देश का ई-खुदरा बाजार 2028 तक हो सकता है 160 अरब डॉलर

नई दिल्ली । भारत में ई-खुदरा बाजार वर्ष 2028 तक 160 अरब अमेरिकी डॉलर (13 लाख करोड़ रुपये से अधिक) से ज्यादा हो सकता है। एक रिपोर्ट के मुताबिक 2023 में ई-खुदरा बाजार लगभग 57-60 अरब डॉलर (4.75 लाख करोड़ रुपये से पांच लाख करोड़ रुपये) होने की उम्मीद है। इस तरह इसमें 2020 के बाद से हर साल लगभग 8-12 अरब डॉलर की वृद्धि हुई है। इस समय तक लगभग 24 करोड़ का वार्षिक खरीदार आधार होगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि किफायती डेटा, बेहतर लॉजिस्टिक, फिनटेक बुनियादी ढांचा और मजबूत डिजिटल उपभोक्ता पारिस्थितिकी तंत्र के चलते भारत के ई-रिटेल उद्योग की दीर्घकालिक बुनियाद मजबूत है।

पिछले पांच कारोबारी सत्रों में बाजार सपाट

मुंबई । अमेरिका में तेजी के बावजूद पिछले पांच कारोबारी दिनों से बाजार सुस्त बना हुआ है। एमके ग्लोबल फाइनेंशियल सर्विसेज में बिजनेस डेवलपमेंट, इंस्टीट्यूशनल इक्विटीज के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा निफ्टी 21,000 अंक के पार जाने के लिए संघर्ष कर रहा है। व्यापक बाजार में कुछ बदलाव देखने को मिला है, क्योंकि बैंकों ने आईटी क्षेत्र में कुछ दिलचस्पी दिखाई है और बिक्री जारी रखी है। दूसरी ओर मांग में कमी की आशंका के कारण तेल की कीमतों में तेजी से गिरावट आई है और अब यह 70 डॉलर प्रति बैरल के आसपास है। उन्होंने कहा कि भारत और अमेरिका दोनों में मुद्रास्फीती उम्मीदों के अनुरूप है। भारत में खाद्य पदार्थों की ऊंची कीमतों के कारण मुद्रास्फीती में वृद्धि देखी गई और अमेरिका में आर्थिक विकास धीमा होने से इसमें थोड़ी नरमी आई। उन्होंने कहा कि कुल मिलाकर हमारा मानना है कि व्यापक बाजार मजबूत बना रहेगा, जैसा कि नवंबर में एफआईआई द्वारा खरीददारी से देखा जा सकता है। राज्य चुनावों ने आम चुनावों से पहले बाजार को बड़ा बढ़ावा दिया। निकट भविष्य में, जैसे-जैसे हम साल के अंत की ओर बढ़ रहे हैं, हमें मौजूदा स्तरों के आसपास कुछ कॉनसॉलिडेशन की उम्मीद करनी चाहिए।

सरकार जारी करेगी लॉजिस्टिक लागत के अनुमान का तरीका

नई दिल्ली । सरकार देश में लॉजिस्टिक लागत के आकलन के तौर-तरीकों का ब्योरा गुरुवार को जारी कर सकती है। इससे लॉजिस्टिक लागत का सही आकलन हो सकेगा। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। सरकार लॉजिस्टिक लागत को लेकर फिलहाल कुछ अनुमान को मानकर चल रही है। इसके मुताबिक देश में लॉजिस्टिक लागत सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का लगभग 13-14 प्रतिशत है। उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) में विशेष सचिव सुमिता डावरा ने इससे पहले कहा था कि सरकार लॉजिस्टिक लागत के आकलन को लेकर रूपरेखा ला रही है। रूपरेखा में इस लागत से जुड़े तत्व और इसे मापने का तरीका शामिल होगा। अधिकारी ने कहा कि दीर्घकालीन स्तर पर लॉजिस्टिक लागत के आकलन को लेकर रूपरेखा तैयार है और इसका आकलन विश्वबैंक से संबद्ध बाह्य विशेषज्ञ कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस बारे में व्यापक रिपोर्ट 14 दिसंबर को आने वाली है।

ई-कॉमर्स कंपनी इट्सी 225 कर्मचारियों की छंटनी करेगी

सैन फ्रांसिस्को ।

ई-कॉमर्स कंपनी इट्सी अपने कारोबार के पुनर्गठन और लागत को सुव्यवस्थित करने के लिए 11 फीसदी कर्मचारियों की छंटनी करने की तैयारी कर रही है। एक रिपोर्ट के अनुसार छुट्टियों के मौसम में इट्सी में लगभग 225 कर्मचारी अपनी नौकरियां खो देंगे, इससे इसके मुख्य बाज़ार में कर्मचारियों की संख्या लगभग 1,770 रह जाएगी। इट्सी के सीईओ जोश सिल्वरमैन ने एक ईमेल में कर्मचारियों को बताया` कि हम एक बहुत ही चुनौतीपूर्ण मैक्रो और प्रतिस्पर्धी माहौल में काम कर रहे हैं, और सकल व्यापारिक बिक्री 2021 से अनिवार्य रूप से स्थिर बनी हुई है। उन्होंने कहा` कि इसका मतलब है कि हम अपने विक्रेताओं को अधिक बिक्री नहीं ला रहे हैं, जो कि उनके लिए सबसे महत्वपूर्ण चीज है, जो हम कर सकते हैं। साथ ही कर्मचारियों के खर्च में वृद्धि हुई है, भले ही हमने लागत में कटौती के उपाय पेश किए हैं और भर्ती योजनाओं को रोक दिया है। घोषणा के बाद इट्सी स्टॉक 2 प्रतिशत गिरकर बंद हुआ, जबकि पहले दिन में इसमें 7 प्रतिशत की गिरावट आई थी। छंटनी के कारण इट्सी की लागत 25-30 मिलियन डॉलर के बीच होगी, इसमें विच्छेद भुगतान, कर्मचारी लाभ और अन्य संबंधित लागतें शामिल हैं। पुनर्गठन से सार्थक परिचालन दक्षता और लागत बचत या लागत से बचाव की उम्मीद है। कंपनी प्रभावित कर्मचारियों को अन्य लाभों के साथ-साथ आधार वेतन से 16 सप्ताह और सेवा के प्रत्येक पूरे वर्ष के लिए एक सप्ताह की कटौती देगी। पुनर्गठन 2024 की पहली तिमाही के आखिर तक पूरा होने की उम्मीद है।

फेयरफेक्स बेंगलूरु एयरपोर्ट में अतिरिक्त 7 फीसदी हिस्सेदारी खरीदेगी

मुंबई । फेयरफेक्स इंडिया होल्डिंग्स ने 17.5 करोड़ डॉलर में सीमेंस फाइनेंशियल सर्विसेज की सहायक कंपनी सीमेंस प्रोजेक्ट वेंचर्स जीएमबीएच से बेंगलूरु इंटरनेशनल एयरपोर्ट (बीएआईएल) में अतिरिक्त 7 फीसदी हिस्सेदारी के अधिग्रहण की घोषणा की है। एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। रिपोर्ट के मुताबिक जैसा कि पहले घोषणा की गई थी, प्रारंभिक लेनदेन में फेयरफैक्स इंडिया ने अपनी पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी के माध्यम से सीमेंस फाइनेंशियल सर्विसेज से 7.5 करोड़ डॉलर में बीएआईएल में 3 फीसदी अतिरिक्त इक्विटी हिस्सेदारी हासिल किया था। इस अधिग्रहण के पूरा होने के बाद बेंगलूरु इंटरनेशनल एयरपोर्ट में फेयरफैक्स इंडिया का कुल शेयर स्वामित्व पिछले वर्ष के 54 फीसदी से बढ़कर 64 फीसदी हो जाएगा। बता दें कि 2068 तक भारत सरकार के साथ एक रियायत समझौते के तहत बेंगलूरु इंटरनेशनल एयरपोर्ट के पास सरकारी निजी कंपनी भागीदारी के तहत केम्पेगौड़ा इंटरनेशनल एयरपोर्ट बेंगलूरू के विकास, डिजाइन, फाइनेंसिंग, निर्माण, कमीशनिंग, रखरखाव, संचालन और प्रबंधन को पूरा करने का विशेष अधिकार है।

बीएसई सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकरण रिकॉर्ड उच्च स्तर पर

नई दिल्ली ।

बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) गुरुवार को शुरुआती कारोबार में बढ़कर 354.41 लाख करोड़ रुपये के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया। वहीं सेंसेक्स के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंचने से निवेशकों की संपत्ति बढ़कर 3.22 लाख करोड़ रुपये हो गई। अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा अपनी प्रमुख ब्याज दर को यथावत रखने के बाद वैश्विक बाजारों में तेजी आई। बैंक ने अगले साल ब्याज दर में तीन चौथाई अंकों की कटौती का संकेत भी दिया है। बीएसई का 30 शेयर वाला सूचकांक सेंसेक्स 955.4 अंक उछलकर 70,540 के अपने सर्वकालिक शिखर पर पहुंच गया। बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) शुरुआती कारोबार में 3,54,41,617.18 करोड़ रुपये के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गया। निवेशकों की संपत्ति बढ़कर 3,22,385.27 करोड़ रुपये हो गई, जो बुधवार को 3,51,19,231.91 करोड़ रुपये थी। सेंसेक्स की कंपनियों में इंफोसिस, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, बजाज फाइनेंस, टेक महिंद्रा, विप्रो और इंडसइंड बैंक के शेयर लाभ में रहे। पावर ग्रिड, नेस्ले, एशियन पेंट्स और हिंदुस्तान यूनिलीवर के शेयर नुकसान में रहे। अन्य एशियाई बाजारों में चीन का शंघाई, हांगकांग का हैंगसेंग, दक्षिण कोरिया का कॉस्पी फायदे में रहे, जबकि जापान का निक्की नुकसान में रहा।

अमेरिका से आई खबर से झूमा उठा बाजार...अपने नए ऑल टाइम हाई पर पहुंचा

मुंबई ।

आईटी और बैंकिंग शेयरों में लिवाली के कारण हफ्ते के चौथे कारोबारी दिन गुरुवार को मुंबई शेयर बाजार अपने नए ऑल टाइम हाई पर पहुंच गया। अमेरिकी फेडरल रिजर्व के फैसले का सकारात्मक असर गुरुवार को भारतीय शेयर बाजार पर देखने को मिला। अमेरिकी फेडरल रिजर्व ने ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं किया, लेकिन बैंक की तरफ से आए कमेंट्री के बाद बाजार यह मान रहा है कि अगले साल अमेरिका में कम से कम तीन दफे ब्याज दरों में कटौती की जा सकती है। गुरुवार के कारोबार में बीएसई सेंसेक्स 930 अंक मजबूत हुआ। वहीं, निफ्टी में भी 264 अंक की बढ़ोतरी दर्ज हुई। व्यापक बाजारों में, बीएसई मिडकैप और स्मॉलकैप सूचकांक भी क्रमशः 36,229 और 41,984 के नए ऑलटाइम हाई पर पहुंच गए। इसमें 1 प्रतिशत और 0.6 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई।

बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स 929.60 अंक की भारी बढ़त के साथ 70,514.20 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स में गुरुवार 70,110.75 और 70,602.89 के रेंज में कारोबार हुआ। वहीं, दूसरी ओर नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के निफ्टी में भी 264.40 अंक की बढ़त दर्ज की गई। निफ्टी दिन के अंत में 21,190.75 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी में गुरुवार को 21,074.45 और 21,210.90 के रेंज में कारोबार हुआ। गुरुवार के कारोबार में सेंसेक्स के शेयरों में 23 शेयर हरे निशान पर बंद हुए। टेक महिंद्रा, इंफोसिस, विप्रो, एचसीएल टेक और इंडसइंड बैंक सेंसेक्स के टॉप 5 गेनर्स रहे। सबसे ज्यादा मुनाफा टेक महिंद्रा के शेयरों को हुआ। इसके शेयर 3.91 फीसदी चढ़ गए। वहीं, दूसरी ओर सेंसेक्स के शेयरों में 7 शेयर लाल निशान पर बंद हुए। पावर ग्रिड, नेस्ले इंडिया, टाइटन, जेएसडब्ल्यू स्टील और मारुति सेंसेक्स के टॉप 5 लूजर्स रहे। सबसे ज्यादा नुकसान पावर ग्रिड के शेयरों को हुआ। इसके शेयर 2.01 फीसदी गिर गए।

बैंक ऑफ महाराष्ट्र ने टियर-2 बॉन्ड के जरिये जुटाए 259 करोड़

- निवेशकों की नजर करीब 8.5 फीसदी की उच्च दर पर थी

नई दिल्ली ।

बैंक ऑफ महाराष्ट्र ने 7.99 फीसदी ब्याज दर पर टियर-2 बॉन्ड के जरिये 259 करोड़ रुपये जुटाए। बैंक ने 1,000 करोड़ रुपये जुटाने का लक्ष्य रखा था, लेकिन उसे 500 करोड़ रुपये से कुछ अधिक की ही बोलियां प्राप्त हुईं और वह भी उच्च स्तर पर। केवल शीर्ष क्रेडिट रेटिंग वाले बैंकों में ही निवेशकों की अच्छी रुचि देखने को मिल रही है। केयर और एक्यूट रेटिंग्स ने इस बॉन्ड को एए प्लस रेटिंग दी है। इस निर्गम का बुनियादी आकार 250 करोड़ रुपये है और इसमें 750 करोड़ रुपये के अतिरिक्त शेयर बेचने का विकल्प है। बाजार प्रतिभागियों ने कहा कि निवेशकों की नजर करीब 8.5 फीसदी की उच्च दर पर थी। मगर बैंक ऑफ महाराष्ट्र ने अधिक ब्याज दर का भुगतान करने से बचते हुए 7.99 फीसदी पर बने रहने का निर्णय लिया जिससे अंततः जुटाई गई रकम पर एक सीमा लग गई। बाजार प्रतिभागियों ने कहा कि बॉन्ड के लिए निवेशकों का रुझान फिलहाल शीर्ष रेटिंग वाले बैंकों की ओर दिख रहा है। बाजार प्रतिभागियों ने कहा कि नकदी प्रवाह में सख्ती और इक्विटी आईपीओ में उछाल से भी बाजार की धारणा प्रभावित हुई है। मगर बाजार को उम्मीद है कि आने वाले सप्ताहों में नकदी प्रवाह की स्थिति सामान्य हो जाएगी। इस प्रकार बाजार में सुधार होने पर दरें कम हो सकती हैं। इससे पहले 30 नवंबर को बैंक ऑफ बड़ौदा ने 10 वर्षीय बॉन्ड के जरिये 5,000 करोड़ रुपये जुटाए थे। बैंक ने 7.68 फीसदी ब्याज दर पर इस बॉन्ड के जरिये रकम जुटाई थी। बैंक को 1,000 करोड़ रुपये के बुनियादी निर्गम आकार के मुकाबले 10,350 करोड़ रुपये की कुल बोलियां प्राप्त हुईं और उसने 4,000 करोड़ रुपये से अधिक के सबस्क्रिप्शन को बरकरार रखा।

तीन हफ्तों में दूसरी बार फिर बढ़ी सीएनजी की कीमत

नई दिल्ली । सीएनजी की कीमत में गुरुवार की सुबह फिर बढ़ोतरी दर्ज हुई है। जानकारी के अनुसार दिल्ली, नोएडा और गाजियाबाद के लिए सीएनजी की कीमतों में नया बदलाव हुआ है। दरअसल, आज सीएनजी की कीमत में 1 रुपये प्रति किलोग्राम की बढ़ोतरी हुई है। बता दें, यह तीन हफ्तों में दूसरी बार है जब सीएनजी की कीमत बढ़ी हैं। नई कीमतें आज से ही लागू हो गई हैं। सीएनजी के लेटेस्ट रेट्स की बात करें तो राजधानी दिल्ली में सीएनजी की कीमत 76.59 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई है। इससे पहले यह कीमत 75.59 रुपये प्रति किलोग्राम थी। नोएडा में सीएनजी की कीमत 82.20 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई है। इससे पहले यह कीमत 81.20 रुपये प्रति किलोग्राम थी। गाजियाबाद और ग्रेटर नोएडा में सीएनजी की कीमत 81.20 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई है। इससे पहले यह कीमत 80.20 रुपये प्रति किलोग्राम थी। हालों कि इससे पहले सीएनजी की कीमत 23 नवंबर को बढ़ी थीं। पिछली बार भी सीएनजी की कीमत 1 रुपये प्रति किलोग्राम की दर से बढ़ी थी। नवंबर में हुए इस बदलाव से पहले दिल्ली में सीएनजी की कीमत 74.59 रुपये प्रति किलोग्राम थी। वहीं नोएडा में सीएनजी की कीमत 80.20 रुपये प्रति किलोग्राम थी। सीएनजी की कीमत में लगातार हो रही इस बढ़ोतरी से पहले जुलाई में कीमतों को लेकर राहत की खबर थी। इस साल जुलाई में सीएनजी की कीमतें जरुर कम हुई थीं, इसके बाद अब` फिर कमी आई है।

फैशन-टेक प्लेटफॉर्म लेलाह अथिया शेट्टी के साथ लांच करेगी वीडियो कैम्पेन

मुंबई ।

ऑनलाइन शॉपिंग के लिए मशहूर अग्रणी टेक प्लेटफॉर्म लेलाह ने प्रतिभाशाली बॉलीवुड अभिनेत्री और फैशन आइकन अथिया शेट्टी के साथ अपने पहले वीडियो कैम्पेन के लॉन्च की घोषणा की है। यह नया अभियान अपने यूजरों के लिए एक व्यापक और सुविधाजनक शॉपिंग जर्नी प्रदान करने के लिए लेलाह की कुशलता को दिखाता है। बताया जा रहा है` कि जीवंत लेलाह थीम गीत पर आधारित, वीडियो में अथिया शेट्टी को उनके सोशल मीडिया पोस्ट पर लगातार टिप्पणियों के बीच दिखाया गया है, जो सभी उनके विशेष परिधानों के बारे में विशिष्ट जानकारी मांग रहे हैं। इन सबके बीच, अथिया दर्शकों का ध्यान लेलाह ऐप की ओर आकर्षित करती है। बता दें` कि अथिया लेलाह ऐप की तकनीक पर जोर देती है, जो उपभोक्ताओं को एक क्लिक के साथ निर्माता की सामग्री से टैग किए गए उत्पादों को सीधे खरीदने के लिए सशक्त बनाती है। यह कई अकाउंट और प्लेटफार्मों पर मैन्युअल रूप से लिंक खोजने की आवश्यकता को समाप्त करता है, जिससे खरीदारी का अनुभव सहजता से सुव्यवस्थित हो जाता है। अभियान के लॉन्च पर टिप्पणी करते हुए, लेलाह की संस्थापक आशना रुइया ने कहा कि हम अथिया शेट्टी के साथ अपना पहला ब्रांड अभियान शुरू करने के लिए उत्साहित हैं, जो फैशन को पूरी तरह से अपनाती हैं और उसका जश्न मनाती है। हमारा अभियान उपभोक्ताओं के लिए ऑनलाइन शॉपिंग अनुभव को बदलने की लेलाह की प्रतिबद्धता का प्रतीक है। हमारा लक्ष्य अपनी पेशकशों के माध्यम से अपने दर्शकों के साथ निर्बाध रूप से जुड़ना, प्रामाणिक निर्माता अनुशंसाओं और सहज खरीदारी के बीच अंतर को पाटना, खोज से अंतिम खरीदारी तक एक सहज यात्रा बनाना है। इस दौरान अथिया शेट्टी ने अपना उत्साह साझा करते हुए कहा` कि मैं लेलाह के नवीनतम अभियान का हिस्सा बनकर रोमांचित हूं। लेलाह वास्तव में एक गेम-चेंजर है, जो आपके और आपके फेवरेट क्रिएटर्स के बीच की दूरी को पाटता है और उनकी सिफारिशों से उत्पाद लिंक खोजने की परेशानी को खत्म करता है। मेरा दृढ़ विश्वास है कि यह सामाजिक खरीदारी परिदृश्य को नया आकार देगा, और मैं हर किसी को अद्वितीय खरीदारी सुविधा अपनाने के लिए प्रोत्साहित करती हूं।

देश की मुद्रास्फीति दर 5.6 फीसदी, अन्य देशों से ज्यादा: बैंक ऑफ बड़ौदा

चेन्नई ।

बैंक ऑफ बड़ौदा ने एक रिपोर्ट में कहा है कि नवंबर में भारत में मुद्रास्फीति दर 5.6 फीसदी रही, जो अन्य देशों की अपेक्षा अधिक है। रिपोर्ट के अनुसार खाद्य पदार्थों की ऊंची कीमतों के कारण दिसंबर में भी भारत में मुद्रास्फीति ऊंची रहने की संभावना है लेकिन राहत की बात है कि पिछले कुछ महीनों से कोर इंफ्लेशन स्थिर है। यह एक डिमांड साइड समस्या है जिसे मौद्रिक नीति से नियंत्रित किया जा सकता है। हालांकि, खाद्य मुद्रास्फीति सप्लाई साइड समस्या है जो उत्पादन में कमी से होती है। रिपोर्ट में कहा गया है कि अर्जेंटीना और तुर्की में मुद्रास्फीती भारत से काफी ज्यादा है। उनकी मुद्रास्फीति क्रमशः 143 प्रतिशत और 62 प्रतिशत है। रूस और दक्षिण अफ्रीका में भी मुद्रास्फीति दर क्रमशः 7.5 प्रतिशत और 5.9 प्रतिशत है, जो भारत से ज्यादा है। बैंक ऑफ बड़ौदा ने कहा` कि भारत के बाद ऑस्ट्रेलिया में मुद्रास्फीति दर 5.4 प्रतिशत, सिंगापुर और ब्राजील में 4.7 प्रतिशत, यूके में 4.6 प्रतिशत, मैक्सिको में 4.3 प्रतिशत, जापान और दक्षिण कोरिया में 3.3 प्रतिशत, कनाडा और अमेरिका में 3.3 प्रतिशत है, इंडोनेशिया में 2.9 प्रतिशत, यूरो क्षेत्र में 2.4 प्रतिशत, सऊदी अरब में 1.6 प्रतिशत, स्विट्जरलैंड में 1.4 प्रतिशत और चीन में शून्य से 0.5 प्रतिशत है। रिपोर्ट में कहा गया है। यह बताया जाना चाहिए कि भारत में मुद्रास्फीति ऊपर नीते होती रहती है। इसका कारण खाद्य कीमतें हैं जो बढ़ती घटती रहती हैं।

रेडमी 13सी 4जी बिक्री के लिए उपलब्ध

-कंपनी ने इस फोन को बजट रेंज में पेश किया

नई दिल्ली ।

हाल ही में शाओमी रेडमी कंपनी ने रेडमी 13सी 4जी को पेश किया था। कंपनी ने इस फोन को सेल के लिए उपलब्ध करा दिया है। कंपनी ने इस फोन को बजट रेंज में पेश किया है, और इसकी शुरुआती कीमत 8,999 रुपये है। खास बात ये है कि ग्राहक इस फोन पर डिस्काउंट भी पा सकते हैं।

एमआई कॉम पर दी गई जानकारी के मुताबिक रेडमी 13सी की खरीद पर ग्राहकों को आईसीआईसीआई क्रेडिट कार्ड और डेबिट कार्ड पर 1,000 रुपये का डिस्काउंट पा सकते हैं। इसके अलावा एसबीआई बैंक कार्ड, एचडीएफसी कार्ड पर भी छूट पाई जा सकती है। रेडमी 13सी 4जी वेरिएंट की कीमत बताई जाए तो इसके 4जीबी + 128जीबी वेरिएंट की कीमत 7,999 रुपये, 6जीबी + 128जीबी वेरिएंट की कीमत 8,999 रुपये और 8जीबी+ 256जीबी वेरिएंट की कीमत 10,499 रुपये रखी गई है, जो कि इसका लॉन्च प्राइज़ है। बाकी इसपर ऑफर के साथ सस्ते में खरीदारी की जा सकती है। रेडमी 13सी 4जी के फीचर की बात करें तो इस फोन में 90एचझेड रिफ्रेश रेट के साथ 6.74-इंच का एचडी+ एलसीडी डिस्प्ले दिया गया है। इसका डिस्प्ले 1,600 गुणा 720 पिक्सल रेजोलूशन के साथ आता है। कैमरे के तौर पर इस फोन के रियर पर 50 मेगापिक्सल का प्राइमरी कैमरा, 2 मेगापिक्सल का मैक्रो कैमरा और डेप्थ डेटा कलेक्ट करने के लिए एक तीसरा कैमरा भी दिया गया है। सेल्फी के लिए फोन के फ्रंट में 8 मेगापिक्सल का कैमरा मौजूद है। पावर के लिए इस फोन में 5,000 एमएएच की बैटरी दी गई है और ये 18वॉट के फास्ट चार्जिंग सपोर्ट के साथ आती है।ये सस्ता फोन एंड्रॉयड 13 पर बेस्ड एमआईयूआई 14 पर काम करता है। इस फोन में 8जीबी एलपीडीडीआर4एक्स रैम और 256जीबी ईएमएमसी 5.1 स्टोरेज के साथमीडियाटैक हेलियों जी85 प्रोसेसर दिया गया है।

इरिडा के शेयर में बंपर उछाल

ENERGY FOR EVER
इरेडा
IREDA
ONCE IREDA ALWAYS IREDA

नई दिल्ली ।

लिस्टिंग से दस दिनों में ही भारतीय नवीकरणीय ऊर्जा विकास एजेंसी (आईआरईडीए) के शेयरों में मंगलवार को भी 20% की बढ़ोतरी देखने को मिली। इससे पहले सोमवार को यह 20% ऊपरी सर्किट समाप्त पर था। मंगलवार (12 दिसंबर) को आई इस शानदार तेजी के साथ ही 32 रुपये के आईपीओ प्राइस वाला यह शेयर इंट्रा-डे में 102.02 रुपये पर पहुंच गया। यह स्टॉक 29 नवंबर को सार्वजनिक हुआ था, जो अपने इश्यू प्राइस से 87.5% अधिक पर समाप्त हुआ। बता दें कि लिस्टिंग के केवल दस दिनों के अंदर ही यह शेयर अपने आईपीओ मूल्य से तीन गुना हो गया है। पिछले साल मई में एलआईसी के बाद इरिडा का आईपीओ पहला पीएसयू आईपीओ था। इस इश्यू को लगभग 40 गुना सब्सक्राइब किया गया, जिससे यह दशक का सातवां सबसे अधिक सब्सक्राइब्ड पीएसयू आईपीओ बन गया। लिस्टिंग के बाद से दस कारोबारी दिनों में इ रिडा के शेयरों में केवल दो बार गिरावट आई है। सोमवार के 20% उछाल से पहले, शुक्रवार (8 दिसंबर) को स्टॉक 10% बढ़कर बंद हुआ। वर्तमान में, इ रिडा के शेयर 12.2% बढ़कर 95.40 पर कारोबार कर रहे हैं। बता दें कि मंगलवार की उछाल के साथ ही इ रिडा का मार्केट कैपिटलाइजेशन भी 25,000 करोड़ के आंकड़े को पार कर गया। मंगलवार के ट्रेडिंग सेशन में इरिडा के 23 करोड़ शेयर पहले ही बदल चुके हैं, जबकि सोमवार को 21 करोड़ शेयर और शुक्रवार को 26 करोड़ शेयर बदले थे। इरिडा सोमवार को तब चर्चा में था जब उसने पीएम कुसुम स्कीम, रूफटॉप सोलर और ऋण के संबंध में अन्य बी2सी सेगमेंट को लक्ष्य करते हुए अपना रिटेल डिवीजन लॉन्च किया था।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम के नाम दर्ज हुआ ये महारिकॉर्ड

नई दिल्ली (एजेंसी)। गुरुवार को मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में भारत बना इंग्लैंड के बीच एकमात्र टेस्ट मैच खेला जा रहा है। वहीं इस मैच के दौरान भारतीय महिला टीम टेस्ट पारी में एक दिन में 400 से ज्यादा रन बनाने वाली दूसरी टीम बन गई है। पहले दिन का खेल खत्म होने तक भारत ने सात विकेट के नुकसान पर 410 रन बनाए और दीप्ति शर्मा और पुजा वस्त्राकर नाबाद लौटी हैं।

बता दें कि, 2014 के बाद घर पर अपने पहले टेस्ट में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला करते हुए भारत ने टॉप और मध्य क्रम के समान योगदान के साथ रनों का ढेर लगाया। डेब्यूटेंट शुभा सतीश 69 और जेमिमा रोड्रिग्स 68 रन बनाए। जबकि तीसरे विकेट के लिए 115 रन की साझेदारी हुई।

वहीं कप्तान हरमनप्रीत कौर ने अपना सर्वोच्च टेस्ट स्कोर दर्ज किया, लेकिन अजीब तरह से रन आउट होने के कारण वह अपने अर्धशतक से चूक गईं। उनके बाद छठे नंबर पर विकेटकीपर यास्तिका भाटिया ने भी 88 गेंदों में 10 चौकों और एक छक्के की मदद से 66 रन बनाकर अपना पहला अर्धशतक पूरा किया। निचले क्रम की बल्लेबाजों दीप्ति शर्मा और स्नेह राणा ने सातवें विकेट के लिए पचास से ज्यादा की साझेदारी करके भारत को 400 रन के पार पहुंचाया।

इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट में य 88सालों में महिला टेस्ट में एक ही दिन में किसी टीम द्वारा 400 से ज्यादा रन बनाने का पहला उदाहरण था। इंग्लैंड की महिला टीम ने 1935 में लैंकेस्टर पार्क, क्राइस्टचर्च में न्यूजीलैंड के खिलाफ दो विकेट 431 रन बनाकर सबसे बड़ा रिकॉर्ड बनाया था।

रिंकू ने कहा, सूर्या भाई ने समझाया अपने कूल अंदाज में खेलो

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के नए फिनिशर बने रिंकू सिंह लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने साउथ अफ्रीका के खिलाफ सीरीज के दूसरे टी20 में धमाकेदार अर्धशतक जड़ा। रिंकू के टी20 इंटरनेशनल करियर का यह पहला अर्धशतक है। हालांकि रिंकू की फिफ्टी टीम के काम नहीं आई। भारतीय टीम को इस मैच में 5 विकेट से हार मिली। रिंकू ने कहा कि जब वह क्रीज पर बैटिंग के लिए आए, उस समय टीम मुश्किल में थी। लेकिन कप्तान सूर्यकुमार ने उनकी बल्लेबाजी को आसान बना दिया। सूर्या ने रिंकू से कहा कि जैसे खेलते आए हो वैसे ही खेलो। रिंकू ने यह बात बीसीसीआई की ओर से शेयर की गई वीडियो में कही है।

रिंकू पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी के लिए उतरे थे। तब टीम 55 रन पर 3 विकेट गंवा चुकी थी। इसके बाद रिंकू ने 39 गेंदों पर 9 चौकों और 2 छक्कों की मदद से नाबाद 68 रन की पारी खेली। बीसीसीआई ने एक वीडियो अपलोड किया है जिसमें रिंकू यह बता रहे हैं कि कैसे जब वह क्रीज पर बैटिंग के लिए आए तब कप्तान सूर्या ने उन्हें कूल रहने की सलाह दी जो कारगर साबित हुई।

रिंकू ने कहा, जब मैं बैटिंग करने आया तब विकेट थोड़ा मुश्किल था। सेट होने के बाद मैंने अपने शॉट खेलना शुरु किया। सूर्या भाई से जब मैंने इसके बारे में कहा तब उन्होंने कहा कि जैसा अभी तक खेलता रहा है वैसा ही खेलो। उन्होंने मुझे कहा कि मैं शांत रहकर अपना नेचुरल गेम खेलूं। मैंने ठीक वैसा ही किया जो कारगर रहा। सूर्या और रिंकू ने इस मैच में फिफ्टी ठोकी। भारतीय कप्तान ने 36 गेंदों पर 56 रन की पारी खेली। टीम ने मुकाबले को डकवर्थ लुइस नियम के तहत 5 विकेट से जीता। भारत के दोनों ओपनर यशस्वी जायसवाल और शुभमन गिल खाता खोले बगैर पवेलियन लौट चुके थे। टीम इंडिया 19.3 ओवर में 7 विकेट पर 180 रन बना चुकी थी।

रोहित-विराट से नहीं बल्कि सूर्यकुमार से है साउथ अफ्रीका को डर

नई दिल्ली (एजेंसी)। टीम इंडिया इन दिनों साउथ अफ्रीका पर भारी पड़ रही है। दरअसल साउथ अफ्रीका को रोहित या विराट से नहीं बल्कि सूर्यकुमार यादव से डर है। इस समय टीम इंडिया साउथ अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज खेल रही है। भारतीय टीम के अलावा साउथ अफ्रीका ही थी जिसने वर्ल्ड कप में विरोधी टीमों को पस्त कर दिया। लेकिन भारत के खिलाफ साउथ अफ्रीका की भी हालत पतली नजर आई। हालांकि, उस दौरान रोहित-कोहली भी टीम इंडिया का हिस्सा थे। लेकिन प्रोटियाज टीम का सबसे बड़ा दुश्मन रोहित या कोहली नहीं सूर्यकुमार यादव हैं। उन्होंने ऐसा कारनामा कर दिया है जो अभी तक टी20 में इस टीम के खिलाफ कोई भी बैटर नहीं कर सका। गौरतलब है ?कि भारत और साउथ अफ्रीका के बीच पहला मुकाबला बारिश की भेंट चढ़ गया। वहीं, दूसरे मुकाबले में भी बारिश ने टीम इंडिया का खेल बिगाड़ दिया। हालांकि, जब तक बारिश नहीं हुई टीम इंडिया गेम में बनी हुई थी। भले ही भारत ने महज 6 रन के स्कोर पर अपने दो बल्लेबाजों को खो दिया था। लेकिन सूर्यकुमार यादव और रिंकू सिंह की फिफ्टी की बदौलत भारतीय टीम ने स्कोरबोर्ड पर 180 रन ले लिए थे।

यदि साउथ अफ्रीका के खिलाफ स्काई के आंकड़े देखें तो टी20 में इस टीम के खिलाफ वे सबसे घातक नजर आते हैं। उन्होंने महज 5 पारियों में इस टीम के खिलाफ 7 फिफ्टी ठोक दी हैं। साउथ अफ्रीका के खिलाफ टी20 में सबसे ज्यादा अर्धशतक ठोकने के मामले में ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज डेविड वॉर्नर भी शामिल हैं। उन्होंने भी इस टीम के खिलाफ 4 हाफ सेंचुरी ठोकी हैं। लेकिन वॉर्नर ने इसके लिए 15 पारियां खेली है। इसके अलावा मोहम्मद रिजवान और जॉनी बेयरस्टो ने भी 4 अर्धशतक लगाए हैं, लेकिन रिजवान ने इसके लिए 11 पारियां लीं जबकि बेयरस्टो ने 13 पारियों में ये कारनामा किया। स्काई ने महज 5 इनिंग्स में यह उपलब्धि हासिल की है। साउथ अफ्रीका के खिलाफ दूसरे टी20 मैच में बारिश के चलते साउथ अफ्रीका को 15 ओवर में 152 रन का लक्ष्य मिला है।

रोहित के पास दक्षिण अफ्रीकी धरती पर टेस्ट श्रृंखला जीतने का सुनहरा मौका: गावस्कर

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूरे टूर्नामेंट में दमदार प्रदर्शन करने के बावजूद भारत एकदिवसीय विश्व कप ट्रॉफी जीतने से चूक गया। क्योंकि फाइनल की रात वे ऑस्ट्रेलिया से छह विकेट से हार गए। हालांकि पूर्व क्रिकेटर सुनील गावस्कर के अनुसार रोहित के पास भरपाई का मौका है। विशेष रूप से भारत ने कभी भी दक्षिण अफ्रीकी धरती पर टेस्ट श्रृंखला नहीं जीती है और इस कारण रोहित की अगुवाई वाली टीम के पास इतिहास लिखने का एक शानदार मौका है। गावस्कर ने उल्लेख किया कि सलामी बल्लेबाज आगामी श्रृंखला में टीमों की सफलता में बेहद महत्वपूर्ण होगा और उम्मीद है कि वह एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। गावस्कर ने कहा, रोहित और विराट कोहली वास्तव में पिछले 6-8 महीनों में अपनी शक्तियों के चरम पर हैं। टेस्ट सीरीज में रोहित भारत के लिए अहम रहने वाले हैं। तीसरे, चौथे और पांचवें नंबर पर अपने बाद आने वाले बल्लेबाजों को स्थापित करने में रोहित की बड़ी भूमिका होगी। चाहे कुछ भी हो, यह रोहित शर्मा के लिए विश्व कप फाइनल में मिली हार की भरपाई करने का मौका है। यह भारत के लिए दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ श्रृंखला जीतने का सबसे अच्छा मौका हो सकता है क्योंकि उनके कई प्राथमिक तेज गेंदबाज अपनी-अपनी चोटों के कारण बाहर हैं। कैगिसो रबाडा उपलब्ध रहेंगे लेकिन एनरिक नॉर्टजे और सिसंडा मगाला जैसे खिलाड़ी टीम का हिस्सा नहीं हैं। लुंगी एनगिडी की चोट पर फिलहाल नजर रखी जा रही है और वनडे सीरीज खत्म होने के बाद फैसला किया जाएगा।

केएल राहुल के तीनों प्रारूपों में खेलने से इस खिलाड़ी पर संकट

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय टीम के विकेट कीपर बल्लेबाज केएल राहुल साउथ अफ्रीका दौरे पर वनडे सीरीज में टीम इंडिया की कप्तानी संभालने वाले है। वह बुधवार रात तक साउथ अफ्रीका पहुंच जाएंगे। फिलहाल, दोनों टीमों के बीच टी20 सीरीज खेली जा रही है, जिसके सदस्य राहुल नहीं हैं। इस कड़ी में एक बड़ा अपडेट आया है कि उनके बल्लेबाजी क्रम में बदलाव देखने को मिलेगा। मतलब, राहुल क्रिकेट के तीनों फॉर्मेट में बतौर विकेटकीपर बल्लेबाज मध्यक्रम में अपना स्थान बनाने पर काम कर रहे हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, राहुल न केवल तीन वनडे मैचों में बल्कि 3 टेस्ट मैचों में भी विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी संभालने वाले हैं। जबकि ईशान किशन 16 सदस्यीय टीम में शामिल हैं, लेकिन राहुल विकेट कीपिंग के लिए ईशान की तुलना में ज्यादा बड़े दावेदार हैं। रिपोर्ट के अनुसार, इसके पुख्ता संकेत मिल रहे हैं कि राहुल खुद को विकेटकीपर-मध्यक्रम बल्लेबाज के रूप में स्थापित करने के इच्छुक हैं। अगर राहुल विकेटकीपिंग करते हैं, तब वह तीनों फॉर्मेट में अपना स्थान पक्का कर सकते हैं। हालांकि, राहुल सभी प्रारूपों में नई भूमिका में फिट होने के लिए अपने स्ट्राइक रेट पर काम कर रहे हैं।

टी20 वर्ल्डकप से पहले टीम प्रबंधन और प्रशंसकों के लिए खुशखबरी

नई दिल्ली। वर्ल्डकप 2023 के बाद चर्चा टी20 वर्ल्डकप की है। अगले वर्ष जून में टी20 वर्ल्डकप का आयोजन वेस्टइंडीज और अमेरिका में होगा। टी20 फॉर्मेट के बड़े टूर्नामेंट के लिए भारतीय टीम में किन प्लेयर्स को स्थान मिले इस लेकर चर्चाओं का बाजार गर्म हैं। टूर्नामेंट के पहले, भारत के लिहाज से यह अच्छी खबर है कि विकेटकीपर बैटर ऋषभ पंत अब फिट हो गए हैं और आईपीएल 2024 के द्वारा सक्रिय क्रिकेट में वापसी कर सकते हैं। पंत पिछले साल हुई कार दुर्घटना के बाद से पेशेवर क्रिकेट से दूर हैं। पंत ने हाल में अपने वर्कआउट के फोटो शेयर किया हैं, जिसमें उन्हें बिना किसी परेशानी के वेट ट्रेनिंग और साइकिलिंग करते हुए देखा जा सकता है। पंत यदि फुल फिटनेस लेवल हासिल कर लेते हैं, तब उन्हें टी20 वर्ल्डकप की भारतीय टीम में चुना जाए या नहीं, इस लेकर दिग्गज क्रिकेटर सुनील गावस्कर ने अपनी राय जाहिर की है। 'सनी' ने कहा, हां, वह (पंत) लौट आया है। वह इम्पेक्ट प्लेयर है। आईपीएल का 2024 सीजन शुरू होने में अभी करीब चार माह हैं। यदि वह इस टूर्नामेंट में फिटनेस दिखाते हैं। यदि वह पूरा आईपीएल, चोट के बिना खेलते हैं, तब वह टीम में आ सकते हैं।

केकेआर ने बल्लेबाज श्रेयस अय्यर पर दिखाया भरोसा

मुंबई । दो बार की आईपीएल चैंपियन कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने घोषणा की है कि भारत के बल्लेबाज श्रेयस अय्यर टूर्नामेंट के 2024 सीजन के लिए टीम के कप्तान के रूप में वापसी कर रहे हैं। साथ ही नीतीश राणा उनके डिप्टी के रूप में काम करने वाले हैं। श्रेयस ने कहा, मेरा मानना है कि पिछले सीजन ने हमारे सामने कई चुनौतियां पेश की, जिसमें चोट के कारण मेरी अनुपस्थिति भी शामिल थी। नीतीश ने न केवल मेरे लिए बल्कि अपने सराहनीय नेतृत्व से भी बहुत अच्छा काम किया। मुझे खुशी है कि केकेआर ने उन्हें उपकप्तान बनाया है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि यह नेतृत्व समूह को मजबूत करेगा। राणा को आईपीएल 2023 के लिए केकेआर का कप्तान नियुक्त किया गया था क्योंकि अय्यर पीठ की चोट के कारण प्रतियोगिता से बाहर हो गए थे, जो उन्हें अहमदाबाद में चौथे बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी टेस्ट के दौरान लगी थी और यूनाइटेड किंगडम में सर्जिकल हस्तक्षेप की आवश्यकता थी। अय्यर ने एशिया कप में वापसी की थी। हालांकि वह पीठ की ऐंठन के कारण ग्रुप चरण के बाद नहीं खेल पाए। अय्यर हाल ही में घरेलू मैदान पर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारत की 4-1 टी20 सीरीज जीत के सदस्य थे और वर्तमान में सभी प्रारूपों के दौरे के लिए दक्षिण अफ्रीका में हैं। राणा के नेतृत्व में केकेआर छह मैच जीतकर अंक तालिका में सातवें स्थान पर रही, जबकि आठ मैच हारकर 12 अंकों के साथ समाप्त हुई। अय्यर और राणा उन 12 खिलाड़ियों में शामिल थे, जिन्हें 19 दिसंबर को दुबई में होने वाली आईपीएल 2024 खिलाड़ी नीलामी से पहले केकेआर ने बरकरार रखा था।

स्पेन के खिलाफ अभियान की शुरुआत करेगी भारतीय टीम

वालेंसिया (एजेंसी)। भारतीय पुरुष और महिला हॉकी 15 से 22 दिसंबर तक खेले जाने वाले पांच देशों के टूर्नामेंट वालेंसिया 2023 में भाग लेने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। टूर्नामेंट में भाग लेने वाली अन्य टीमें स्पेन, बेल्जियम, जर्मनी, आयरलैंड और फ्रांस हैं। भारतीय महिला हॉकी टीम 15 दिसंबर को टूर्नामेंट के पहले गेम में मेजबान स्पेन से भिड़ेगी और 16 दिसंबर को बेल्जियम, 19 दिसंबर को जर्मनी और अपने आखिरी मैच में 21 दिसंबर को आयरलैंड से भिड़ेगी।

स्पेन के खिलाफ अपने पहले मैच से पहले, भारतीय महिला टीम की कप्तान सविता ने कहा, 'हमें वालेंसिया पहुंचे हुए तीन दिन हो गए हैं, हमारी अनुकूलन प्रक्रिया पूरी होने के बाद अब हम स्पेन के खिलाफ टूर्नामेंट शुरू करने के लिए तैयार हैं। हमें कुछ का सामना करना पड़ेगा। दुनिया की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग वाली टीमें और इस अवसर का उपयोग आगामी एफआईएच हॉकी ओलंपिक क्वालीफायर रांची 2024 की तैयारी में अपनी कमजोरियों पर काम करने के लिए करें। हम हर खेल में अपना दिल खोलकर खेलेंगे क्योंकि यह हमारे प्रदर्शन को बेहतर बनाने के लिए सही मंच है।'

इसी तरह, भारतीय पुरुष हॉकी टीम अपने पांच देशों के टूर्नामेंट वालेंसिया 2023 अभियान को समाप्त करने के लिए 15 दिसंबर को पहले मैच में मेजबान स्पेन से भिड़ेगी, उसके बाद 16 दिसंबर को बेल्जियम, 19 दिसंबर को जर्मनी और 20 दिसंबर को फ्रांस के खिलाफ मुकाबला करेगी।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह भी अपने पहले मैच से पहले अपने प्रदर्शन को लेकर आश्वस्त हैं। उन्होंने कहा, 'कुछ शीर्ष हॉकी टीमें वेलेंसिया आई हैं, वे सभी अपने खेल को बेहतर बनाने के लिए इस विंडो का उपयोग करने की होड़ में हैं और हम भी अलग नहीं हैं। हम हर मैच को एक महत्वपूर्ण मैच मानेंगे और टूर्नामेंट जीतने का प्रयास करेंगे। टीम फिर से हॉकी खेलने और देश को गौरवान्वित करने के लिए उत्सुक है।'

तोक्यो ओलंपिक के पूर्व अधिकारी ने खेलों के अनुबंध के बदले रिश्वत लेने से किया इनकार

तोक्यो। तोक्यो ओलंपिक आयोजन समिति के पूर्व सदस्य हारुयुकी ताकाहाशी गुरुवार को तोक्यो जिला अदालत में पेश हुए और खेलों से जुड़े रिश्वत के मामले में खुद को निर्दोष बताया। ताकाहाशी को एक साल से भी अधिक समय पहले गिरफ्तार किया गया था और अभी यह स्पष्ट नहीं है कि उनके मामले की सुनवाई कब खत्म होगी। बचाव पक्ष अगले साल की शुरुआत में अपना पक्ष रखेगा। जापान की प्रतिष्ठित विज्ञापन कंपनी देंत्सु के पूर्व अधिकारी ताकाहाशी पर आरोप है कि उन्होंने 2021 तोक्यो खेलों से जुड़े ओलंपिक अनुबंध देने के बदले में 19 करोड़ 80 लाख येन (14 लाख डॉलर) की रिश्वत ली। देंत्सु और पांच अन्य कंपनियों पर बोली में धांधली के आपराधिक आरोपों से जुड़ी एक अलग सुनवाई स्थगित होने के ठीक नौ दिन बाद ताकाहाशी अदालत में पेश हुए। सुनवाई अगले साल की शुरुआत में फिर शुरू होगी। ताकाहाशी ने अभियोजन पक्ष द्वारा अपना मामला पेश करने से पहले न्यायाधीश से कहा, 'मैं सभी आरोपों पर अपनी बेगुनाही का दावा करता हूं। यह पूरी तरह से व्यवसाय था और यह रिश्वत नहीं थी।'

प्लेइंग इलेवन में शामिल नहीं रवि बिश्नोई, पूर्व क्रिकेटरों ने सूर्यकुमार को सुना दी खरी-खरी

मुंबई(एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे टी20 मैच के लिए भारत की प्लेइंग इलेवन ने कई पूर्व क्रिकेटरों को आश्चर्यचकित किया है। सूर्यकुमार ने प्लेइंग इलेवन में हाल ही में विश्व के नंबर 1-रैंक वाले टी20ई गेंदबाज रवि बिश्नोई को शामिल नहीं किया। इस फैसले पर पूर्व क्रिकेटर नाराज दिखे। सूर्यकुमार ने प्लेइंग 11 से ईशान किशन, रुतुराज गायकवाड़ और श्रेयस अय्यर को भी बाहर कर किया, जिससे जितेश शर्मा और तिलक वर्मा को एकादश में शामिल करने का रास्ता साफ हो गया। लेकिन सूर्यकुमार का यह दाव उलटा पड़ा और टीम इंडिया को मैच में हार झेलनी पड़ी। इसके बाद सूर्यकुमार की इन पूर्व क्रिकेटरों ने लगा दी क्लास।

जहां संजय मांजरेकर ने कहा, हां, उनके पास स्क्रीन पर फिर से टीम है। मैं कुछ बहुत दिलचस्प दिखाऊंगा। एक श्रेयस अय्यर नहीं खेल रहे हैं और तिलक वर्मा नंबर 3 पर हैं। रुतुराज गायकवाड़, रवि बिश्नोई, अय्यर टीम में नहीं हैं। आश्चर्य करने वाली बात है।

वहीं पीयूष चावला ने कहा कि पिछली सीरीज में रवि बिश्नोई ने जिस तरह का प्रदर्शन किया था, उन्हें खेलना चाहिए था। उन्होंने हाल ही में आईसीसी रैंकिंग में शीर्ष स्थान हासिल किया है। वह निराश हो सकते हैं। पूर्व क्रिकेटर गौतम गंभीर ने कहा कि मुझे नहीं पता कि क्या कारण हो सकता है (श्रेयस की चूक के पीछे)। उन्होंने बेंगलुरु में आखिरी गेम में अर्धशतक बनाया था। अब इसका कारण क्या हो सकता है, क्या वे बाएं हाथ के बल्लेबाजों को देख रहे थे या अय्यर को कोई दिक्कत है, इसका जवाब केवल टीम प्रबंधन ही दे सकता है। लेकिन हां, जैसा कि पीसी ने कहा, अगर दुनिया का नंबर 1 रैंक वाला टी20ई गेंदबाज आपकी प्लेइंग इलेवन में नहीं है... और मत भूलिए। यह आपकी मुख्य टीम नहीं है, आप यहां युवाओं को मौका दे रहे हैं। केवल सूर्यकुमार यादव और टीम प्रबंधन ही कुछ स्पष्टता प्रदान कर सकते हैं।

वहीं, सुनील गावस्कर ने बिश्नोई पर कहा कि वह अभी भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपने पैर जमा रहा है। हां, वह दुनिया का नंबर 1 टी20 गेंदबाज है, लेकिन फिर भी, अगर आप उसमें फंस जाते हैं, तो कभी-कभी आप उसे और तेज गेंदबाजी करते हुए देखते हैं। अच्छी पिच पर आप जितनी तेजी से गेंदबाजी करते हैं, बल्लेबाजों के लिए यह उतना ही आसान हो जाता है क्योंकि गति बिल्कुल वैसी ही होती है जैसी वे तलाश रहे होते हैं।

अनूप देशमुख नें हासिल किया जाफना इंटरनेशनल शतरंज का खिताब

जाफना । भारतीय खिलाड़ी अनूप देशमुख ने जाफना इंटरनेशनल शंतरंज का खिताब अपने नाम कर लिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार श्रीलंका के उत्तरी हिस्से की राजधानी जाफना में सम्पन्न हुए जाफना इंटरनेशनल टूर्नामेंट का खिताब भारत के 56 वर्षीय इंटरनेशनल मास्टर अनूप देशमुख नें जीत लिया है। कुल 747 खिलाड़ियों के बीच हुए इस टूर्नामेंट में 10 राउंड के बाद अपराजित रहते हुए 8 जीत और 2 ड्रॉ के साथ अनूप देशमुख नें 9 अंक बनाते हुए बेहतर टाईब्रेक के आधार पर पहला स्थान हासिल किया। इस दौरान उन्होने बेहद महत्वपूर्ण नौवे राउंड में टॉप सीड 2400 रेटेड श्रीलंका के दिलशान लियांगे को पराजित किया। भारत के ही अनुभवी इंटरनेशनल मास्टर शेखर चन्द्र साहू भी 9 अंक बनाकर दूसरे स्थान पर रहे जबकि श्रीलंका के इसरु अलहकून 8.5 अंक बनाकर तीसरे स्थान पर रहे। इंटरनेशनल मास्टर अनूप देशमुख पाँच बार के विश्व चैम्पियन विश्वनाथन आनंद के साथ सब जूनियर नेशनल और नेशनल जूनियर खेला करते थे। भारतीय शतरंज मे उन्होने विदित गुजराती, अभिजीत गुप्ता जैसे कई बड़े खिलाड़ियों को प्रशिक्षण भी दिया है और कई बार भारतीय टीम के प्रशिक्षक भी रहे है।

मैं इंडियन मुस्लिम हूं, जहां इबादत करनी होगी करूंगा: मोहम्मद शमी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने कहा है कि मैं इंडियन मुस्लिम हूं, जहां इबादत करनी होगी करूंगा। दरअसल एक टीवी चैनल के प्रोग्राम में शमी ने अपने मैच के दौरान एक वीडियो वायरल होने के जवाब में ऐसा कहा। गौरतलब है कि आईसीसी वनडे वर्ल्ड कप 2023 में भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी जहां शुरुआती 4 मैचों में खेल नहीं पाए वहीं जब उन्हें मौका मिला तो उन्होंने टूर्नामेंट को अपने नाम कर लिया और ताबड़तोड़ गेंदबाजी कर शमी ने कई रिकार्ड अपने नाम बनाए। 7 मुकाबलों में शमी ने 5.26 की औसत से सबसे ज्यादा 24 विकेट लिए थे। इसी दौरान श्रीलंका के खिलाफ एक मुकाबले में शमी ने बेहतरीन गेंदबाजी की और उस मैच का एक वीडियो काफी वायरल हुआ, जिसमें शमी 5 विकेट लेने के बाद जमीन पर झुके थे। इस पर पाकिस्तानी लोगों ने सोशल मीडिया पर काफी ट्रोल किया था और कहा था कि शमी इंडियन मुस्लिम है, सजदा करना चाहता है, लेकिन एकदम डर गया और इंडिया में घबरा कर ये नहीं कर पाया। इस पर अब शमी ने खुलकर अपनी बात रखी।

शमी ने कहा कि मैं गर्व से कहता हूं कि मुस्लिम हूं, जहां इबादत करनी होगी करूंगा, कौन रोकेगा। इतना ही नहीं शमी ने पाकिस्तानियों को चुगलखोर तक कह दिया है। शमी ने कहा कि मैं इंडियन हूं तो गर्व से कहता हूं कि हां मैं इंडियन हूं, इसमें क्या दिक्कत है। अगर मुझे कोई दिक्कत होती तो भाई मुझे यहां इंडिया में रहना ही नहीं चाहिए था। अगर मुझे मेरा सजदा करने के लिए किसी की परमिशन की जरूरत पड़ती तो मैं रहूंगा ही क्यों यहां पर। वीडियो पर शमी ने कहा, वो छठा ओवर था और 3 तो आउट हो ही चुके थे। यहां से मेरे दिमाग में था कि अगले 3-4 ओवर में 5 विकेट लेकर आउं। तब मैं फुल एफर्ट 200 प्रतिशत से डाल रहा था और मैं थक चुका था। जब मैंने 5 विकेट लिए तो घुटनों पर बैठा था। लोगों ने उसे शेयर कर के उसका मजाक बना डाला।

मूक हत्यारा हाईपर टेंशन

जीवनशैली, काम का बढ़ता दबाव और जरूरत से अधिक महत्वाकांक्षी होना 20 से 30 आयु वर्ग के युवाओं में ब्रेन हैमरिज का कारण बन रहा है. ब्रेन स्ट्रोक के मामले पहले बुजुर्ग अवस्था में देखे जाते थे क्योंकि इसके लिए उच्च रक्तचाप और मधुमेह मुख्य कारण होते थे. हाल ही में ऐसे मरीजों की संख्या में वृद्धि हुई है जिन्हें बहुत कम उम्र में ब्रेन हैमरिज का सामना करना पड़ता है और ऐसा उस जीवन शैली के कारण होता है जिसे वे अपनाते हैं. भारत में ब्रेन स्ट्रोक के मामले सालाना प्रति एक लाख लोगों पर 100 से 150 के बीच होते हैं जिनमें से 15 से 20 फीसदी मामले 30 से कम उम्र के युवाओं के हैं.

मानसिक तनाव, कामकाज के अधिक दबाव, अनियमित दिनचर्या, प्रतिस्पर्धात्मक वातावरण, अच्छी नींद का अभाव, गैर स्वास्थ्य और गलत समय पर खानपान की आदतें, व्यायाम का अभाव और जेनिटिक कारण ब्रेन हैमरिज का कारण बन रहे हैं. इन सभी के चलते कम उम्र में ही उच्च रक्तचाप और मधुमेह का शिकार होना पड़ता है जो ब्रेन स्ट्रोक का कारण बनता है. उच्च रक्तचाप मस्तिष्क में रक्तसाव का मुख्य कारण होता है. कई बार मरीजों को उच्च रक्तचाप का पता नहीं होता और इसलिए उन्हें इस बात का अहसास तक नहीं हो पाता कि वे एक टाइम बम लिए बैठे हैं जो फटने के इंतजार में हैं. कई बार उच्च रक्तचाप भी अधिक मानसिक दबाव को नहीं दर्शाता और यही तनाव बढ़ने पर खतरनाक साबित हो जाता है.

हालिया एक मामले में प्रतिस्पर्धात्मक परीक्षा की तैयारी कर रहे एक 22 वर्षीय युवक को अस्पताल में भर्ती कराया गया जिसे बेहद उच्च स्तर का हाईपर टेंशन था. उसे अर्धबेहोशी की हालत में सिर के पिछले हिस्से में दर्द की शिकायत के साथ लाया गया था. सीटी स्कैन में उसके मस्तिष्क के आधार वाले हिस्से में बड़े रक्तसाव का पता चला. कई सप्ताह के इलाज के बाद उसके उच्च रक्तचाप को नियंत्रित किया जा सका. मरीज के शरीर के एक हिस्से में अभी भी कमजोरी है. अस्पताल में सप्ताह में ऐसे चार पांच मामले आते हैं जो युवाओं में ब्रेन स्ट्रोक से संबंधित होते हैं. हाईपर टेंशन एक मूक हत्यारा है और इसका एक सामान्य रास्ता यही है कि केवल उतना ही दबाव लें जितना संभाल सकें. दवाओं या जीवन शैली में बदलाव के जरिए उच्च रक्तचाप को नियंत्रित करना ब्रेन स्ट्रोक से बचने में बड़ी भूमिका अदा कर सकता है. जीवनशैली में सुधार का मतलब है कि नियमित रूप से व्यायाम करना और स्वस्थ खानपान की आदतें अपनाना. आज के कामकाज के माहौल में तनाव और प्रतिस्पर्धा शामिल है. इसलिए लोगों को तनाव को कम करने के लिए रोजाना कुछ ऐसा हटकर करना चाहिए जिससे तनाव कम हो. इसके लिए अपना कोई शौक अपनाएं या कुछ देर के लिए ध्यान लगाएं. मधुमेह और हाईपर टेंशन के कारण रक्त वाहिनियों के भीतर एथेरोमा जैसे कुछ तत्वों का जमाव हो जाता है और वाहिकाएं कमजोर पड़ने लगती हैं. एथेरोमा के जमाव के कारण रक्त वाहिकाएं संकरी हो जाती हैं जिससे मस्तिष्क में रक्त की आपूर्ति में कमी आती है और अंततः मस्तिष्क उत्तक नष्ट हो जाते हैं. रक्त वाहिनियों के कमजोर पड़ने से मस्तिष्क के भीतर ही रक्त वाहिनियां फट जाती हैं जिससे रक्त का थक्का जम जाता है और ये सब मिलकर ब्रेन स्ट्रोक का कारण बनते हैं.

मोनोपॉज महिलाओं को अनिद्रा से बचाता है योग

रजोनिवृत्ति को हासिल कर चुकी महिलाओं को योग अनिद्रा की समस्या से निजात दिलाने में सहायक हो सकता है. एक नए शोध में यह बात कही गयी है. रजोनिवृत्ति के दौरान कई महिलाओं को ठंडा गरम लगने, रात में पसीना आने, वजन बढ़ने और मुहांसों की समस्या से जूझना पड़ता है. शोधकर्ताओं ने पाया है कि 12 सप्ताह तक योग प्रशिक्षण हासिल करने और बाद में घर पर उसका नियमित अभ्यास करने से अनिद्रा की समस्या से छुटकारा मिलता है. शोध रिपोर्ट की मुख्य लेखिका और अमेरिका में ग्रुप हेल्थ रिसर्च इंस्टीट्यूट की वरिष्ठ जांचकर्ता कैथरीन न्यूटन ने बताया, ''ठंडा गरम महसूस होने और रात में पसीना आने की समस्या को हार्मोन थेरेपी से दूर किया जा सकता है लेकिन आजकल बहुत कम महिलाएं ही हार्मोन थेरेपी लेती हैं.'' शोध में यह पता लगाने का प्रयास किया गया कि क्या योग, कसरत या मछली का तेल इन लक्षणों को दूर करने में सहायक हो सकता है. शोध के बाद पाया गया कि योग रजोनिवृत्ति के चरण में पहुंच चुकी महिलाओं को अनिद्रा की बीमारी से बचाता है.

अपनी त्वचा को यूं खूबसूरत रखें...

अपनी त्वचा की खूबसूरती किसे अच्छी नहीं लगती लेकिन इसे बरकरार रखने के लिए मशक्कत भी करनी पड़ती हैं तो आप भी इनका ध्यान रखें. साफ, स्वस्थ और चमकदार त्वचा से हमारा कॉन्फीडेंस बढ़ता है. लेकिन प्राकृतिक रूप से त्वचा को स्वस्थ रखना आसान नहीं है. हालांकि ऐसे कई खाद्य पदार्थ हैं जो हमारे सिस्टम को साफ रखते हुए त्वचा को खूबसूरत बनाते हैं. स्किन ट्रीटमेंट और फेसपैक के साथ ही हम क्या खाते हैं, यह भी बहुत महत्वपूर्ण है. इसलिए साफ और दमकती त्वचा पाने के लिए खाएं हेल्दी फूड

चुकंदर (बीटरूट) – यह हमारे शरीर के जहरीले तत्वों को साफ करता है, रक्त और लिवर को साफ करता है और फ्री रेडिकल्स का सामना करता है. इसके साथ ही, चुकंदर में पोटैशियम, आयरन, मैग्नीशियम, फास्फोरस, फाइबर और विटामिन ए, बी और सी पाया जाता है.

अनार (पॉमग्रेनेट) – यह फल वर्ष भर उपलब्ध रहता है और आप इसका ज्यादा से ज्यादा फायदा उठा सकती हैं. यह हमें फ्री रेडिकल्स से बचाता है और खून साफ करता है. अनार एंटीऑक्सीडेंट फल है जो रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाता है, कोलेस्ट्रॉल को कम करता है और रक्त संचार को बेहतर बनाता है.

सौंफ (फेनल) – सौंफ में दो जबर्दस्त गुण पाये जाते हैं; पहला, यह एंटीऑक्सीडेंट और डिटॉक्सिफायर है. साथ ही, यह त्वचा को टोन करता है और रक्त संचार बेहतर बनाता है. दूसरा, यह त्वचा को हाइड्रेट और मॉइश्चराइज्ड करता है.

पिपरमिंट (एक किस्म का पुदीना) – मिंट या पुदीना स्ट्रेस कम करता है और श्वास संबंधी परेशानियों को दूर करता है. पिपरमिंट त्वचा को सूद करता है और उपचारात्मक गुणों के कारण विभिन्न प्राकृतिक दवाइयों में इसका प्रयोग किया जाता है.

लाल अंगूर (रेड ग्रेप्स) – इनमें एंटी इंफ्लेमेटरी प्रॉपर्टी पाई जाती है और ये एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर होते हैं, जो सिस्टम और रक्त को साफ करने में मदद करते हैं. साथ ही, स्वस्थ त्वचा देने में सहायक होते हैं.

टमाटर – टमाटर का इस्तेमाल कर अपनी त्वचा को सूर्य की किरणों से बचाएं. ये एक्ने को कम करता है और त्वचा की ऑयलीनेस को भी घटाता है. टमाटर सनबर्न को ठीक करने में भी सहायक है.

मिल्क सब्स्टीट्यूट – त्वचा की समस्याओं से बचने के लिए सुझाव दिया जाता है दूध से परहेज करें लेकिन आप इसके न्यू ट्रियंट्स, विटामिन्स और मिनरल्स को एब्जॉर्ब करने के लिए इसके विकल्प प्रयोग कर सकती हैं. लैक्टिक एसिड और एंजाइम्स त्वचा को इम्प्रूव करते हैं.

बेरीज – एंटीऑक्सीडेंट्स आमतौर पर गहरे रंग के स्ट्राबेरीज जैसे ब्लूबेरी, मलबेरी और स्ट्राबेरी में पाये जाते हैं. यह खाने की ललक को कम करता है जिससे वजन कम करने में मदद मिलती है.

दिल की बीमारी का इलाज है

सरसों का तेल

खाने में सरसों तेल का इस्तेमाल स्वास्थ्य को बेहतर बना सकता है और दिल की बीमारी के जोखिम को 70 प्रतिशत कम कर सकता है. एक सरसों प्रोत्साहक इकाई ने यह जानकारी दी है. सरसों शोध एवं संवर्धन कन्सोर्टियम (एमआरपीसी) के अनुसार सरसों का तेल दिल की बीमारी के जोखिम को कम करता है और संतुलित आवश्यक फैटी एसिड अनुपात से जीवन की गुणवत्ता बढ़ता है. एमआरपीसी एक सहायतार्थ सरकार के द्वारा मान्यताप्राप्त शोध संगठन है जिसका ध्येय भारत में सरसों फसल की उपज में सुधार लाना है. एमआरपीसी ने एक बयान में कहा, हम भारतीयों को सरसों तेल अपनाने के लिए प्रोत्साहित करके वैश्विक हृदय स्वास्थ्य को बढ़ाना चाहेंगे क्योंकि यह स्वास्थ्य में सुधार लाने और हृदयरोग के जोखिम को 70 प्रतिशत कम करने में मदद कर सकता है जैसा कि जर्नल ऑफ प्रिवेन्टिव कार्डियोलॉजी के अध्ययन में कहा गया है.

14 कारण क्यों खाएं खीरा

दुनिया में चार सबसे ज्यादा उगाई जाने वाली सब्जियों में से खीरा एक है. आइए जानते हैं 14 कारण कि क्यों रोज खाएं खीरा... अगर नियमित रूप से खीरे का सेवन किया जाए तो यह कई बीमारियों को दूर करता है. खीरे का इस्तेमाल लोग अपनी खूबसूरती बढ़ाने के लिए भी करने लगे हैं. खीरा गुणकारी है. इसलिए इसे पश्चिमी देशों में सुपरफूड तक कहा जाता है. लेकिन सड़कों व गली-मौहल्लों में गर्मियों के दिनों में कटा हुआ खीरा खाना बीमारी को बुलावा देना है. इसलिए साफ सुथरा खीरा खाएं और स्वस्थ रहें. दुनिया में चार सबसे ज्यादा उगाई जाने वाली सब्जियों में से खीरा एक है.

1. **पानी की कमी को पूरा करने वाला** – खीरे में 90 फीसद पानी होता है. खीरा खाने के बाद शरीर को पर्याप्त मात्रा में पानी मिल जाता है. यह शरीर में पानी का एक तरह से पुन: चक्रण करता है.
2. **ठंडक पहुंचाता है** – खीरा शरीर को अंदर और बाहर दोनों से ठंडक पहुंचाता है. खीरा खाने से हार्टबर्न की अवस्था में आराम मिलता है. सूर्य की गर्मी से झुलसी त्वचा (सनबर्न) पर खीरा लगाने से ठंडक मिलती है.
3. **टाक्सिक निकालता है** – खीरे में पानी अत्यधिक होता है. खीरा अधिक खाने पर विषैले पदार्थ टाक्सिक बाहर निकलते हैं. कुछ लोगों का मानना है कि रोज खीरा खाने से गुर्दे की पथरी खत्म हो जाती है.
4. **रोजमर्रा की जरूरत के विटामिन मुहैया कराने वाला** – रोजाना जिन विटामिन की जरूरत होती है, वे खीरा में हैं. प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने व दैनिक दिनर्चया के लिए विटामिन ए, बी और सी की जरूरत है. खीरे के छिलके में विटामिन सी होता है. इसे खाना भी फायदेमंद होता है. अगर सब्जियों के जूस में खीरा का भी रस निकालते हैं तो यह और भी फायदेमंद है.
5. **त्वचा के लिए जरूरी खनिज मुहैया करवाने वाला** – खीरा में पौटेशियम, मैगनीशियम और सिलीकान अत्यधिक मात्रा में होता है. यह खनिज त्वचा के लिए बहुत जरूरी हैं.
6. **खाना पचाने वाला व वजन कम करने में मददगार** – खीरे में पानी अत्यधिक होता है और कैलोरी कम होती है. इसलिए वजन कम करने के इच्छुक लोगों के लिए खीरा वरदान है. सूप और सलाद में खीरा खाएं. खीरा में फाइबर होते हैं जो खाना पचाने में मददगार होते हैं. कब्ज से परेशान हैं तो रोजाना खीरा खाएं. यह कब्ज के लिए दवाई का कार्य करता है.
7. **आंखों के लिए लाभकारी** – खीरे को स्लाइस की तरह काटकर आंखों की पलक के ऊपर पर रखें. इससे आंखों को ठंडक मिलती है. खीरा की तासीर जलन कम करने की होती है.
8. **कैंसर से लड़ता है** – खीरा खाने से कैंसर होने की आशंका कम रहती है. खीरे में साइकोइसोलएरीक्रिस्नोल, लैरीक्रिस्नोल और पाइनोरिस्नोल तत्व होते हैं. ये तत्व सभी तरह के कैंसर के रोकथाम में कारगर हैं.
9. **मधुमेह, कोलस्ट्रोल और ब्लड प्रेशर नियंत्रक** – खीरा के रस में वो तत्व हैं जो पैनक्रियाज को सक्रिय करते हैं. पैनक्रियाज सक्रिय होने पर शरीर में इंसुलिन बनती है. इंसुलिन शरीर में बनने पर मधुमेह से लड़ने में मदद मिलती है. खीरा खाने से कोलस्ट्रोल का स्तर कम होता है. इससे हृदय संबंधी रोग होने की आशंका कम रहती है. खीरा में फाइबर, पोटैशियम और मैगनीशियम होता है जो ब्लड प्रेशर दुरुस्त रखने में अहम भूमिका निभाते हैं. खीरा उच्च और निम्न ब्लड प्रेशर दोनों में ही एक तरह से दवा का कार्य करता है.
10. **मुंह को ताजगी देता है** – खीरा खाने से मसूड़ों की बीमारी कम होती हैं. खीरे के एक टुकड़े को जीभ से मुंह के ऊपरी हिस्से पर आधा मिनट तक रोकें. ऐसे में खीरे से निकलने वाला फाइटोकैमिकल मुंह की दुर्गंध को खत्म करता है.
11. **बालों और नाखून के लिए लाभकारी** – खीरे में मौजूद तत्व सीलिशिया बालों और नाखूनों में चमक लाता है और इन्हें मजबूत करता है. सल्फर और सीलिशिया के कारण बाल तेजी से बढ़ते हैं.
12. **जोड़ों की दवा और गठियाबाय में आरामदायक** – खीरे में सीलिशिया प्रचूर मात्रा में होता है. इससे जोड़ों को मजबूती मिलती है और टिशू परस्पर मजबूत होते हैं. गाजर और खीरे का जूस एकसाथ निकालकर पीने पर गठियाबाय रोग में मदद मिलती है. इससे यूरिक एसिड का स्तर भी कम होता है.
13. **सरदर्द व खुमारी से उबरने में मददगार** – अगर सुबह उठने पर सिर में दर्द या खुमारी की शिकायत हो तो सोने से पहले खीरा खाएं. खीरा में विटामिन बी, शूगर और इलेक्ट्रोलाइट्स होते हैं. ये शरीर के लिए पौष्टिक तत्व हैं और सरदर्द व खुमारी से उबरने में मदद करते हैं.
14. **गुर्दे को आकार में रखता है** – खीरे के कारण शरीर में यूरिक एसिड का स्तर नियंत्रित रहता है जिससे गुर्दे अपने सही आकार में रहते हैं.

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार रामास्वामी से उनके धर्म के बारे में बात की

वाशिंगटन। आयोवा के एक अनिर्णीत रिपब्लिकन ने गुरुवार को राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार विवेक रामास्वामी से उनके धर्म के बारे में बात की। गिन्नी मिशेल नाम की दर्शक सदस्य ने आश्चर्य जताया कि रामास्वामी चुनाव में भाग लेने का इरादा कैसे रखते हैं, जबकि वह अमेरिका के संस्थापकों के समान धर्म का पालन नहीं करते हैं। आप उन लोगों को क्या कहते हैं जो आपसे कहते हैं कि आप हमारे राष्ट्रपति नहीं बन सकते क्योंकि आपका धर्म वह नहीं है जिस पर हमारे संस्थापकों ने हमारे देश को आधारित किया था। विवेक ने कहा कि हिंदू धर्म और ईसाई धर्म समान मूल्य साझा करते हैं। मेरा विश्वास मुझे सिखाता है कि ईश्वर हममें से प्रत्येक को एक उद्देश्य के लिए यहां रखता है, उस उद्देश्य को साकार करना हमारा नैतिक कर्तव्य है। ईश्वर हमारे माध्यम से विभिन्न तरीकों से कार्य करता है, लेकिन हम फिर भी समान हैं क्योंकि ईश्वर हम में से प्रत्येक में निवास करता है। मेरी परवरिश बहुत ही पारंपरिक तरीके से हुई। मेरे माता-पिता ने मुझे सिखाया, परिवार नींव हैं, विवाह पवित्र हैं, तलाक कोई विकल्प नहीं है, जब चीजें आपके अनुरूप नहीं होती हैं तो आप बस मेनू से बाहर जाना पसंद करते हैं। शादी से पहले संयम एक रास्ता है, व्यभिचार गलत है। जीवन में अच्छी चीजों में त्याग शामिल होता है। क्या वे विदेशी मूल्य हैं?

इज़राइल ने मोसाद प्रमुख की कतर यात्रा को किया रद्द

जेरूसलम। इजरायली सरकार ने मोसाद प्रमुख डेविड बार्निया की कतर की यात्रा रद्द कर दी है। इसकी वजह संभावित दूसरे बंधक रिहाई समझौते पर बातचीत होना बताया जा रहा है। एक सूत्र ने गुरुवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि इज़राइल की विदेशी खुफिया सेवा के निदेशक दोहा की यात्रा नहीं करेंगे, जहां पहले गाजा में हमास आतंकवादियों द्वारा बंधक बनाए गए बंधकों की रिहाई पर बातचीत हुई थी। इज़राइल के एक चैनल ने पहली बार बुधवार को रिपोर्ट दी कि प्रधान मंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के नेतृत्व में देश की युद्ध कैबिनेट ने यात्रा रद्द कर दी है। इसमें कहा गया है कि वरिष्ठ इजरायली अधिकारी बातचीत फिर से शुरू करने के लिए कतर नहीं जाएंगे। गौरतलब है कि 7 अक्टूबर को इज़राइल पर हमास के हमले के दौरान लगभग 240 लोगों को बंधक बना लिया गया था। इज़रायली प्रधान मंत्री के कार्यालय का मानना है कि गाजा में अब भी 135 बंधक हैं, इनमें से 116 जीवित हैं। 24 से 30 नवंबर तक हुए मानवीय विराम के दौरान 86 इजरायली और 24 विदेशी बंधकों को रिहा किया गया था। इस महीने की शुरुआत में दोहा में हो रही बंधक वार्ता टूटने के बाद से औपचारिक बातचीत फिर से शुरू नहीं हुई है। एक रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से कहा कि लेकिन इजराइल, अमेरिका और कतर ने चर्चा शुरू करने के तरीकों पर चर्चा जारी रखी है। इस बीच कुछ इजरायली बंधकों के परिवार बार्निया की यात्रा रद्द करने के फैसले से नाराज हो गए और जवाब की भी मांग की है।

इजराइल के साथ युद्धविराम पर चर्चा को तैयार है हमास

गाजा। हमास एक बार फिर इजराइल के साथ युद्धविराम पर चर्चा करने को तैयार है। प्राप्त जानकारी के अनुसार हमास नेता इस्माइल हानियेह ने कहा है कि गाजा पर शासन करने वाला फिलिस्तीनी गुट गाजा में युद्धविराम के लिए इजरायल के साथ किसी भी व्यवस्था या पहल पर चर्चा को तैयार है। मीडिया में आई रिपोर्ट के अनुसार हमास के राजनीतिक ब्यूरो के प्रमुख हनीयेह ने एक टेलीविजन पर प्रसारित भाषण में कहा कि हम किसी भी व्यवस्था या पहल पर चर्चा करने के लिए तैयार हैं जो (इजरायली) आक्रामकता पर रोक लगाती हो। हनियेह ने कहा कि हमास ने गाजा में तत्काल युद्धविराम की मांग करने वाले संयुक्त राष्ट्र महासभा के प्रस्ताव का स्वागत किया और गाजा संघर्ष को खत्म करने के लिए सऊदी अरब और संयुक्त अरब-इस्लामिक शिखर सम्मेलन द्वारा सौंपी गई मंत्रिस्तरीय समिति के प्रयासों की सराहना की। कहा जा रहा है ?कि उन्होंने हमास द्वारा युद्ध के बाद की किसी भी राजनीतिक व्यवस्था को अस्वीकार करने की पुष्टि की, इसमें हमास और अन्य फिलिस्तीनी गुटों को शामिल नहीं किया गया है। जबकि गाजा पर इजरायली हमलों को रोकने के लिए अंतरराष्ट्रीय दबाव बढ़ाने का आग्रह किया जा रहा है। इससे पहले, इजरायली मीडिया ने कई हमास नेताओं के कतर से अज्ञात गंतव्यों के लिए प्रस्थान की जानकारी दी थी, इसमें लेबनान, ईरान या अल्जीरिया जैसे देशों में संभावित स्थानांतरण की बात भी कही गई। रिपोर्टों के संबंध में हमास की ओर से अभी तक कोई पुष्टि नहीं की गई है।

मादक पदार्थों तस्करी आरोपी कनाडा से भागकर आया भारत

टोरंटो। कनाडा में ब्रिटिश कोलंबिया प्रांत के एक सिख ट्रक ड्राइवर (60) के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी हुआ है। बताया जाता है कि यह मादक पदार्थों की तस्करी के आरोप में 15 साल की जेल की सजा सुनाने के बाद भारत भाग गया। कनाडा के सरे शहर के राज कुमार मेहमी को नवंबर में कनाडा-अमेरिका प्रशांत राजमार्ग सीमा पार कर ब्रिटिश कोलंबिया में 80 किलोग्राम कोकीन की तस्करी के लिए सजा सुनाई गई थी। रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस (आरसीएमपी) ने कहा कि मेहमी का पता लगाने और उस अस्थायी रूप से गिरफ्तार करने की कानूनी कार्रवाई के लिए दुनिया भर में कानून प्रवर्तन के अनुरोध के रूप में एक इंटरपोल रेड नोटिस की मांग की जा रही है। मेहमी को शुरू में 6 नवंबर, 2017 को ब्रिटिश कोलंबिया आरसीएमपी द्वारा गिरफ्तार किया गया था, जब कनाडा बॉर्डर सर्विसेज एजेंसी (सीबीएसए) ने एक सेमी-ट्रेलर ट्रक के अंदर छिपी हुई कोकीन की 80 सीलबंद ईंटों की खोज की थी। इस जब्ती के समय, कोकीन का थोक मूल्य 3.2 मिलियन डॉलर आंका गया था। 6 सितंबर, 2022 को सुप्रीम कोर्ट के एक न्यायाधीश ने मेहमी को दोनों आरोपों में दोषी पाया, और सजा पर सुनवाई 9 जनवरी, 2023 के लिए निर्धारित की गई थी। आरसीएमपी ने कहा कि 11 अक्टूबर, 2022 को मेहमी वैंकूवर से उड़ान भरने के बाद भारत भाग गया और अगले दिन नई दिल्ली पहुंचा।16 नवंबर, 2023 को ब्रिटिश कोलंबिया के सरे प्रांतीय न्यायालय ने मेहमी को (अनुपस्थिति में) ड्रग्स आयात करने के लिए और ड्रग्स रखने के लिए छह साल की सजा सुनाई। पुलिस ने कहा कि मेहमी का कनाडाई पासपोर्ट जब्त कर लिया गया था और गिरफ्तारी के समय उसका पासपोर्ट कनाडा को सौंप दिया गया था। पुलिस ने मेहमी को लगभग 6 फीट लंबा और 200 पाउंड वजनी बताते हुए लोगों से उसके पास न जाने और अपनी स्थानीय पुलिस एजेंसी से संपर्क करने का आग्रह किया है।

राममंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह पर दीप प्रज्जवलित करेगा हिंदू समुदाय

न्यूयार्क। भारत स्थित राम जन्मभूमि अयोध्या में अगले महीने होने वाली श्रीराम प्राण प्रतिष्ठा समारोह पर अमरीका में रहने वाले हिंदू समुदाय घरों में पांच दीये जलाकर उत्सव मनायेंगे। इस अवसर पर विभिन्न शहरों में भव्य उद्घाटन चल समारोह तथा सामुदायिक सभा का आयोजन किया जायेगा। शिकागो में हिंदू समुदाय के नेता भरत बराई ने बताया कि वह क्षण आ गया है जिसके बारे में जीवन में कभी हमने सपने में भी नहीं सोचा था। यह अयोध्या में राम मंदिर उद्घाटन का जश्न मनाने का समय है। अगले साल 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा समारोह में भाग लेने के लिए मंदिर अधिकारियों द्वारा आमंत्रित लोगों में से एक डॉ. बरई ने कहा कि बड़ी संख्या में हिंदू अमरीकियों ने राम जन्मभूमि आंदोलन में भाग लिया था। विश्व हिंदू परिषद ऑफ अमेरिका (वीएचपीए) ने इन समारोहों में 1,000 से अधिक मंदिरों और श्रद्धालुओं की भागीदारी की सुविधा के लिए एक वेबसाइट लॉन्च की है। वीएचपीए ने सभी हिंदू अमेरिकियों से मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा समारोह का जश्न मनाने के लिए अपने घरों में कम से कम पांच दीये जलाने का आह्वान किया है।

गर्भपात की दवा को प्रतिबंधित करना या नहीं, अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट लेगा निर्णय

वाशिंगटन। व्यापक रूप से इस्तेमाल की जाने वाली गर्भपात दवा की राष्ट्रव्यापी पहुंच को प्रतिबंधित करना है या नहीं, इस पर अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट निर्णय लेगा। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, बुधवार को शीर्ष अदालत की घोषणा मिफेप्रिस्टोन दवा से संबंधित है, जो किसी अन्य दवा के साथ मिलकर अमेरिका में गर्भपात के सबसे आम तरीकों में से एक है। इस ताजा मामले का फैसला जुलाई 2024 तक आ सकता है। घोषणा पर प्रतिक्रिया देते हुए, व्हाइट हाउस ने कहा कि राष्ट्रपति जो बाइडेन का प्रशासन अमेरिकी खाद्य एवं औषधि प्रशासन की दवा के सुरक्षित और प्रभावी अनुमोदन और विनियमन का समर्थन करना जारी रखेगा।

बीजिंग में गुरुवार को बर्फबारी के बीच फिसलन भरी सड़क पर संतुलन बनाने के लिए अपने पैर का उपयोग करते हुए एक डिलीवरी कर्मचारी स्कूटर चलाता हुआ।

नेतन्याहू के बयान से दुनिया फिर हुई बैंचेन, अंत तक जंग जारी रहेगी

तेल अवीव। इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि युद्धविराम के लिए बढ़ते अंतरराष्ट्रीय दबाव के बावजूद सेना गाजा में लड़ाई लड़ती रहेगी। नेतन्याहू ने कहा कि हम अंत तक जंग को जारी रखने को तैयार है। इसमें कोई सवाल ही नहीं है। मैं यह बहुत दर्द के साथ कह रहा हूं, लेकिन अंतरराष्ट्रीय दबाव के आलोक में भी कह रहा हूं। हमें कोई नहीं रोक सकता। हम अंत तक जा रहे हैं, जब तक जीत, उससे कम कुछ भी नहीं।

नेतन्याहू का बयान संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा भारी बहुमत से एक गैर-बाध्यकारी प्रस्ताव पारित करने के एक दिन बाद आया है, जिसमें गाजा में तत्काल मानवीय युद्धविराम और सभी बंधकों की तत्काल, बिना शर्त रिहाई की मांग की गई है। इस बीच, इजराइल ने घोषणा की है कि गाजा में जमीनी अभियान शुरू होने के बाद से उसकी सेना को सबसे घातक हमलों में से एक का सामना करना पड़ा, जिसमें हमास द्वारा घात लगाकर किए गए हमले में नौ सैनिक मारे गए। संयुक्त राष्ट्र महासभा के युद्धविराम के प्रस्ताव और अमेरिकी राष्ट्रपति जो बिडेन की अंधाधुंध बमबारी वाली टिप्पणी के बाद, इजरायली प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय दबाव के बावजूद गाजा में सेना का हमला जारी रहेगा।

युद्ध में तबाह 6 हजार भवन और फसल हुई मलबे में तब्दील

तेल अवीव (एजेंसी)। इज्राइल - हमास युद्ध पूर्व करीब 9 हफ्ते पहले तक गाजा स्ट्रिप 20 लाख से ज्यादा लोगों के लिए तंग ही सही, लेकिन सुरक्षित जगह थी। परस्पर प्रतिशोध की कुटु स्पर्धा ने किसानों के खेतों, भवनों और सामूहिक केन्द्रों को खाक कर पूरी मानवता को रुदन के लिए विवश कर दिया है। यहां की गाजा पोर्ट को फिशिंग इंडस्ट्री की लाइफ लाइन कहा जाता है। इसके किनारे पर फिश मार्केट यानी मछली बाजार था।

यूएन ने नवंबर की शुरुआत में अनुमान लगाया था कि गाजा में करीब 6 हजार इमारतों को नुकसान पहुंचा है। इनमें से एक तिहाई तो मलबे में तब्दील हो चुकी हैं।

इजराइल में 7 अक्टूबर को हमास के हमले के प्रतिउत्तर में इजराइली डिफेंस फोर्सेस के हवाई हमले और ग्राउंड ऑपरेशन ने 21वीं सदी के किसी देश पर हुए भयावह हमलों में तब्दील कर दिया।गाजा में नावों के रुकने के कई स्थान थे। अब यहां गड्ढे नजर आते हैं। रेस्टोरेंट्स और होटल्स हमलों में बर्बाद हो चुके हैं। रिमाल इलाके को गाजा का सबसे समृद्ध इलाका कहा जाता था। अल्जोंदी अल्माझोल पार्क में अब टैंकों से बने निशान दिखाई देते हैं। फिलिस्तीनी पार्लियामेंट की बिल्डिंग उड़ाई जा चुकी है। जंग शुरू होने के पहले गाजा सिटी की उमर मुख्तार स्ट्रीट मेन रोड थी। यहां सड़क के दोनों तरफ रेस्टोरेंट, बैंक और दुकानें थीं।

अब इस सड़क के दोनों तरफ सिर्फ मलबा नजर आता है। इमारतें जमींदोज हो चुकी है। जो बची हैं, वो भी अब रहने लायक नहीं हैं।

एक वक्त गाजा के समुद्री किनारे बिजली की कमी से जूझने वाले फिलिस्तीनी परिवारों के लिए तफरी की जगह हुआ करते थे। अब ये किनारे वीरान हैं। अगर कुछ नजर आता है तो इजराइली टैंक्स और बुलडोजर। कुछ मल्टी स्टोरी होटल्स थे। इनमें टूरिस्ट वीजा पर आए लोग रुकते थे। तबाही का यह मंजर गाजा के उत्तरी क्षेत्र तक नजर आता है जहां 7 अक्टूबर को इजराइली सेना ने सबसे पहले निशाना बनाया था। यहां मकान ढहाए जा चुके हैं। इजराइली सेना ने यहां अस्थायी ठिकाने बना लिए हैं। इस इलाके में कुछ हरियाली भी थी। वो भी नहीं बची। यहां टैंकों के गुजरने के निशान दिखते हैं। एक रिसॉर्ट था, वो भी नहीं बचा। सी-फ्रंट जंग में तबाह हो चुका है। ऊंची इमारतों की जगह अब गहरे गड्ढे नजर आते हैं।

शाती नाम की जगह पर साल 1948 में रिफ्यूजी कैम्प बनाया गया था। बाद में यह नॉर्थ गाजा की सबसे घनी आबादी वाला इलाका बन गया। जंग के पहले यहां 90 हजार लोग रहते थे। हवाई हमलों के बाद इमारतें जर्जर हो चुकी हैं। सड़कों पर मलबा बिखरा दिखाई देता है।

इजराइली सेना ने पूर्वी छोर से गाजा में घुसपैठ की और अब उसने इस क्षेत्र को दो हिस्सों में बांट दिया है। उत्तर से दक्षिण जाने वाले रास्तों पर ब्लॉकेड लगा दिए गए हैं। साउथ गाजा में सबसे ज्यादा नुकसान हुआ है। रिहाइशी इलाकों को टैंक ट्रैक्स के जरिए दो हिस्सों में बांटा जा चुका है। इमारतें तबाह हो चुकी है। कुछ को काफी नुकसान पहुंचा है। इनमें एक यूनिवर्सिटी भी शामिल है। गाजा में खेतों को टैंकों के तले रौंदा जा चुका है। सड़कें टैंकों का बोझ न सह पाने के चलते टूट चुकी हैं। रिहाइशी इलाकों में ज्यादातर जगहों पर गड्ढे और मलबा है।

नवाज शरीफ का कबूलनामा, बाजवा और फैज हामिद के खिलाफ साजिश नहीं रची

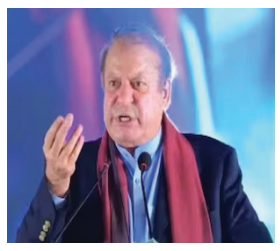

कराची (एजेंसी)। पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान की आर्थिक बदहाली किसी से छुपी नहीं है। वर्तमान परिस्थिति में आर्थिक स्थिति और बिगड़ती जा रही है और देश कंगाली के साथ ही राजनीतिक उठा पटक से भी गुजर रहा है। वहीं अब मुल्क के हालात पर पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ ने बड़ा बयान दिया है। नवाज ने कहा कि अक्टूबर को किसी इंतकामी जज्बे से यहां नहीं आया। मैं नहीं चाहता कि कोई इंतकाम लिया जाए लेकिन हिसाब तब लेना बनता है। रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) सुप्रीमो नवाज शरीफ ने फिर 2017 में उन्हें देश के प्रधानमंत्री पद से हटाने के लिए जिम्मेदार लोगों के लिए जवाबदेही की बात कही। लाहौर में पीएमएल-एन की संसदीय बोर्ड की बैठक में नवाज ने कहा कि उन्हें बदला लेने में कोई दिलचस्पी नहीं है, लेकिन उन्होंने अपने निष्कासन के लिए जिम्मेदार लोगों को जवाबदेह ठहराए जाने की आवश्यकता पर जोर दिया। रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने साजिशकर्ताओं के नाम सामने लाने का आह्वान करते हुए कहा कि मुझे उन लोगों को माफ करने का कोई अधिकार नहीं है, जो लोगों के दुश्मन हैं। पूर्व सेना प्रमुखों के खिलाफ साजिश रचने के आरोपों का जवाब देकर इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस के प्रमुख नवाज ने कहा कि मैंने कभी भी जनरल (सेवानिवृत्त) बाजवा और जनरल (सेवानिवृत्त) फैज हामिद के खिलाफ साजिश नहीं रची।

उन्होंने फर्जी मामलों में बरी होने के लिए भी आभार व्यक्त कर कहा कि मेरे साथ जो कुछ भी हुआ वह अब अतीत में है। लेकिन दावा किया कि यह सिर्फ उन्हें ही दंडित नहीं किया गया था, बल्कि यह भी था। 250 मिलियन की आबादी वाले पूरे देश को इसका परिणाम भुगतना पड़ा।

हमास की मदद करने वालों पर अमेरिका ने लगाया प्रतिबंध, कहा आतंक बर्दाश्त नहीं...

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। अमेरिका ने हमास संगठन की कमर तोड़ने के लिए सख्त कदम उठाया है। इसके लिए अमेरिका ने हमास की मदद करने वाले 8 संगठनों पर प्रतिबंध लगाया है। इसका मकसद आतंकी संगठन को वित्त पोषण का समर्थन करने वाले नेटवर्क को खत्म करना है। अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने एक आधिकारिक बयान में कहा कि हमास द्वारा 7 अक्टूबर के हमलों के बाद लगाए गए प्रतिबंधों का यह चौथा दौर है। अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने एक बयान में कहा कि अमेरिका हमास के आठ अधिकारियों और मददगारों पर विदेश में समूह के हितों का प्रतिनिधित्व करने और उसके वित्त का प्रबंधन करने के लिए प्रतिबंध लगा रहा है। बयान में कहा गया है कि हमास की आतंकवादी गतिविधि को रोकने के निरंतर प्रयास के तहत हमास पर प्रतिबंध लगाने के लिए अमेरिका ब्रिटेन और सहयोगियों के साथ निकटता से समन्वय कर रहा है। हमने इस कार्रवाई को यूके के साथ निकटता से कोऑर्डिनेट किया है, जो हमास के कई प्रमुख अधिकारियों पर प्रतिबंध लगा रहा है।

मिलर ने कहा कि अमेरिका और हमारे सहयोगी निरंतर प्रयास के हिस्से के रूप में हमास को फंडिंग स्ट्रीम का समर्थन करने वाले नेटवर्क को खत्म करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। ताकि इसकी आतंकवादी गतिविधि को रोका जा सके। पिछले महीने, अमेरिका और ब्रिटेन ने इक साथ कार्रवाई करते हुए हमास से जुड़े व्यक्तियों को निशाना बनाया और तीसरे दौर का प्रतिबंध लगाया था। कार्रवाई में हमास के महत्वपूर्ण लोगों के साथ-साथ उन चैनलों की भी पहचान की गई जिनके द्वारा ईरान फिलिस्तीनी इस्लामिक जिहाद (पीआईजे) और हमास का समर्थन करता है। बता दें कि 7 अक्टूबर को हमास ने इजराइल पर भीषण हमला किया। जिसमें हजारों आतंकवादियों ने सीमाओं का उल्लंघन किया और बड़े पैमाने पर हमले को अंजाम दिया। इस हमले में 1200 से अधिक इजराइली मारे गए और 240 से अधिक लोगों को बंधक बना लिया गया, जिनमें से लगभग 130 अभी भी बंदी हैं।

धोखाधड़ी के मामले में ट्रंप पर लग सकता है 21 सौ करोड़ का जुर्माना

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर लंबे समय से धोखाधड़ी का मामला चल रहा है। जिसकी अंतिम सुनवाई और गवाही पूरी हो चुकी है। अब सिर्फफैसले का इंतजार है। माना जा रहा है कि करीब 21 सौ करोड़ का जुर्माना लगाया जा सकता है। ट्रंप पर आरोप है कि उन्होंने अपनी संपत्ति के बारे में कर्ज देने वाले बैंकों से झूठ बोला। न्यूयॉर्क की अटॉर्नी जनरल लेटिटिया जेम्स ने इस मामले को दायर किया था। जेम्स ने कहा है कि सुनवाई के दौरान ट्रंप की धोखाधड़ी और खुल कर सामने आई और वह पूरी तरह अपने आप को निर्दोष साबित करने में नाकाम दिखे।

अगर ट्रंप दोषी पाए जाते हैं तो उन पर कम से कम 250 मिलियन डॉलर यानी 2100 करोड़ का जुर्माना लगाने की माग की गई है। साथ ही न्यूयॉर्क जहां ट्रंप के ढ़ेर सारे बिजनेस से जुड़ी संपत्तियां हैं, उस न्यूयॉर्क में ट्रंप के व्यापार करने पर कुछ हद तक प्रतिबंध लगाने की बात कही गई है। ट्रंप को लेकर चल रहे इस मामले की सुनवाई जस्टिस आर्थर एंगोरोन कर रहे हैं। 11 जनवरी को इस मामले में आखिरी बहस पूरी हो जाने के बाद आर्थर फैसला सुना सकते हैं।

इधर पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के वकील क्रिस किसे ने कहा कि 11 हफ्ते तक यह सुनवाई चली लेकिन उनके मुवक्किल के खिलाफकुछ भी ठोस नहीं निकला। ट्रंप के वकील ने कहा कि पूर्व राष्ट्रपति ने अपने बैंकरों से कोई भी धोखाधड़ी नहीं की है। साथ ही बैंकों को कुछ भी नुकसान नहीं पहुंचाया और बैंक अब भी उन्हें अपना एक अहम ग्राहक मानते हैं। इस मामले की सुनवाई 2 अक्टूबर को शुरू हुई थी। यह मामला पूरी तरह से फाइनेंनशियल डॉक्यूमेंट्स और मुकदमे से संबंधित एक्सपर्ट्स की गवाही पर आधारित था। साल 2024 में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव को लेकर डोनाल्ड ट्रंप अपनी दावेदारी मजबूती से रख रहे हैं। रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार के तौर पर ट्रंप को बढ़त भी है लेकिन कई मुकदमें उनका पीछा नहीं छोड़ रहे हैं। हालांकि ट्रंप का कहना है कि उन पर लगे आपोप झूठे हैं और उन्होंने कुछ भी गलत नहीं किया है। ट्रंप ने पिछली सुनवाई के दौरान यह माना था कि ये ठीक बात है कि उनके फाइनेंनशियल डॉक्यूमेंट्स में कुछ गड़बड़ियां थीं लेकिन उनके बैंकों को इससे कुछ नुकसान नहीं हुआ। ट्रंप को लेकर यह मुकदमा न केवल उनकी राजनीति बल्कि उनके व्यापार की नजर से भी बहुत अहम है। यह तो खैर एक सिविल मुकदमा था लेकिन ट्रंप पहले ही से चार आपराधिक केसेज का सामना भी कर रहे हैं। ऐसे में लगातार कानूनी घटनाक्रम की वजह से ट्रंप को परेशानियां झेलनी पड़ रही है। इससे उनका चुनाव प्रचार भी प्रभावित हो रहा है। हालांकि ट्रंप अब भी रिपब्लिकन पार्टी के दावेदार के तौर पर अपने प्रतिद्वंदियों से काफी आगे हैं।

चीन का सपना का शहर... अब बना गया घोस्ट टाउन

बीजिंग (एजेंसी)। चीन ने योजना के तहत समुद्र के किनारे सभी सुविधाओं वाले एक आधुनिक शहर को बनाया जिसमें हाईराइज बिल्डिंग्स, मॉल-आफिस, वॉटर पार्क, होटल्स-बार-रेस्टोरेंट्स सब शामिल है। इस खास शहर में हरियाली का भी ध्यान रखा गया और इस शहर को फॉरेस्ट सिटी का नाम दिया गया था। इन तमाम सुविधाओं के बावजूद यहां कोई भी रहने के लिए नहीं आया और यह पूरा शहर वीरान पड़ा हुआ है।

अब इस सर्वसुविधा वाले शहर को चीन का घोस्ट टाउन कहा जा रहा है। रिपोर्ट के अनुसार फॉरेस्ट सिटी में एक नया कॉन्सेप्ट लाया गया था और यहां 10 लाख लोगों को बसाया जाने की योजना थी। इसके लिए 1370 हेक्टेयर एरिया में कई बड़ी-बड़ी इमारतें बनाई गईं थीं। दरअसल शहर कोरोना महामारी के कारण बस नहीं सका। दरअसल चीन ने मलेशिया को एक खूबसूरत शहर जिसमें फॉरेस्ट जैसा वातावरण होता, का सपना दिखाया था। चीन का दावा था कि तमाम आधुनिक सुविधाओं के बावजूद यहां भरपूर पेड़-पौधों को लगाया जाएगा और प्रदूषण की रोकथाम के उपाय होगा। तरोताजा हवा और लोगों की सेहत की ध्यान रखते हुए कई पार्क, वॉटर पार्क आदि को बनाया गया है। इस लेकर 2016 से काम शुरू हो गया था और इस बेल्ट एंड रोड एनिशिएटिव (बीआरआई) के तहत प्रोजेक्ट किया गया था। इस नए शहर को चीन की एक कंपनी कंट्री गार्डन इस प्रोजेक?ट पर 8 लाख करोड़ रुपए से अधिक खर्च कर चुकी है।

हालांकि 2016 से यहां निर्माण शुरू हुआ था और केवल 3 साल बाद कोरोना महामारी फैल गई थी। इसका सीधा असर क्लुआंग जोहोन में बनने वाले शहर पर भी पड़ा। यहां पहले काम की रफ्तार कम हुई और फिर पूरा काम ही रोक दिया गया। कोरोना के कारण कंपनी को भारी नुकसान उठाना पड़ा और वह कई करोड़ के घाटे में आ गई। फिलहाल प्रोजेक्ट बंद है और 15 प्रतिशत काम हो सका है। यहां लगभग वीरानी ही रहती है। कहीं कोई दिख जाए तब दिख जाए वरना होटल, पार्क, स्कूल, कॉलेज, बस स्टॉप और यहां तक सड़कों पर कभी कोई दिख जाता है।

सुरक्षा उल्लंघन में शामिल विद्रोहियों को कानूनी सहयोग देगा पन्नू

नई दिल्ली । भारत द्वारा घोषित आतंकवादी और सिख्स फॉर जस्टिस का जनरल काउंसिल गुरपतवंत पन्नून ने घोषणा की है कि वह लोकसभा में सुरक्षा उल्लंघन में शामिल विद्रोहियों को कानूनी सहायता में 10 लाख रुपये प्रदान करेगा। आंतकी पन्नू ने कहा कि 13 दिसंबर को संसद हिल गई थी और खालिस्तान जनमत संग्रह के लिए मतदाता पंजीकरण की शुरुआत के साथ भी हिलती रहेगी। आंतकी पन्नून की घोषणा बुधवार को लोकसभा में सुरक्षा उल्लंघन के बीच आई है। गौरतलब है कि एक बड़ी सुरक्षा चूक में दो घुसपैठिए, सागर शर्मा और मनोरंजन, पीला धुंआ छोड़ते हुए कनस्तर लेकर दर्शक दीर्घा से लोकसभा कक्ष में कूद गए। बाद में उन्हें संसद सदस्यों द्वारा पकड़कर सुरक्षाकर्मियों को सौंप दिया गया था। संयोग से यह घुसपैठ पन्नून द्वारा कथित तौर पर 13 दिसंबर या उससे पहले भारतीय संसद पर हमला करने की धमकी जारी करने के कुछ दिनों बाद हुई। हालांकि, अब तक, बुधवार की घटना और इस महीने पन्नून की पहले की धमकी के बीच कोई स्थापित संबंध नहीं है। खालिस्तानी आतंकी पन्नू ने वीडियो जारी कर कहा था कि मेरी हत्या करने की कोशिश की गई, जो नाकाम हुई। 13 दिसंबर को संसद भवन पर हमला करके मैं इसका जवाब दूंगा।

अयोध्या के राम मंदिर के पुजारी की फर्जी तस्वीर वायरल करने पर कांग्रेस नेता गिरफ्तार

अयोध्या । सोशल मीडिया पर अयोध्या के राम मंदिर के पुजारी की फर्जी तस्वीर वायरल करने पर एक कांग्रेस नेता को गिरफ्तार किया गया है। उन पर एक आपत्तिजनक तस्वीर साझा करने और यह दावा करने का आरोप है। इस आरोप में कांग्रेस नेता हितेंद्र पीथडिया को मंगलवार को गिरफ्तार कर लिया गया। तस्वीर में दिख रहा व्यक्ति अयोध्या में निर्माणाधीन राम मंदिर का पुजारी है। प्रदेश कांग्रेस की वेबसाइट के अनुसार, पीथडिया पार्टी की अनुसूचित जाति इकाई के अध्यक्ष हैं। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के स्थानीय नेता वैभव मकवाना की शिकायत के आधार पर अहमदाबाद शहर पुलिस की साइबर अपराध शाखा ने वेजलपुर इलाके के निवासी पीथडिया को गिरफ्तार किया। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, साइबर अपराध शाखा के पुलिस उपायुक्त अजीत राजियन ने कहा कि मामले में जांच जारी है। कांग्रेस नेता के खिलाफ भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 295ए (धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाना), 509 (किसी महिला की गरिमा को ठेस पहुंचाने के इरादे से कहा गया शब्द, हाव-भाव या कृत्य) और 469 (प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने के उद्देश्य से जालसाजी) के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई। दर्ज शिकायत में कहा गया है कि पीथडिया ने 'एक्स पर एक आपत्तिजनक तस्वीर साझा की और दावा किया कि तस्वीर में दिख रहा व्यक्ति मोहित पांडे है, जिसे हाल ही में अयोध्या में राम मंदिर के पुजारी के रूप में नियुक्त किया गया है। प्राथमिकी में मकवाना के हवाले से कहा गया है ?कि जब मैंने पोस्ट में दावे की जांच की, तो मैंने पाया कि पोस्ट जानबूझकर पांडे जैसे दिखने वाले एक व्यक्ति की तस्वीर का उपयोग करके बनाई गई थी। इस फर्जी पोस्ट को हिंदू संतों की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने और हिंदुओं की भावनाओं को आहत करने के इरादे से साझा किया गया था। प्राथमिकी में आरोप लगाया गया है कि आरोपी ने एक महिला की जानकारी के बिना और यह जानते हुए भी कि इससे उसकी प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचेगा, उसकी अश्लील तस्वीर साझा कर दी है।

15 साल पुराने वाहन प्रतिबंधित नहीं

नई दिल्ली । लोकसभा में सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा, देश में 15 साल या उससे पुराने वाहनों पर प्रतिबंध नहीं लगाया गया है। सिर्फ दिल्ली एनसीआर में सुप्रीम कोर्ट ने 10 साल से ज्यादा पुराने डीजल वाहन और 15 साल से ज्यादा पुराने पेट्रोल वाहनों के चलने पर रोक लगाई है।गडकरी ने कहा एनजीटी ने वर्ष 2015 में 10 साल पुराने डीजल वाहन और 15 साल पुराने पेट्रोल वाहनों को प्रतिबंधित करने का आदेश दिया था। वही 2018 में सुप्रीम कोर्ट ने एनजीटी के इस आदेश के खिलाफ दायर याचिका को खारिज कर,इस फैसले को सही ठहराया था।यह प्रतिबंध केवल दिल्ली एनसीआर के लिए है। पूरे देश के लिए लागू नहीं है।

मामूली बात पर दो गुटों में झड़प व फायरिंग में युवक की मौत

बिजनौर । यूपी के बिजनौर जिले कोतवाली शहर थाना इलाके में मामूली बात को लेकर दो गुटों में झड़प के बाद फायरिंग होने से एक युवक की मौत हो गई है। जबकि मृतक का एक साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, बुधवार शाम 06:30 बजे पुलिस कंट्रोल रूम को आईटीआई कॉलेज के पास झगड़े की सूचना मिली। इसके बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंच गई। वहां पहुंचने पर पता चला कि मामूली बात पर हुई दो गुटों में झड़प और फायरिंग के बाद 22 वर्षीय आशू के सिर में गोली लगने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। जबकि हैप्पी गंभीर रूप से घायल हो गया। इस मामले में शहर पुलिस अधीक्षक संजीव वाजपेई ने कहा कि हमने मृतक के परिवार वालों की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया है और गोलीबारी में शामिल लोगों की तलाश की जा रही है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। हालां?कि हत्या के कारणों का अभी पता नहीं चला है। एएसपी ने कहा कि पुलिस की तीन टीमों को जांच में लगाया गया है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों का विश्लेषण किया जा रहा है। आरोपियों की पहचान कर उनकी गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं। हालां?कि पुलिस ने आरोपियों को जल्द गिरफ्तार करने का दावा किया।

बाड़मेर के खेत में मिला पाकिस्तान लिखा हुआ संदिग्ध गुब्बारा,पुलिस और बीएसएफ जुटी जांच में

जयपुर । भारत-पाकिस्तान सीमा से सटे बाड़मेर के चौहटन उपखंड क्षेत्र के बावड़ी कला गांव में एक संदिग्ध गुब्बारा मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया। दरअसल चौहटन थाना क्षेत्र के खेत की झाडियों में संदिग्ध गुब्बारा मिला. गुब्बारे को देखकर ग्रामीणों ने पुलिस को इसकी सूचना दी. सूचना मिलने पर चौहटन थाना पुलिस मौके पर पहुंची। चौहटन थानाधिकारी जयकिशन ने बताया कि क्षेत्र के बावड़ी कला गांव के खेत की झाडियों में एक संदिग्ध गुब्बारा मिलने की सूचना पर मौके पर पहुंचे. पुलिस ने गुब्बारे को अपने कब्जे में लिया और सुरक्षा एजेंसियों को इसकी जानकारी दी। सुरक्षा एजेंसियो के लोंगों ने भी गुब्बारे की जांच की। गुब्बारा एरोप्लेन के आकार का है जिस पर अग्रेजी में पाकिस्तान लिखा हुआ है। बीएसएफ के अधिकारी भी मौके पर पहुंचे उन्होंने बताया कि प्रारंभिक जांच में गुब्बारे के साथ कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली है, फिलहाल गुब्बारे की जांच की जा रही है. भारत-पाकिस्तान से सटे बावड़ी कला गांव के एक खेत में मिले इस संदिग्ध गुब्बारे की साइज चार फीट है. संदिग्ध गुब्बारा एरोप्लेन के आकार का बताया जा रहा है, इस पर चांद और तारे की आकृति भी बनी हुई है। गुब्बारे पर अंग्रेजी और उर्दू से लिखा है अंग्रेजी में पाकिस्तान और एसजीए और पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस भी लिखा हुआ है हालांकि प्रारंभिक जांच में गुब्बारे के साथ कुछ भी संदिग्ध वस्तु नहीं मिली है फिलहाल पुलिस और बीएसएफ इसकी जांच पड़ताल में जुटी है।

सिद्धू मूसेवाला हत्याकाण्ड : बेकसूर बताते हुए लॉरेंस बिश्नोई व जग्गू भगवानपुरिया ने कोर्ट से की रिहाई की मांग

मानसा । सिद्धू मूसेवाला कत्ल मामले में पंजाब की मानसा अदालत में गैंगस्टर लॉरैंस बिश्नोई तथा जग्गू भगवानपुरिया ने गुरुवार को रिहाई की मांग करते हुए दावा किया कि उनकी पंजाबी गायक की हत्या में कोई भूमिका नहीं थी। गौरतलब है कि मूसेवाला की पिछले वर्ष 29 मई को मानसा के नजदीकी गांव जवाहर में 6 हमलावरों ने गोलियां मारकर हत्या कर दी थी। गैंगस्टर लॉरैंस बिश्नोई के वकील ने जिला व सत्र न्यायाधीश प्रीति साहनी की अदालत में धारा 239 कोड ऑफ क्रिमिनल प्रोसीजर (सी.आर.पी.सी.) के तहत एक अर्जी दायर कर हत्या के मामले में आरोप मुक्त होने की मांग की है। हालांकि जग्गू भगवानपुरिया के वकील ने सी.आर.पी.सी. की धारा 227 के तहत 235 पन्नों की अर्जी दायर करके डिस्चार्ज अर्जियों का जवाब दाखिल करने के लिए मुल्तवी करने की मांग की, जिसके बाद अदालत ने जवाब के लिए मामले की सुनवाई 5 जनवरी तक मुलतवी कर दी है। जानकारी के अनुसार बिश्नोई व भगवानपुरिया ने अपनी अर्जियों में दावा किया है कि वह कत्ल में शामिल नहीं थे। उन्होंने कहा कि कत्ल के समय वह जेल में बंद थे तथा कत्ल में उनका कोई शारीरिक संबंध नहीं था। इससे पहले विभिन्न जेलों में बंद 24 मुलजिमों को वीडियो कॉन्फैंसिंग के जरिए अदालत में पेश किया गया। इस दौरान मुलजिम मोनू डागर को अदालत में पेश नहीं किया गया।

अब आंतकी पीएम के साथ नहीं...जमीन पर एनआईए के छोटे अफसर के सामने बैठता: मनोज सिन्हा

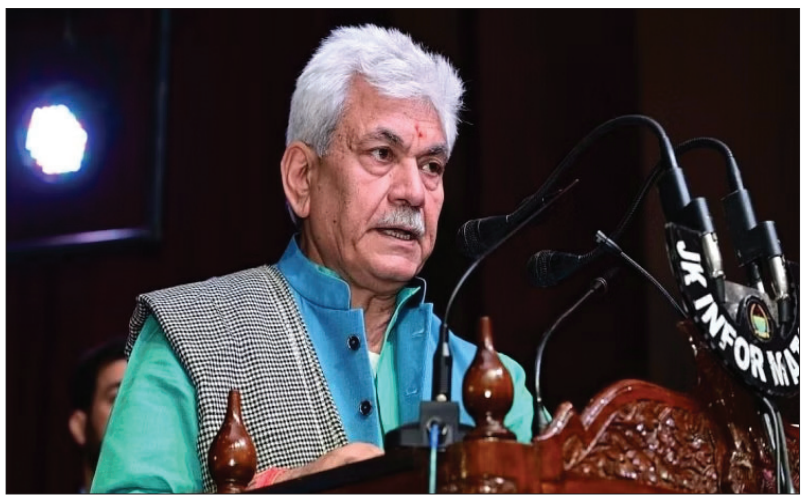

नई दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 और 35ए हटने के बाद करिश्माई बदलाव दिखाई दिए हैं। इन बदलावों पर बात करते हुए जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल (एलजी) मनोज सिन्हा कहा कि बदलाव का सबसे बड़ा उदाहरण यह हैं कि अब कोई आतंकी प्रधानमंत्री के साथ नहीं बैठ सकता। बल्कि अब एनआईए के एक छोटे से अफसर के सामने भी आतंकी जमीन पर बैठता है।

एलजी सिन्हा ने कहा, अनुच्छेद 370 हटने के बाद हुए बदलावों से करीब एक करोड़ दस लाख लोगों की आबादी के अंदर एक सम्मान की भावना पैदा हुई है। उन लोगों को लगाने लगा है कि आज दिल्ली में जो सरकार है वह हमारे अधिकारों और सम्मान के लिए तत्पर है। अब कोई आतंकी दिल्ली में आकर प्रधानमंत्री के साथ बैठकर बात नहीं कर सकता, अब एनआईए के एक छोटे अफसर के सामने भी वह कुर्सी पर नहीं बैठता, जमीन पर बैठता है। इस बड़े अंतर को देश समझ रहा है।

अनुच्छे 370 पर आए सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर एलजी सिन्हा ने कहा कि सर्वोच्च न्यायालय के फैसले को पूरे देश ने स्वीकार किया है। हमारी न्यायपालिका की प्रतिष्ठा पर आम आदमी पूरा भरोसा रखता है। जब एलजी से जम्मू-कश्मीर के लोगों के विचारों के बारे में पूछा गया तब उन्होंने कहा कि वहां के लोग पूरी तरह से भारत के साथ एकात्मता चाहते हैं। भारत से जुड़ना चाहते हैं।

बता दें कि अब जम्मू-कश्मीर में किसी आतंकी के मारने पर उसका जनाजा पूरे शहर में नहीं घुमाने दिया जाता है, बल्कि आंतकी के शव को आसपास दफनाने की व्यवस्था की जाती है।

इस मौके पर एलजी सिन्हा से पूछा गया कि क्या पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर के लोग भी भारत से जुड़ना चाहते हैं, तब इस पर उन्होंने कहा कि कुछ काम विदेश मंत्रालय के जिम्मे हैं। इसकारण उन कामों को उन्हीं के भरोसे छोड़ देना चाहिए। उन्होंने कहा कि पहले वहां सालों से रह रहे गोरखा लोगों को ना वोटिंग का अधिकार था, ना प्रॉपर्टी का। आधी आबादी यानी महिलाओं को दूसरे राज्य में शादी करने पर सारे अधिकार चले जाते थे। अब उन्हें उनके अधिकार मिल गए हैं और वहां भी बेहतर महसूस कर रही हैं।

मुसलमानों से उनकी अस्मत लूटना ही अब एकमात्र मकसद, मथुरा मस्जिद सर्वेक्षण पर भड़के ओवैसी

नई दिल्ली। मथुरा के शाही ईदगाह परिसर के सर्वेक्षण की अनुमति देने के इलाहाबाद उच्च न्यायालय के फैसले पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए एआईएमआईएम सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि मुसलमानों से उनकी गरिमा को लूटना ही अब एकमात्र लक्ष्य है। ओवैसी ने कहा कि बाबरी मस्जिद फैसले के बाद, मैंने कहा था कि इससे संघ परिवार की शरारतें बढ़ेंगी। यह पूजा स्थल अधिनियम के बावजूद ऐसी मुकदमेबाजी पर रोक लगाने के बावजूद है। यह आरोप लगाते हुए कि एक नया समूह 'इन विवादों को बढ़ा रहा है एआईएमआईएम प्रमुख ने कहा कि मथुरा विवाद दशकों पहले मस्जिद समिति और मंदिर के ट्रस्ट के बीच आपसी सहमति से सुलझाया गया था। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने गुरुवार को उत्तर प्रदेश के मथुरा में श्री कृष्ण जन्मभूमि मंदिर से सटे शाही ईदगाह परिसर का अदालत की निगरानी में अधिवक्ता आयुक्तों की तीन सदस्यीय टीम द्वारा प्राथमिक सर्वेक्षण की अनुमति दी। सर्वेक्षण के तौर-तरीके 18 दिसंबर को तय किए जाएंगे, जब अदालत सुनवाई फिर से शुरू करेगी। ओवेसी ने पोस्ट में कहा कि चाहे वह काशी हो, मथुरा हो या लखनऊ की टाइल वाली मस्जिद, यह एक ही समूह है। कोई भी यहां समझौते को पढ़ सकता है, जिसे अदालत के समक्ष तय किया गया था। उन्होंने आगे कहा कि पूजा स्थल अधिनियम अभी भी लागू कानून है। लेकिन इस ग्रुप ने कानून और न्यायिक प्रक्रिया का मजाक बना दिया है. सुप्रीम कोर्ट को इस मामले पर 9 जनवरी को सुनवाई करनी थी, तो ऐसी क्या जल्दी थी कि सर्वेक्षण का आदेश देना पड़ा?

सांसद प्रियंका चतुर्वेदी की दो टूक: कहा- विपक्ष को दोष न दें, खामियों पर मंथन करें

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद की सुरक्षा कितनी मजबूत है इसका खुलासा बुधवार को उस वक्त हो गया जब पूरी संसद धुंआ धुंआ हो गई। भीतर घुसे दो युवकों ने सदन में धुंआ भर दिया तो बाहर प्रदर्शन कर रहे लोगों ने धुंआ छोड़ दिया। अब संसद की सुरक्षा व्यवस्था को कटघरे में खड़ा करने वाली इस घटना पर राजनीति भी शुरु हो गई है। पक्ष और विपक्ष के बीच चल रहे सोशल मीडिया वॉर के तहत एक दूसरे पर हमले हो रहे हैं। आरोप प्रत्यारोप के बीच भाजपा की आईटी सेल की तरफ से सोशल मीडिया पर एक टिप्पणी आई। जिसमें लिखा हुआ था कि सुरक्षा में सेंध लगाने वाली महिला नीलम आजाद कांग्रेस इंडिया गठबंधन की समर्थक है। एक बार उससे मुलाकात करेंगें तो पता चलेगा कि वह एक आंदोलनजीवी है,जिसे कई विरोध प्रदर्शनों में देखा गया है। ऐसे में बड़ा सवाल यह भी है कि आखिर उस महिला को भेजा किसने है। भाजपा आईटी सेल प्रमुख मालवीय ने कहा, उनके दिमाग में इस तरह के विचार किसने भरे होंगे? दिल्ली की उनकी लगातार यात्राओं और फ्लाइट टिकटों को किसने प्रायोजित किया? उन्होंने नीलम (एनसीआर से बाहर) और लखनऊ के सागर शर्मा के साथ कैसे सहयोग किया? कौन विभिन्न शहरों के लोगों के साथ इस मॉड्यूल को एक साथ रखें? क्या मनोरंजन कांग्रेस या एसएफआई प्रायोजित आंदोलनों में सक्रिय था? क्या वह राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा में शामिल हुआ था? इस पर अंतिम शब्द अभी तक सामने नहीं आया है... लेकिन एक बात स्पष्ट है- विपक्ष ने 13 दिसंबर को एक उद्देश्य के साथ संसद को अपवित्र किया।

इसी बीच शिवसेना (यूबीटी) की राज्यसभा सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने गुरुवार को भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि समस्या को गंभीर सुरक्षा उल्लंघन के रूप में देखने के बजाय किसी तरह विपक्ष पर दोष मढ़ने का प्रयास किया जा रहा है। एक्स पर एक पोस्ट में, चतुर्वेदी ने कहा,समस्या को गंभीर सुरक्षा उल्लंघन के रूप में देखने के बजाय किसी तरह विपक्ष पर दोष मढ़ने का प्रयास किया जा रहा है। पता नहीं कि संसद की सुरक्षा के लिए विपक्ष जिम्मेदार है। यह नहीं पता कि (बीजेपी के कर्नाटक के मैसूरु सांसद) प्रताप सिम्हा का विपक्ष से कोई लेना-देना है और यह नहीं पता कि इस नई संसद को विपक्षी बेंच द्वारा डिजाइन किया गया था।

यह टिप्पणी लोकसभा में शून्यकाल की कार्यवाही के दौरान बुधवार को दो लोगों के दर्शक दीर्घा से कूदने के एक दिन बाद आई है। दोनों ने सदन में पीले रंग का धुआं भी छिड़का। सांसदों ने उन्हें पकड़ लिया और सुरक्षा अधिकारियों को सौंप दिया। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने बुधवार को डीजी सीआरपीएफ अनीश दयाल सिंह के तहत अन्य सुरक्षा एजेंसियों और विशेषज्ञों के साथ संसद सुरक्षा उल्लंघन की जांच का आदेश दिया। दिल्ली पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और सुरक्षा चूक मामले की जांच कर रही है।

जो बीत गया सो बीत गया, जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा मिले: कर्ण सिंह

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने जम्मू-कश्मीर अनुच्छेद 370 मामले में केंद्र के फैसले पर अपनी मोहर लगाई, जिस पर अब राजनीतिक गलियारे में बहस छिड़ गई है। ऐसे में जम्मू-कश्मीर राजघराने से आने वाले राज्य के पहले राज्यपाल व कांग्रेस नेता कर्ण सिंह का कहना है कि जो बीत गया सो बी गया, अब तो जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा मिलना चाहिए। केंद्र सरकार शासित राज्य नहीं बल्कि जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य के लिए चुनाव होने चाहिए।

महाराजा हरि सिंह के बेटे और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता कर्ण सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मांग की है कि जल्द से जल्द राज्य का दर्जा बहाल किया जाए। एक बातचीत के दौरान 92 वर्षीय कांग्रेस नेता कर्ण सिंह ने कहा कि जो बीत गया सो बीत गया। जो खत्म हो गया उसे वापस लाकर लागू करने का कोई मतलब नहीं है। उन्होंने कहा दूर क्यों जाते हैं हमारा ही उदाहरण ले लें, कभी राजा-महाराजा हुआ करते थे, लेकिन समय बीता चीजें बदल गईं और सब समाप्त हो गया। अब हम पुरानी चीजों को वापस तो नहीं ला सकते इसलिए जम्मू-कश्मीर को लेकर केंद्र सरकार के निर्णय को लेकर जो भी संशय रहा हो, वह सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद समाप्त हो जाना चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने केंद्र

सरकार से मांग करते हुए कहा कि अब जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा दिया जाना चाहिए। इसे लेकर ही अगले चुनाव होने चाहिए और दूसरी बातें भूलकर आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर पूर्ण राज्य हो न कि केंद्र शासित राज्य होना चाहिए।

दरअसल सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर कर्ण सिंह ने अपने बयान में कहा था कि सुप्रीम कोर्ट ने बहुत बारीकी से हर एक चीज को देखा है। सभी परिस्थितियों को देखते हुए सुप्रीम कोर्ट उस नतीजे पर पहुंचा। वह सुप्रीम कोर्ट के फैसले का स्वागत करते हैं, लेकिन इस फैसले से जम्मू-कश्मीर के कुछ लोगों को नाखुशी होगी। हालांकि अब यह स्पष्ट हो गया है कि जो कुछ भी हुआ वह संवैधानिक रूप से वैध है। इसके साथ ही उन्होंने केंद्र से मांग करते हुए कहा था कि जल्द से जल्द राज्य का दर्जा बहाल किया जाए। जरूरी नहीं है कि पहले चुनाव हों फिर राज्य का दर्जा मिले। चुनाव हों तो पूर्ण राज्य के लिए हों, केंद्र शासित प्रदेश के लिए क्यों हों।

मोहन सरकार बनते ही एमपी में ताबड़तोड़ एक्शन, बीजेपी नेता की हथेली काटने वालों के घर पर चला बुलडोज

भोपाल (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के नवनियुक्त मुख्यमंत्री मोहन यादव एक्शन में नजर में आ रहे हैं। पद संभालते ही मोहन यादव ने भाजपा कार्यकर्ता देवेन्द्र ठाकुर पर हमला करने के आरोपी व्यक्ति के घर पर बुलडोजर कार्रवाई का आदेश दिया। आरोपों के मुताबिक, आरोपी की पहचान फारुख राईन के रूप में हुई है, जिसने बीजेपी कार्यकर्ता पर हमला किया, जिसमें देवेंद्र ठाकुर का हाथ कट गया था। बताया जा रहा है कि यह हमला चुनावी रंजिश के चलते किया गया है। विधान सभा चुनाव के नतीजे घोषित होने के बाद 3 दिसंबर को ठाकुर पर धारदार हथियारों और वस्तुओं से हमला किया गया था।

पुलिस ने इस मामले में अन्य आरोपियों असलम, शाहरुख, बिलाल और समीर को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी फारुख राइन, जिसे मिन्नी के नाम से भी जाना जाता है, ने कथित तौर पर भाजपा कार्यकर्ता ठाकुर का हाथ काट दिया, जिसके कारण अधिकारियों के आदेश पर उसके घर पर बुलडोजर लाया गया। देवेन्द्र ठाकुर को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां बीजेपी के कैलाश विजयवर्गीय भी उन्हें देखने पहुंचे थे। गुरुवार को मध्य प्रदेश सरकार ने आरोपी का घर तोड़ने का आदेश दिया।

सर्वे के आंकड़े बता रहे, 2024 में फिर होगी भाजपा की बंपर जीत

-कांग्रेस के पास केवल 52 सीटें रहने की उम्मीद

नई दिल्ली (एजेंसी)। एक सर्वे के आंकड़े बता रहे हैं कि लोकसभा में भी भाजपा की बड़ी जीत होने वाली है। वहीं कांग्रेस को केवल 52 सीटों से ही संतोष करना पड़ेगा। मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में शानदार जीत हासिल करने वाली भारतीय जनता पार्टी का विजयरथ 2024 लोकसभा चुनाव में भी जारी रहने के आसार हैं। हाल ही में हुए एक सर्वे में ऐसे संकेत मिले हैं। सर्वे में संभावनाएं जताई जा रही हैं कि कांग्रेस और खासतौर से नए विपक्षी गठबंधन इंडिया का प्रदर्शन खास नहीं होने वाला है। सर्वे ने अनुमान लगाया है कि भाजपा की अगुवाई वाला नेशनल डेमोक्रेटिक अलायंस यानी एनडीए 323 सीटें अपने पाले में कर सकता है। सर्वे से यह भी पता चला है कि 2024 लोकसभा चुनाव में भाजपा अकेले ही 308 से 328 सीटें जीत सकती है। हालांकि, 2019 की तुलना में एनडीए की सीटों में कुछ गिरावट का भी अनुमान बताया जा रहा है। वहीं

इस सर्वे में कांग्रेस की गाड़ी महज 52 से 72 सीटों की बीच रुक सकती है। इसके अलावा इंडिया गठबंधन के दल मिलकर 163 सीटें जीत सकते हैं। बता दें कि करीब 18 दलों ने मिलकर भाजपा के खिलाफ विपक्षी गठबंधन तैयार किया है। इसमें कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस, वामदल, जनता दल यूनाइटडे, शिवसेना (उद्धव बालासाहब ठाकरे), राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी समेत कई बड़े दल शामिल हैं।

2019 के लोकसभा चुनाव के नतीजों को देखें तो भाजपा ने 436 सीटों पर चुनाव लड़ा था। इनमें से पार्टी ने 303 सीटों पर जीत का परचम लहराया था। जबकि, 421 सीटों पर मैदान में उतरी कांग्रेस को महज 52 सीटों पर ही जीत मिल सकी थी। तब एनडीए ने 350 सीटों का आंकड़ा पार कर लिया था और भाजपा ने अपने दम पर ही बहुमत हासिल कर ली थी। बता दें कि हाल ही में भाजपा ने 230 सीटों वाले मध्य प्रदेश में 163, राजस्थान की 199 में से 115, छत्तीसगढ़ में 90 में से 54 सीटों पर जीत हासिल की है। उधर पूर्वोत्तर राज्य मिजोरम में भी भाजपा का पिछले चुनाव के मुकाबले ग्राफ बढ़ा और पार्टी को 2 सीटों पर विजय मिली। दक्षिण भारतीय राज्य तेलंगाना में भी भाजपा ने 8 सीटें अपने हम में की हैं।

आप विधायक भूपेंद्र भयानी ने दिया विधानसभा की सदस्यता से इस्तीफा

✷ इस्तीफा स्वीकार हुआ, जल्दी ही भाजपा में होंगे शामिल

अहमदाबाद (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी (आप) के विधायक भूपेंद्र भयानी ने बुधवार को विधानसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया। इस्तीफा देने के बाद उन्होंने कहा कि लोगों की सेवा करने के लिए 'आप सही मंच नहीं था। जानकारों द्वारा इस घटनाक्रम को 'आप के लिए एक बड़ा झटका माना जा रहा है। गौरतलब है कि भूपेंद्र भयानी राज्य विधानसभा में जूनागढ़ के विसावडर क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हैं। जानकारी देते हुए एक अधिकारी ने बताया कि विधायक भयानी ने गांधीनगर में सुबह गुजरात विधानसभा अध्यक्ष शंकर चौधरी को अपना इस्तीफा सौंप दिया है। इस संबंध में गुजरात विधानसभा के सचिव डीएम पटेल ने कहा कि विधानसभा अध्यक्ष ने भयानी का

इस्तीफा स्वीकार कर लिया है। इस्तीफा देने के बाद भयानी ने पत्रकारों से कहा कि उन्होंने अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाले 'आप से भी इस्तीफा दे दिया है और वह जल्द ही भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल होंगे।

गौरतलब है कि भयानी पिछले साल विधानसभा चुनाव में चुने गए आम आदमी पार्टी (आप) के पांच विधायकों में से एक थे। इस चुनाव में 182 सदस्यीय विधानसभा में भाजपा ने 156 सीटें जीतकर भारी बहुमत हासिल किया था। यह पहली बार था जब आप ने राज्य विधानसभा चुनाव में कोई सीट हासिल की थी। भयानी ने दावा किया कि 'आप लोगों की सेवा करने का सही मंच नहीं है। उन्होंने कहा ?कि मैं एक राष्ट्रवादी व्यक्ति हूं जो विकास और लोगों की सेवा में विश्वास करता है। आम आदमी पार्टी मेरे क्षेत्र के लोगों की सेवा करने के लिए सही मंच नहीं था। कोई भी राष्ट्रवादी आप में लंबे समय तक नहीं रह सकता। पिछले साल विधानसभा चुनाव से पहले आप में शामिल होने से पहले जूनागढ़ के भेसन गांव के सरपंच रहे भयानी ने कहा ?कि इसके अलावा, मुझे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का विरोध करना पसंद नहीं था, जो हमारे गौरव हैं और जिन्होंने दुनिया भर में भारत को गौरवान्वित किया है।

संसद में धुंआ-धुआं करने वाले एक युवक के पिता ने कहा-फांसी पर चढ़ा दो साहब...

नई दिल्ली। बीते रोज संसद भवन की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर बड़ी खामी उजागर हुई है। यहां दो युवक संसद के भीतर पहुंचे और उन्होंने रंगीन धुंआ छोड़ दिया। इससे पूरे सदन में अफरा तफरी मच गई। सांसदों ने दोनों युवकों को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। पकड़े गए युवकों में एक का नाम सागर और दूसरे का नाम मनोरंजन है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। वहीं मनोरंजन के पिता का कहना है कि मेरे बेटे ने नियमों का उल्लंघन किया है उसे सजा मिलना चाहिए। उनसे पूछा गया कि लोकतंत्र के मंदिर पर इस तरह अफरा तफरी फैलाने की क्या सजा होना चाहिए..इस पर उन्होंने कह दिया कि फांसी पर चढ़ा तो साहब....।

मनोरंजन के पिता देवराज ने बताया कि यह गलत है, किसी को भी ऐसा कुछ नहीं करना चाहिए। उन्होंने कहा, अगर मेरे बेटे ने कुछ अच्छा किया होता, तो बेशक मैं उसका समर्थन करता, लेकिन अगर उसने कुछ गलत किया है तो मैं इसकी कड़ी निंदा करता हूं। अगर उसने समाज के लिए कुछ गलत किया है तो उसे फांसी दी जाए। वहीं, संसद के भीतर दो लोगों द्वारा सुरक्षा में सेंध लगाए जाने के अलावा, संसद परिसर के बाहर भी दो और लोगों को गिरफ्तार किया गया। इसमें से एक नीलम नाम की लड़की है, जिसने बाहर काफी बवाल काटा। नीलम की मां ने बताया है कि वह बेरोजगारी की वजह से काफी परेशान थी। हरियाणा के जिंद में नीलम की मां ने कहा, वह बेरोजगारी की वजह से काफी परेशान थी। मैंने उससे बात की थी, लेकिन उसने दिल्ली के बारे में कुछ नहीं बताया। वह मुझसे कहती रहती थी कि वह काफी पढ़ी-लिखी है और कोई नौकरी नहीं है, ऐसे में बेहतर है कि मर ही जाए। नीलम हिसार की रहने वाली है और उसने सिविल सर्विसेज की तैयारी भी की है। नीलम के भाई का दावा है कि वह कुछ साल पहले दिल्ली की सीमा पर सालभर तक चले किसान आंदोलन में भी हिस्सा ले चुकी है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

शहर के हवाई यात्रियों में खुशी.., एयर इंडिया एक्सप्रेस ने दुबई उड़ानें शुरूकरने की घोषणा की

सांसद सी.आर. पाटिल ने सोश्यल मीडिया में दी जानकारी, सूरत से दुबई सप्ताह में चार फ्लाईट, होंगकॉक के लिए जल्द तारीख की घोषणा

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत से दुबई फ्लाइट शुरूहोने का इंतजार अब खत्म हो गया है। पहले सूरत से सीधी अंतरराष्ट्रीय उड़ान न होने के कारण यात्रियों को काफी परेशानी उठानी पड़ती थी। सूरतियों के लिए यह एक अच्छी खबर सामने आई है। वी वर्क फॉर वर्किंग एयरपोर्ट ग्रुप के प्रयासों और सूरत की वर्षों पुरानी मांग को आखिरकार स्वीकार कर लिया गया है। एयर इंडिया एक्सप्रेस की ओर से कहा गया है कि दुबई की उड़ान बैंकॉक उड़ान से पहले

C R Paatil
Just now ·

Surat will take flight of development

Two international flights of Surat-Dubai-Surat and Surat-Hong Kong-Surat are about to st...
See more
· Rate this translation

Dubai- Surat Connectivity

Flight	Direction	Surat	Dubai	Frequency	Commencement date
Air India Express	Onward	09:20	11:10	4x week	17th Dec
	Return	16:40	12:10		
IndiGo	IndiGo shall operate 3X a week on Surat – Dubai Sector. Details being worked out.				

Surat- Hong Kong Connectivity

Flight	Direction	Surat	Hong Kong	Via Delhi (layover time)	Frequency	Commencement Date
Indigo	Onward	21:20	12:30 (D+1)	7hrs 10 minutes	Daily	Operational
	Return	2050	1330	02hrs 10 minutes		
Air India	Onward	17:00	06:15	04hrs 10 minutes	3x week	Operational
	Return	07:45	21:00	08hrs 20 minutes	3x week	

शुरूकी जाएगी।

जानकारी के मुताबिक, वी वर्क फॉर वर्किंग एयरपोर्ट ग्रुप लंबे समय से देश की सभी एयरलाइंस के संपर्क में था और दुबई की उड़ानों के लिए प्रतिनिधित्व और मांग कर रहा था। आखिरकार एयर इंडिया एक्सप्रेस ने इसे स्वीकार कर लिया और १७ दिसंबर से उड़ान शुरूकर दी जाएगी। उस समय संभावना है कि प्रधानमंत्री मोदी सूरत से दुबई की उड़ान को हरी झंडी दे देंगे, लेकिन अभी तक दुबई से स्लॉट नहीं मिलने के कारण सूरत दुबई से एयर कनेक्टीवीटी के मामले में वंचित था। लेकिन इस बार एयर इंडिया एक्सप्रेस को सफलता मिली है। जानकारी के मुताबिक, एयर इंडिया एक्सप्रेस की ओर से जुलाई से दुबई फ्लाइट की कोशिश शुरू की गई थी, लेकिन स्लॉट की समस्या हो रही थी।

वी वर्क फॉर वर्किंग एयरपोर्ट्स ग्रुप लगातार उड्डयन मंत्रालय, सचिव और एयर लाइन्स कंपनी को बार-बार निवेदन करता रहा कि सूरत को दुबई के लिए फ्लाइट मिलनी चाहिए, ताकि सूरत के अंतरराष्ट्रीय यात्रियों को परेशानी न हो। दूसरे एयरपोर्ट से यूएस यूके तक कनेक्टिविटी पाने के लिए उन्हें दूसरे एयरपोर्ट पर जाना पड़ता था। इससे समय की बर्बादी, सामान की समस्या, अधिक किराये से छुटकारा मिलेगा। अब दुबई फ्लाइट उपलब्ध होते ही उन्हें दुबई से सीधी कनेक्टिविटी मिल सकेगी। सूरत से शारजाह फ्लाइट की यात्री वृद्धि से सूरत को दुबई फ्लाइट मिलने में भी मदद मिली है।

उमरागाम में ९ साल के बच्चे पर ६ से ७ कुत्तों ने हमला किया, मासूम के पूरे शरीर पर गंभीर चोटें आई

पतंग लाने गया और कुत्तों ने हमला कर दिया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में स्कूल जाते समय बच्चे पर कुत्तों ने हमला किया, २० जगह पर बच्चें को काटा

सूरत में आवारा कुत्तों का आतंक लगातार देखने को मिल रहा है। पिपलोद इलाके में एक ९ साल के बच्चे पर ६ से ७ कुत्तों ने हमला कर उसके पूरे शरीर पर कांट लिया। बच्चा स्कूल जाने के लिए घर से निकला था तभी दीवार कूदकर सड़क पर गिरी पतंग उठाने गया। इस दौरान कुत्तों ने बच्चे पर हमला कर दिया और बच्चे के शरीर पर करीब २० गंभीर चोटें पहुंचाईं। फिलहाल बच्चे को सिविल अस्पताल के सर्जरी विभाग में शिफ्ट कर दिया गया है।

पिपलोद इलाके में कुबेर गार्डन के पास गणेश राठौड़ अपने परिवार के साथ रहते हैं। गणेश राठौड़ मंडप सजावट का काम कर अपने परिवार का भरण-पोषण करता है। उनके परिवार में चार बच्चे हैं। इनमें ९ वर्षीय बेटा शनि राठौड़ सुबह तैयार होकर स्कूल जाने के लिए घर से निकला। शनि ने घर के पास गिरी हुई पतंग देखी और उसे लेने के लिए दीवार कूदी । इसी बीच ६ से अधिक आवारा कुत्ते एक साथ दौड़ते हुए आये और शनि पर हमला कर दिया। बच्चे की चीख सुनकर लोग दौड़ पड़े। बच्चे को कुत्तों के

चंगुल से बचाया गया। घटना की जानकारी होने पर बच्चे के माता-पिता दौड़ पड़े। बच्चे को लहूलुहान हालत में देख वे सन्न रह गए। इसके बाद उसे तुरंत १०८ से इलाज के लिए सिविल अस्पताल पहुंचाया गया। बच्चे की गंभीर हालत को देखते हुए डॉक्टरों ने तुरंत इलाज शुरूकर दिया।

बच्चे की चोटें इतनी गंभीर थीं कि आवारा कुत्तों ने बच्चे के सिर के ऊपर की पूरी चमड़ी ही उखाड़ दी। कुत्तों ने बच्चे के पूरे शरीर पर करीब २० चोटें पहुंचाईं। फिलहाल, बच्चे को सर्जरी विभाग में भर्ती कर उसका इलाज किया जा रहा है। सूरत में छोटे बच्चों समेत लोग आवारा कुत्तों का शिकार हो रहे हैं। कुछ दिन पहले वराछा में रहने वाली एक छोटी बच्ची पर कुत्तों ने हमला कर दिया था और उसकी आंखें फोड़ दी थीं। जिसके चलते बच्ची की एक आंख चली गई है। तभी आज एक और ९ साल के बच्चे पर कुत्तों ने हमला कर दिया और सिर की चमडी उखाड़ दी। उस समय लोगों ने नगर निगम के खिलाफ निराशा व्यक्तकी थी और आवारा कुत्तों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की थी।

एथर में आग लगने से मरने वालों की संख्या बढ़कर १० हुई

इलाज के दौरान एक और मरीज की मौत, आग लगने की शुरुआती रिपोर्ट हफ्तों बाद आई

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सचिन जीआईडीसी में एथर इंडस्ट्री में भीषण आग लगी थी। आग में २७ मजदूर झुलस गए थे और सात मजदूर लापता हुए थे। इस अग्निकांड में ९ मजदूरों की मौत हो चुकी है। आज इलाज के दौरान एक और मजदूर की मौत हुई जिससे मरने वालों की कुल संख्या १० हो गई है। वहीं आग लगने की प्रारंभिक रिपोर्ट एफएसएल अधिकारी ने एक सप्ताह बाद पुलिस को सौंपी है।

सचिन की एथर इंडस्ट्रीज में हुए अग्निकांड में आज एक और कर्मचारी की मौत हो गई है। ३४ वर्षीय मनोज मुखिया गंभीर रूप से झुलस गये थे। इसलिए उन्हें एक निजी अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया। जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मनोज की मौत से परिवार में मातम छा गया है।

एथर से आग लगने की स्थिति में स्ट्रक्चर स्टेबिलिटी (संरचनात्मक स्थिरता) रिपोर्ट का इंतजार किए बिना, एफएसएल टीम ने कंपनी में लोहे के सपोर्ट स्थापित कर १० दिन पहले सभी प्रकार के नमूने ले लिए। जिसकी प्रारंभिक रिपोर्ट एक सप्ताह बाद एफएसएल अधिकारी ने पुलिस को सौंप दी है। जिसमें यह बात सामने आई है कि एथर इंडस्ट्रीज कंपनी में स्टोरेज टैंक लीक होने की वजह से आग लगी होने का कारण सामने आया है।

सचिन के एथर उद्योग में आग लगने की घटना में एफएसएल के एक अधिकारी ने प्रारंभिक रिपोर्ट में कहा कि कंपनी में एक रासायनिक भंडारण टैंक रिसाव हुआ था। जो वाष्प के बादल के रूप में बाहर आकर भड़क उठा। इससे अचानक विस्फोट हुआ और आग लग गयी। इस धमाके का सीसीटीवी कैमरे का फुटेज भी मिला है। पुलिस ने अभी तक इस बारे में कोई स्पष्टीकरण नहीं दिया है कि इस घटना में किसी की लापरवाही थी या नहीं।

सारी रिपोर्ट कलेक्टर को सौंपी जाएगी

एथर अग्निकांड के इस मामले में एफएसएल की रिपोर्ट के बाद अन्य विशेषज्ञों की रिपोर्ट का भी इंतजार है। फिलहाल सचिन जीआईडीसी पुलिस ने एफएसएल की प्रारंभिक रिपोर्ट कलेक्टर को सौंप दी है। पुलिस ने यह भी कहा कि अभी एफएसएल की अंतिम रिपोर्ट आनी बाकी है। फायर सेफ्टी और जीपीसीबी की रिपोर्ट आनी बाकी है। ये सभी रिपोर्ट कलेक्टर को भी सौंपी जाएंगी और बाद में कमेटी तय करेगी कि कंपनी में कोई लापरवाही हुई है या नहीं और आगे की कार्रवाई की जाएगी।

शहर में 'नो ड्रोन फ्लाई जोन' को लेकर पुलिस कमिश्नर की घोषणा

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

डायमंड बुर्स, खजोद चौक और सूरत हवाई अड्डे के आसपास २ किमी तक के क्षेत्र में प्रस्तावित

सूरत। पुलिस आयुक्त अजय कुमार तोमर ने १७/१२/२०२३ को सूरत शहर में कानून व्यवस्था बनाए रखने और प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी सहित गणमान्य व्यक्तियों की सुरक्षा के उद्देश्य से एक अधिसूचना के माध्यम से कुछ प्रतिबंधों के आदेश दिए हैं। जिसके अनुसार, डायमंड बुर्स, खजोद चौकड़ी और सूरत हवाई अड्डे के आसपास २ किमी तक के क्षेत्र में रिमोट नियंत्रित ड्रोन, क्वाडकॉप्टर, संचालित विमान और मानव संचालित माइक्रोलाइट विमान, हैंग ग्लाइडर और ड्रोन शामिल हैं। पैराग्लाइडर (हैंग ग्लाइडर/ पैरा ग्लाइडर, पैरा मोटर, हॉट एयर बैलून (गर्म हवा के गुब्बारे) और पैरा जंपिंग प्रतिबंधित हैं। साथ ही पुलिस विभाग एवं सुरक्षा बल उपरोक्त संसाधनों का उपयोग कर सकते हैं। यह आदेश १६/१२/२०२३ से १८/१२/२०२३ तक लागू रहेगा और उल्लंघन करने वाले दंड के भागी होंगे।

५वें दिन आयकर विभाग की तलाश पूरी, दो जगहों पर छापेमारी में ७०० करोड़ का बेनामी लेनदेन मिला

२५० कैमरे चेक किए, आखिरकार ५ फ्लैट की जांच के बाद ४०० करोड़ की कीमत के दस्तावेज मिले

दस्तावेज आईटी के हाथ न लगे इस लिए बिल्डर के स्टाफ ने बदले ५ फ्लैट

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के सुराणा बिल्डर ग्रुप और राकेश कंसल के खिलाफ आयकर विभाग की इन्वेस्टिगेशन विंग द्वारा चलाए गए पांच दिवसीय सर्च ऑपरेशन में कुल ७०० करोड़ का बेनामी लेनदेन पाया गया। जिसमें फिल्मी अंदाज में पीछा कर ४०० करोड़ के दस्तावेज जब्त किए गए। छापे के दौरान दस्तावेजों को जब्त होने से बचाने के लिए सुराणा बिल्डर समूह ने लगातार पांच फ्लैट बदल दिए।

फ्लैट भी इस तरह बदले गए कि कुछ ही समय में दस्तावेज दूसरे फ्लैटों में स्थानांतरित कर दिए जाते थे, लेकिन करीब २५० सीसीटीवी कैमरों की जांच के बाद अधिकारी आखिरकार ४०० करोड़ के दस्तावेजों तक पहुंच गए।

इसके साथ ही आयकर विभाग के अधिकारियों ने बताया कि दोनों ग्रुप पर सर्च ऑपरेशन पूरा हो चुका है। अब दस्तावेज़ हाथ लगे है, इसकी जांच कर बाद में टैक्स वसूली की जायेगी।

आईटी विभाग की ओर से पिछले पांच दिनों से शहर में दो जगहों पर सर्च ऑपरेशन चलाया गया था। डीआई सुरेश बतुनी के आदेश के बाद अपर आयुक्त विभोर बदोनी की देखरेख में सहायक आयुक्त देवेन केसवाला समेत पूरी टीम का ऑपरेशन सफल रहा जब डोक्युमेन्ट हाथ लगे।।

जिन दस्तावेजों का आदान-प्रदान किया जा रहा है उनमें नकद लेनदेन, नकद ऋण, निर्माण व्यय में उपयोग की जाने वाली नकदी और नकद में खरीदी गई जमीन-जायदाद शामिल हैं।

इसके अलावा जिन लोगों ने प्रोजेक्ट में संपत्ति ली है। इसमें यह भी विवरण है कि किसने नकद भुगतान किया है। छापेमारी के दौरान अधिकारियों को जानकारी मिली थी कि एक जूनियर कर्मचारी के घर पर कुछ दस्तावेज रखे हैं। इसलिए एक टीम परवत पाटिया इलाके में पहुंची। हालाँकि, बिल्डर ने दस्तावेज़ को वहाँ से हटा दिया।

इसलिए यह दस्तावेज कहां गया इसकी जांच के लिए बिल्डिंग के सीसीटीवी कैमरे चेक किए गए और गाड़ी नंबर के आधार पर इसे लगातार ट्रैक किया गया। हालाँकि, बिल्डरों के पीछे के लोग एक फ्लैट से दूसरे फ्लैट में जाते थे, कुछ घंटों के लिए रुकते थे और फिर जगह बदल लेते थे। पांच फ्लैटों को इस तरह से परिवर्तित किया गया।

दूसरी ओर अधिकारी भी लगातार पीछे थे, उन सभी बिल्डिंग के सीसीटीवी कैमरे चेक किए जा रहे थे, बिल्डिंग के रास्ते के कैमरे भी चेक किए जा रहे थे। ताकि किस फ्लैट में रुके थे इसकी जानकारी मिल सके। कभी बिल्डरों के लोगों ने कारों का इस्तेमाल किया तो कभी दोपहिया वाहनों का। इस तरह से पांच फ्लैट बदले गए और अधिकारियों को ये दस्तावेज हासिल करने में दो दिन लग गए। जानकारी के मुताबिक सुराणा ग्रुप के वहां से कुल ५०० करोड़ और राकेश कंसल को २०० करोड़ का बेनामी लेनदेन मिला।

ओवरब्रिज पर मोपेड सवार का हाथ पकड़कर युवक ने की खतरनाक स्केटिंग,वीडियो हुआ वायरल

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में सड़क पर कई खतरनाक स्टंट करते लोगों के वीडियो वायरल हो रहे हैं। इस बार एक स्केटिंग युवक रिंग रोड पर अनोखा करतब करता नजर आया। मोपेड चलातेअपने दोस्तों का हाथ पकड़कर स्केटिंग के साथ स्टंट करते युवक का वीडियो वायरल हो गया।

लोग स्टंट करके अपनी जान जोखिम में डालते हैं और अन्य राहगीरों और वाहन चालकों के लिए भी परेशानी पैदा करते हैं।

हालांकि, वे बिना किसी से डरे सड़क पर ऐसे स्टंट करते हैं। सूरत के रिंग रोड के ओवरब्रिज पर बाइक सवार का हाथ पकड़कर खतरनाक स्केटिंग करते एक युवक का वीडियो वायरल हो गया है। जिसमें युवक की खतरनाक स्केटिंग अन्य वाहन चालकों की सांसे रोकती नजर आ रही है। सड़क से गुजरते वक्त लोगों की जान खतरे में पड़ गई। सोशल मीडिया पर इस तरह का वीडियो वायरल होने के बाद से लोगों ने सख्त कार्रवाई की मांग की है। साथ ही जिस तरह से पुलिस ने पहले भी इस तरह के मामले में कार्रवाई की है इस मामले में भी ऐसा करने की मांग की गई है।

शिक्षिका के ४० हजार रुपये मोपेड से गिरे, पुलिस ने एक घंटे में निपटाया मामला

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के उधना मगदल्ला रोड की एक सोसायटी में मोपेड से सड़क पर गिरी ४० हजार रुपए की नकदी पुलिस के सराहनीय कार्य का जीता जागता उदाहरण बन गई है। सीसीटीवी की मदद से शिक्षका बहन को वापस लौटाया गया। इतना ही नहीं बल्कि शिकायत मिलने के एक घंटे के अंदर ही मामले का निपटारा कर दिया गया जो बेहद सराहनीय है।

पीड़ित शिक्षिका ने बताया कि यह पैसा घरेलू खर्च के लिए था, वह उसकी मां के घर से लायी थी। सोसायटी में ही घर से ५० मीटर की दूरी पर एक कागज की थैली बैग से गिरी। जब सीसीटीवी में पैसे और मोबाइल गिरने की घटना तथा रुपये उठाने वाले मोपेड सवार दोनो कैद हो गए।

पुलिस की मदद से मेहनत की कमाई बरामद करने के लिए हम पुलिस कर्मियों के प्रति आभार व्यक्त करते हैं। जानकारी के मुताबिक, प्रमिलाबेन आलोकभाई बागड़ी (निवासी, ए/२, फ्लैट नंबर २०४ वसंत विहार सोसायटी, ब्रेडलाइनर सीटी लाइट) ने बताया कि वह घर पर बच्चों को ट्यूशन पढ़ाकर परिवार की आर्थिक मदद करते हैं। घटना १३ तारीख दोपहर की है। वेसु अपने मायके से घरेलू खर्च के लिए ४० हजार रुपये लेकर घर लौट रही थी। उस समय, मोपेड से पेपर बैग, नकदी और मोबाइल सोसायटी में गिर गए। घर पहुंचने पर बैग में सिर्फ ड्राईफूट थे, पैसे और मोबाइल गायब थे। यह देखकर उनके होश उड़ गए। दौडकर देखने के बाद मोबाइल सोसायटी में गेट की ओर जाने वाली सड़क पर मिला। तो वेसू मां के घर तक जाने के बाद भी पैसे नहीं मिले। तो वापस आते वक्तएक बंगले में सीसीटीवी दिखा और मैंने उनसे रिक्वेस्ट की तो पूरी घटना मेरी आंखों के सामने आ गई। आगे कहा गया कि चलती मोपेड से पैसे और मोबाइल गिर रहे थे और एक मिनट के अंदर दूसरा मोपेड सवार मोबाइल छोड़कर पैसे ले जाता हुआ सीसीटीवी में कैद हो गया। सीसीटीवी में दिखे गाड़ी नंबर को लेकर पुलिस थाने पहुंच गई। मेरी बात सुनकर आरटीओ के आवेदन से गाड़ी नंबर के आधार पर ड्राइवर का पता निकालकर दो पुलिसकर्मी तुरंत मौके पर पहुंचे। और पैसे उठाने वाले शख्स ने भी मानवता दिखाते हुए बिना किसी सवाल के पैसे दे दिए।

जयराजसिंह वाघेला (पुलिस अधिकारी खटोदरा) को महिला बहन की शिकायत सुनने पर थोड़ी दिक्कत महसूस हो रही थी। हालांकि, सीसीटीवी देखने पर पैसे लेने वाले व्यक्ति की गाड़ी का नंबर पाया। बस इतना पता चलने के बाद मामले को निपटाना आसान हो गया। रजिस्ट्रेशन नंबर के आधार पर गाड़ी के ड्राइवर का पता निकालकर वह तुरंत घर पहुंचे और कहने मात्र से सामनेवाले ने भी मानवता दिखाई और कहा कि पैसे उनके पास हैं। खुशी की बात यह थी कि मामले का निपटारा एक घंटे के अंदर हो गया, दूसरी खुशी की बात यह थी कि पैसा शिक्षिका बहन का था और मेहनत का था, घर का खर्च था, ऐसे काम करने से दिल और दिमाग दोनों खुश हुए। पूरा परिवार आभार व्यक्तकर रहा था। बस यही हमारे काम का सर्टिफिकेट कहा जा सकता है।